राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 109 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,26 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

## एक नज़र...

### केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लॉन्च किया कंसल्ट ऐप

**नई दिल्ली।** अगर आप किसी के बारे में कुछ जानना चाहते हैं तो सबसे पहले आप ऐसे जानकार की तलाश करते हैं जो आपको इसके बारे में जानकारी दे सके. कई बार आपकी जिज्ञासा पूरी होती है तो कई बार अधूरी रह जाती है. इसी से जुड़ी एक ऐप तैयार की गई है. पूर्व आईएएस राघव चन्द्रा ने इसे बनाया है. कंसल्ट ऐप के माध्यम से तुरंत आप 65 मुद्दों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने बताया कि आने वाले समय में नीति आयोग भी इस ऐप की मदद लेगा. जैसे ही आप ऐप पर जाएंगे आपको अपने मुद्दो के हिसाब से एक्सपर्ट मिलेंगे. आप अपनी सुविधा और एक्सपर्ट के प्रोफाइल के आधार पर उसका चुनाव कर सकते हैं. अगर एक्सपर्ट उस वक्त फ्री होंगे तो तुरंत आपसे बात करेंगे.

### कोविशील्ड और कोवैसीन पर रोक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** उच्चतम न्यायालय ने 'कोविशील्ड' और 'कोवैसीन' के इस्तेमाल पर रोक की मांग वाली एक याचिका को भारी जुर्माने के साथ सोमवार को खारिज दिया और कहा कि इन दोनों वैसीन पर संदेह न किया जाए। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को सही ठहराया है, जिसमें कोविड-19 से एहतियाती बचाव के लिए टीकाकरण में ' कोविशील्ड और कोवैसीन का लीनिकल ट्रायल पूरा होने तक इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग को खारिज करते हुए याचिकाकर्ताओं पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया था। मैथ्यू थॉमस एवं अन्य की जनहित याचिका को कर्नाटक हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए कहा था कि यह जनहित से जुड़ा हुआ मामला नहीं है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान कहा कि उच्च न्यायालय ने इस मामले में उचित फैसला लिया है।

### केंद्रीय मंत्री मांडविया निवेशक समेलन को करेंगे संबोधित

**नई दिल्ली।** रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों से संबंधित एक निवेशक समेलन को 27 अटूबर को संबोधित करेंगे। फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के मामले में भारत की स्थिति को विश्व स्तर पर अधिक मजबूत करने के दृष्टिकोण से फार्मास्युटिकल विभाग, इन्वेस्ट इंडिया की भागीदारी में 27 अटूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक निवेशक शिखर समेलन की मेजबानी करेगा। इस शिखर समेलन का विषय 'फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में अवसर और भागीदारी' है। शिखर समेलन में बायोफार्मा में अवसर, अनुसंधान एवं विकास निवेश, वैसीन निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक सिरे से दूसरे सिरे तक एकीकरण, फार्मा और चिकित्सा उपरण क्षेत्र में स्टार्टअप्स का वित्तपोषण, थोक दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में विचार-विमर्श किया जाएगा ।

### सूडान की सेना ने अपने पीएम को हिरासत में लिया

**काहिरा।** सूडान के प्रधानमंत्री को वहां की सेना ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने ततापलट का समर्थन करने से इंकार कर दिया था। देश के सूचना मंत्रालय ने सशस्त्र बलों द्वारा प्रधानमंत्री अदुल्ला हमदोक को सोमवार को हिरासत लेने की जानकारी दी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जब उन्होंने ततापलट का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया, तो सेना के एक बल ने प्रधानमंत्री हमदोक को हिरासत में ले लिया और उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले गए। सूडान के अधिकारियों ने कहा है कि सैन्य बलों ने सोमवार को पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को हिरासत में ले लिया, वहीं लोकतंत्र समर्थक मुय दल सूडानीज प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ने जनता से संभावित सैन्य ततापलट के विरोध में सड़क पर उतरने का आह्वान

# पीएम नरेन्द्र मोदी ने सिद्धार्थनगर से नौ मेडिकल कालेजों का किया लोकार्पण

**लखनऊ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बुद्ध के क्रीड़ांगन उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से सोमवार को उत्तर प्रदेश के नौ मेडिकल कालेजों का लोकार्पण किया। केंद्र और प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूर्वांचल को पहले की सरकारों ने बीमारियों से जूझने के लिए छोड़ दिया था। भ्रष्टाचार की साइकिल 24 घंटे चलती रही, कुछ परिवारवादियों ने खूब लाभ कमाया और प्रदेश की सामान्य जनता पिसती रही। वही पूर्वांचल अब पूर्वी भारत का मेडिकल हब बनेगा, अब देश को बीमारियों से बचाने वाले अनेक डाक्टर यह धरती देने वाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का छह दिन के अंदर पूर्वांचल का यह दूसरा दौरा था। इससे पहले उन्होंने पिछले बुधवार को भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के साथ मेडिकल कालेज और कई अन्य विकास योजनाओं का शिलान्यास किया था। सिद्धार्थनगर आने वाले पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- आज का दिन उत्तर प्रदेश के लिए, विशेषकर पूर्वांचल के लिए आरोग्य की डबल डोज लेकर आया है। यहां सिद्धार्थनगर में प्रदेश के नौ मेडिकल कालेज का लोकार्पण हो रहा है। इसके बाद पूर्वांचल से ही पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ी योजना शुरू होने जा रही है। स्पष्ट हो कि प्रधानमंत्री ने बाद में वाराणसी जाकर पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना का शुभारंभ किया।

भोजपुरी में संबोधन की शुरूआत करने के बाद मोदी-मोदी के उच्चघोष बीच प्रधानमंत्री थोड़ी देर खामोश रहे। फिर सवाल किया- नारों-वारों से संतोष हो गया? इजाजत हो तो अपनी बात शुरू करूं। वैसे यह उत्साह अभी कई महीनों तक चलाना है।% बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि आज केंद्र और उत्तर प्रदेश में जो सरकार है, वह अनेकों कर्मयोगियों की दशकों की तपस्या का फल है। नौ नए मेडिकल कालेजों के निर्माण से ढाई हजार बेड तैयार हुए हैं। पांच हजार से अधिक डाक्टर और पैरा मैडिकल के लिए रोजगार के नए अवसर बने हैं।

प्रति वर्ष सैकड़ों युवाओं के लिए मेडिकल की पढ़ाई का नया रास्ता खुला है। जिस पूर्वांचल की छवि पिछली सरकारों ने खराब कर दी थी, दिमागी बुखार से हुई दुखद मौतों की वजह से बदनाम कर दिया गया था, वही पूर्वांचल वही उत्तर प्रदेश, पूर्वी भारत को सेहत का नया उजाला देने वाला है। उन्होंने इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए कहा-%यूपी के भाई-बहन भूल नहीं सकते कि कैसे योगी जी ने संसद में यूपी की बदहाल मेडिकल व्यवस्था की व्यथा सुनाई थी। योगी जी तब मुख्यमंत्री नहीं थे, वे एक सांसद थे और बहुत छोटी आयु में सांसद बने थे। आज यूपी के लोग ये भी देख रहे हैं कि योगी जी को जनता-जनार्दन ने सेवा का मौका दिया तो कैसे उन्होंने दिमागी बुखार को बढ़ने से रोक दिया, इस क्षेत्र के हजारों बच्चों का जीवन बचा लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी

के पहले और उसके बाद भी मूलभूत चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई। इस कष्ट को उन्होंने स्वयं महसूस किया है। लेकिन इस बात का हमेशा अफसोस रहेगा कि यहां पहले जो सरकार थी, उसने केंद्र का साथ नहीं दिया। विकास के कार्यों में राजनीति को ले आई। क्या कभी किसी को याद पड़ता है कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी एक साथ इतने मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण हुआ हो? अथाह भीड़ की आवाज आई-नहीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहले ऐसा नहीं होता था और अब हो रहा है। इसका एक ही कारण है, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राजनीतिक प्राथमिकता। जो पहले थे उनकी प्राथमिकता थी, स्वयं के लिए पैसे कमाना और परिवार के लिए तिजोरी भरना। अब सरकार की प्राथमिकता है गरीब का पैसा बचाना, गरीब के परिवार को मूलभूत सुविधाएं देना। सात साल पहले दिल्ली और चार साल पहले यूपी में जो सरकार थी, वह पूर्वांचल में क्या करती थीं, डिस्पेंसरी या कहीं-कहीं छोटे-छोटे अस्पताल की घोषणा की जाती थी। लोग भी उम्मीद लगाए रहते थे। लेकिन सालों-साल तक या तो बिल्डिंग ही नहीं बनती थी, बिल्डिंग होती थी तो मशीनें नहीं होती थीं, दोनों हो गई तो डाक्टर और दूसरा स्टाफ नहीं होता था। ऊपर से गरीबों के हजारों करोड़ रुपए लूटने वाली भ्रष्टाचार की साइकिल चौबीसों घंटे अलग से चलती रहती थी। दवाई, एंबुलेंस, नियुक्ति, ट्रांसफर-पोस्टिंग, सब में भ्रष्टाचार।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने हर गरीब तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत ईमानदारी से प्रयास किया है। योगी सरकार से पहले जो सरकार थी, उसने अपने कार्यकाल में यूपी में सिर्फ 6 मेडिकल कालेज बनवाए थे। योगी जी के कार्यकाल में 16 मेडिकल शुरू हो चुके हैं और 30 नए मेडिकल कॉलेजों पर तेजी से काम चल रहा है। रायबरेली और गोरखपुर में बन रहे एम्स तो यूपी के लिए एक प्रकार से बोनस हैं।

प्रधानमंत्री का विपक्ष पर जोरदार हमला = प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले वाली सरकार में भ्रष्टाचार की साइकिल 24 घंटे चलती रहती थी। दवाई खरीद में भ्रष्टाचार, एम्बुलेंस चलाने में भ्रष्टाचार, ट्रांसफर-पोस्टिंग में भ्रष्टाचार। प्रदेश में पहले था सिर्फ भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार। सही ही कहा जाता है कि जाके पांव ना फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। यहां पर तो वर्षों तक बिल्डिंग ही नहीं बनती थी, बिल्डिंग होती थी तो मशीनें नहीं होती थीं, या डॉक्टर और दूसरा स्टाफ नहीं होता था। ऊपर से गरीबों के हजारों करोड़ रुपए लूटने वाली भ्रष्टाचार की सायकिल चौबीसों घंटे अलग से चलती रहती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सात वर्ष पहले जो दिल्ली में सरकार थी और चार वर्ष पहले जो यहां उत्तर प्रदेश में सरकार थी, वो पूर्वांचल में क्या करते थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार एवं कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि पीएम की सोच है कि हर जिले में एक मेडिकल कालेज हो। एक दिन में नौ मेडिकल कालेजों को समर्पित किया जा रहा है। यह छोटी बात नहीं है। सभी जिलों में रहने वाले लोगों को हेल्थ की सुविधाएं मिलेगी।

इसके आसपास रोजगार के अवसर मिलेंगे। पिछले सात साल में स्वास्थ्य सेवा में सुधार हुआ। 170 मेडिकल कालेज खुले हैं। 27 मेडिकल कालेज सिर्फ यूपी में खुले है। पहले 51 हजार सीटें थीं अब 32 हजार सीटों की वृद्धि हुई है। मनसुख मांडविया ने कहा कि जब आप प्रधानमंत्री बने उस समय देश का स्वास्थ्य बजट लगभग 33,000 करोड़ था, आपके 7 साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च क़रीब 8 गुना बढ़ गया है। इस साल सरकार स्वास्थ्य पर लगभग सवा दो लाख करोड़ खर्च करने जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पहले स्वागत भाषण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उपेक्षा का दंश झेलने वाले उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की स्थितियां बदल रही हैं। अब यहां उपचार के अभाव में किसी की मौत नहीं होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमवार को यहां से प्रदेश के कुल नौ मेडिकल कालेजों का शुभारंभ हो रहा है। यही कोरोना संक्रमण के कारण हमारे बीच न रहने वालों के लिए श्रद्धांजलि है। भारत की पहचान सशक्त भारत के रूप में बनी है। 70 वर्षों में 12 मेडिकल कालेज खुले थे। मुझे याद है यहां कैसे मासूम बच्चे दिमागी बुखार से मरते थे। अब तो बच्चों के लिए हर अस्पताल में आईसीयू की व्यवस्था है। 95 फीसद बीमारी पर नियंत्रण हुआ है। कार्यक्रम को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया और सांसद जगदंबिका पाल ने भी संबोधित किया।

## सीरम ने कोविशील्ड के नियमित विपणन के लिए मंजूरी मांगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने भारत और अन्य देशों में कोविशील्ड की 100 करोड़ से अधिक खुराकों की आपूर्ति किए जाने का उल्लेख करते हुए सोमवार को अपने इस कोविड रोधी टीके के नियमित मार्केटिंग (विपणन) की मंजूरी मांगी जिसे अभी देश में आपात इस्तेमाल की अनुमति प्राप्त है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एसआईआई में सरकार एवं नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने भारत के डीसीजीआई को टीके के नियमित विपणन की मंजूरी देने का आवेदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोविड रोधी टीके के घरेलू निर्माताओं के साथ बैठक किए जाने के चंद दिन बाद भेजा है। यदि डीसीजीआई नियमित विपणन की अनुमति प्रदान करता है तो कोविशील्ड ऐसी

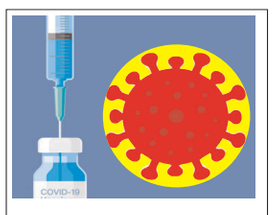

एसआईआई ने भारत और अन्य देशों में कोविशील्ड की खुराकों की नियमित मार्केटिंग की मंजूरी मांगी।

स्वीकृति प्राप्त करने वाला दुनिया का दूसरा टीका होगा। फाइजर-बायोएनटेक के कोविड-19 टीके को 16 वर्ष और अधिक आयु वर्ग के लिए अमेरिका के एफडीए की पूर्ण अनुमति मिल चुकी है। देश में अब तक दी गईं कोविड-19 रोधी टीके की 102.27 करोड़ से अधिक खुराकों में से लगभग 90 प्रतिशत कोविशील्ड और लगभग 10 प्रतिशत भारत बायोटेक के कोवैक्सीन टीके से संबंधित खुराक हैं।

## 'आतंकवाद को हम सहन नहीं कर सकते, मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की है नीति': गृह मंत्री अमित शाह

**जम्मू ।** जम्मू कश्मीर के दौरे के तीसरे और आखिरी दिन पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कैंप पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सैनिक सम्मेलन में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का ये कार्यक्रम मेरे तीन दिन के जम्मू-कश्मीर के दौरे का अंतिम कार्यक्रम है. मैं निःसंकोच कह सकता हूं कि सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी कार्यक्रम आज का और अभी का है

मैं मानता हूं कि आप लोग -43 डिग्री तापमान से +43 डिग्री तापमान में 24 घंटे देश की सुरक्षा के लिए अलग-अलग मुस्तैद हैं, इसीलिए देश चैन की नींद सो सकता है. 2014 को मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश तेजी से विकास के रास्ते पर रहा है. हम सभी का भरोसा है कि कुछ ही समय में दुनिया के सभी अर्थतंत्र में भारत का स्थान मजबूत से मजबूत जगह पर होगा.

अमित शाह ने कहा कि आज मैं यहां आया हूं, जब देश आजादी का

अमृत महोत्सव मना रहा है. हमारी आजादी का 75वां वर्ष चल रहा है. प्रधानमंत्री जी ने अलग प्रकार से आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का फैसला किया है. भारत के सभी लक्ष्यों की पूर्ति तभी हो सकती है, जब हम देश को गलत दृष्टि से देखने वालों से सुरक्षित कर दें और वो कार्य आप लोगों को करना है, हम सभी को करना है.

अमित शाह ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 और 35ए हटाया गया, तब ढेर सारी अटकलें हिंसा की लगाई जाती थी, लेकिन आप सभी की मुस्तैदी के कारण कहीं पर किसी को एक गोली भी नहीं चलानी पड़ी और ये हम सभी के लिए बहुत बड़ा विषय है. देशहित में कश्मीर के लिए इतना बड़ा फैसला लेने के बाद भी जिस मुस्तैदी के साथ आप लोगों ने यहां मोर्चा संभाला, बिना रक्तपात के कश्मीर के अंदर विकास के नए युग की शुरुआत हुई है.

मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है. आतंकवाद को हम सहन ही नहीं कर सकते हैं. आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और जो लोग इस गतिविधि में लिप्त हैं, वो जघन्य अपराध कर रहे हैं. आतंकवाद से लोगों को बचाना हमारी प्राथमिकता है. बाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एलजी मनोज सिन्हा ने पुलवामा के लेथपोरा में एक कैंप में सीआरपीएफ जवानों के साथ डिनर किया. गृह मंत्री अमित शाह आज रात सीआरपीएफ कैंप में ही रहेंगे.

## भारत में विश्व का कंटेंट निर्माण उपमहाद्वीप बनने की क्षमता: अनुराग ठाकुर

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं को भारत को दुनिया का कंटेंट निर्माण उपमहाद्वीप बनाने के अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। ठाकुर ने कहा कि हमें न केवल उन लोगों तक पहुंचने के तरीके खोजने की आवश्यकता पर जोर देना है, जिनके पास मनोरंजन के लिए पैसा खर्च करने का साधन है, बल्कि उन सभी प्रकार के कंटेंट पर भी जोर देना है।

67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने इंडस्ट्री से दुनिया के लिए सामग्री तैयार करने में भारत की भूमिका को समझने के लिए कहा। ठाकुर ने कहा , भारत एक ऐसी भूमि है जहां दुनिया में हर कोई फिल्मों की शूटिंग के लिए आना चाहता है। भारत में दुनिया का कंटेंट उपमहाद्वीप बनने की क्षमता है, चाहे वह ग्राफिक्स हो या अन्य सामग्री। और यह हम सभी के लिए इसका उपयोग करने का अवसर है।

मंत्री ने कहा कि जब बड़े पर्दे बंद थे, छोटे पर्दे और वेब सीरीज ने लोगों को कठिन समय से गुजरने में मदद की। ठाकुर ने कहा, आप सभी ने से गुजरने में हम सभी की मदद की। कोविड-19 महामारी ने दुनिया के सामने चुनौतियां खड़ी कीं लेकिन मुझे खुशी है कि हमने उस पर काबू पा लिया और 100 करोड़ टीके लगाए। यह इस वजह से है कि हो पाया कि शारीरिक दूरी रही।

मंत्री ने उद्योग जगत से कहा कि वह उस व्यक्ति के बारे में सोचें जो अभिनेता के कारण सिनेमा हाल के बाहर खड़ा है। उन्होंने कहा कि बुराइयों को दिखाना और सामाजिक मुद्दों पर काम करना आपकी जिम्मेदारी है। क्या आप उस व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो आपको देखने आने वाला है? वे बोले, हमें मनोरंजन को गरीबों तक पहुंचाने पर काम करने की जरूरत है। इसका असर आपकी फिल्मों पर भी पड़ेगा। मंत्री ने अभिनेता रजनीकांत को दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने पर भी बधाई दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने देश के सर्वश्रेष्ठ 75 रचनात्मक दिमागों के लिए एक मंच शुरू करने की भी घोषणा की।

## लोकतंत्र को सशक्त बनाता है स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया :ओम बिरला

**नई दिल्ली ।** भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के शैक्षणिक सत्र 2021-22 का सोमवार को ऑनलाइन माध्यम से शुभारंभ करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे तथ्यों के आधार पर खबर बनाएं और अपनी रिपोर्टिंग से सकारात्मक और रचनात्मक संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र को सशक्त बनाता है। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक आशीष गोयल, सत्रारंभ कार्यक्रम के संयोजक एवं डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह सहित आईआईएमसी के सभी केंद्रों के संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बिरला ने कहा कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और विचारों में लोकतंत्र है।

विश्व में भारत का लोकतंत्र सबसे समृद्ध है। संविधान के सहारे भारतीय लोकतंत्र ने विकास और समृद्धि की यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश स्वतंत्रता की हीरक जयंती मना रहा है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में व्यापक प्रगति हो रही है। पूरी दुनिया हमारी कर्मठता, नवाचार, संकल्प शक्ति और सामूहिक शक्ति से परिचित है। आजादी के आंदोलन के इतिहास की तरह आजादी के बाद की 75 वर्षों की यात्रा, भारतीयों के परिश्रम, इनोवेशन और उद्यमशीलता का प्रतिबिंब है।

लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार सामाजिक चेतना जागृत करने में मीडिया की बड़ी भूमिका है। मीडिया सरकार और राजनीतिक दलों की जवाबदेही तय करता है और शासन एवं प्रशासन तथा जनता के बीच द्विपक्षीय संवाद को सुगम बनाता है। आज पत्रकारिता का दायरा बढ़ता जा रहा है। लोगों तक मीडिया की पहुंच बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही पत्रकारों का दायित्व भी बढ़ा है। पत्रकार का दायित्व होता है कि वह निडर भी रहे और मुखर भी रहे।

बिरला ने कहा कि कोरोना महामारी के इस दौर में मीडिया की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों की जिंदगी बचाने में भी हम कामयाब हुए हैं, लेकिन हमें मीडिया और सोशल मीडिया के बीच के अंतर को समझना होगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया को भी जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने आईआईएमसी के सभी विद्यार्थियों को संसद की कार्यवाही देखने के लिए आमं?त्रित भी किया।

नवागत विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत में मीडिया का प्रभाव पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ा है। मीडिया का इस्तेमाल और उपयोग करने वाले लोग भी बढ़े हैं। तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था के साथ चलते हुए मीडिया आज एक बड़े उद्योग में बदल गया है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि देश में नई संभावनाओं के द्वार आपका इंतजार कर रहे हैं। आप समस्या का हिस्सा बनना चाहते हैं या फिर समाधान का, ये तय करना आपके हाथ में है। अगर आपकी नीयत साफ है और अपने कर्तव्य के प्रति आपकी निष्ठा है, तो आपका हर निर्णय किसी समस्या के समाधान की तरफ आपको ले जाएगा।

## केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग, संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लिखा पत्र

**नई दिल्ली ।** संयुक्त किसान मोर्चा ने लखीमपुर हिंसा मामले में सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखकर केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग की है. इसके अलावा राष्ट्रपति से घटना की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक विशेष जांच दल गठित करने की भी मांग की गई है. केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने पत्र में लिखा है कि लखीमपुर में किसानों की हत्या में हितों का टकराव न्याय के लिए मुख्य बाधा है÷ और आरोप लगाया कि आरोपी को हिरासत में वीआईपी सुविधा दी जा रही है.

स्यरू ने अपने पत्र में लिखा है, ÷केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को उनके पद से तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए. हत्या में उनकी भूमिका के लिए अजय मिश्रा को भी तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए (ऊपर जिक्र किए गए अन्य आरोपों के अलावा धारा-120क्र के तहत आपराधिक साजिश). हम यह भी मांग करते हैं कि इस घटना की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक एसआईटी द्वारा होनी चाहिए.

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में 3 अक्टूबर को हुई हिंसा में मारे गए 8 लोगों में से चार किसान थे, जिन्हें कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को ले जा रहे वाहन ने कुचल दिया था. किसानों ने दावा किया कि एक वाहन में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का बेटा आशीष मिश्रा था. आशीष मिश्रा को इस मामले में 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था. संयुक्त किसान मोर्चा ने आरोप लगाया कि आरोपी को हिरासत में 'वीआईपी' व्यवहार किया जा रहा है और गवाहों के बयान सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपेक्षित गति से दर्ज नहीं किए जा रहे हैं. पत्र में लिखा गया है, ÷यह साफ है कि लखीमपुर खीरी में किसानों के नरसंहार मामले में हितों का टकराव न्याय में बहुत बड़ी बाधा है और कोई भी सरकार नेचुरल जस्टिस के सिद्धांतों के आधार पर अब तक अजय मिश्रा को अब तक बर्खास्त करके गिरफ्तार कर लेती.÷

गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन

एसकेएम ने अजय मिश्रा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन का भी आह्वान किया है. भारतीय किसान यूनियन के मीडिया इंचार्ज धर्मेंद्र मलिक ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, ÷देशभर में सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा. गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को पद से हटाने की मांग को लेकर सरकार को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा.

## चुनावों को 'प्रभावित करने' में फेसबुक की कथित भूमिका की हो जेपीसी जांच, बोले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस ने सोमवार को फेसबुक पर भारत में चुनावों को प्रभावित करने और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के जरिए जांच होनी चाहिए. पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक खबर का हवाला देते हुए ये दावा भी किया कि फेसबुक ने खुद को फेकबुक में तब्दील कर दिया है. पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में ये आरोप लगाया कि भारत में फेसबुक बीजेपी की साझेदार के तौर पर काम कर रहा है और उसके एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने फेसबुक की आंतरिक रिपोर्ट वाली खबर का उल्लेख करते हुए कहा कि हम भारत में चुनावों को प्रभावित करने में फेसबुक की भूमिका की जेपीसी जांच की मांग करते हैं.

कांग्रेस प्रवक्ता ने ये दावा भी किया कि फेसबुक भारत में फर्जी पोस्ट के माध्यम से लोगों की राय बदलकर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े संगठनों की फेसबुक के कामकाज में घुसपैठ हो चुकी है. पवन खेड़ा ने सवाल किया कि क्या ये उचित है कि फेसबुक एक विचारधारा को फर्जी पोस्ट, तस्वीरों और विमर्श के जरिए आगे बढ़ाए? उनके मुताबिक, भारत में सिर्फ नौ फीसदी फेसबुक यूजर अंग्रेजी भाषा के हैं और उनके पास भी क्षेत्रीय भाषाओं के पोस्ट की जांच-परख करने की कोई व्यवस्था नहीं है

पवन खेड़ा ने दावा किया कि पिछले साल दिल्ली में हुए दंगों और फिर इस साल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान भी फेसबुक की भूमिका संदिग्ध रही है. उन्होंने सवाल किया कि सब कुछ जानते हुए भी फेसबुक ने अपनी आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर आरएसएस और बजरंग दल को 'खतरनाक संगठन' क्यों नहीं माना? भारत सरकार ट्विटर को लेकर अतिसक्रिय रही है, लेकिन अब वो इसको लेकर कुछ बोल क्यों नहीं रही है? कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ये सारे तथ्य सामने आने के बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है.

उधर फेसबुक के एक प्रवक्ता ने कहा है कि कंपनी अपनी प्रवर्तन व्यवस्था को सुधार रही है. उन्होंने कहा कि हमने प्रौद्योगिकी में अच्छा खासा निवेश किया है ताकि हिंदी और बांग्ला समेत विभिन्न भाषाओं में नफरत भरी बातों का पता किया जा सके. इसके परिणामस्वरूप हमने इस साल नफरत भरे भाषणों को कम कर दिया है.फेसबुक प्रवक्ता ने ये भी कहा कि आज ये 0.05 प्रतिशत नीचे आ गया है. मुस्लिम समेत कमजोर तबकों के खिलाफ नरफत भरी बातें वैश्विक स्तर पर बढ़ी हुई हैं. हम अपनी प्रवर्तन व्यवस्था को सुधार रहे हैं और अपनी नीतियों को उन्नत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

## सार समाचार

### सूडान में सरकारी अधिकारियों को हिरासत में लिया गया, तख्तापलट की आशंका

काहिरा (मिस्र)। सूडान के अधिकारियों ने कहा है कि सैन्य बलों ने सोमवार को कम से कम पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को हिरासत में ले लिया, जबकि सूडानीज प्रोफेशनल्स एसोसिएशन पार्टी ने जनता से संभावित तख्तापलट के विरोध में सड़क पर उतरने का आह्वान किया है। सूडान में लोकतंत्र समर्थक मुख्य दल सूडानीज प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ने कहा है कि देश में इंटरनेट और फोन के सिग्नल काम नहीं कर रहे हैं। दो अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई है जब दो सप्ताह पहले ही सूडान के आम नागरिकों और सैन्य नेताओं के बीच तनाव बढ़ गया था। सितंबर में तख्तापलट की नाकाम कोशिश हुई और अत्यंत रूढ़िवादी इस्लाम समर्थकों को इससे बल मिला जो निरंकुश पूर्व शासक उमर अल-बशीर को व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से हटाने वालों के खिलाफ सैन्य सरकार चाहते हैं। हाल के दिनों में दोनों खेमे सड़कों पर खूब विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

### ताइवान में 6.5 तीव्रता का भूकंप आया,एक महिला घायले

ताइपे। ताइवान की राजधानी ताइपे में रविवार को 6.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे गिरी चट्टानों की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, अबतक किसी की मौत की खबर नहीं है। केंद्रीय मौसम ब्यूरो के अनुसार भूकंप दोपहर एक बजकर 11 मिनट (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह पांच बजकर 11 मिनट) पर आया और इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी तट के पास ताइपे से करीब 35 किलोमीटर (22 मील) दूर यिलान शहर के पास था। ब्यूरो ने बताया कि भूकंप की पहली घटना के कुछ सेकंड बाद 5.4 तीव्रता का भूकंप का एक और झटका आया। ताइपे मेट्रो प्रणाली ने अस्थायी रूप से सेवा निलंबित कर दी है। सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण यिलान के हुआलियन काउन्टी स्थित तारोको पार्क में चट्टान गिरने से एक महिला घायल हो गई। चट्टान गिरने से एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

### टोक्यो और आसपास के प्रान्त में भोजनालयों पर से हटाए गए प्रतिबंध

टोक्यो। टोक्यो और आसपास के तीन प्रांतों कनागावा, सैतामा और चिबा साथ ही पूरे जापान में संक्रमण में जारी गिरावट के बाद भोजनालयों पर से कोविड प्रतिबंध हटा दिया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी और ओसाका में लगे प्रतिबंध को 11 महीनों में हटा लिया गया था। टोक्यो ने रविवार को 19 दैनिक संक्रमणों की पुष्टि की, जो 17 जून, 2020 के बाद सबसे कम है। टोक्यो में, आवश्यक कोविड उपायों के रूप में प्रमाणित लगभग 102,000 भोजनालयों को रात 8 बजे तक ही शराब परोसना की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, लगभग 18,000 अप्रमाणित भोजन प्रतिष्ठानों को पुराने प्रतिबंधों का पालन करना होगा। इसके अलावा, सभी भोजनालयों से समूह के आकार को प्रति टेबल चार लोगों तक सीमित करना होगा, और बड़े समूहों के लिए टीकाकरण के प्रमाण की आवश्यकता होगी। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन सरकार ने कहा कि वह नवंबर के अंत तक कोविड-विरोधी उपायों को सुदृढ़ करेगी, जिससे संक्रमण को रोकने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा सके।

### जी20 शिखर सम्मेलन में मिल सकते हैं मून, बाइडेन

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रिपति मून जे-इन और अमेरिकी के राष्ट्रपति जो बाइडेन इटली में जी20 शिखर सम्मेलन या ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मून और बाइडेन अगले सप्ताह जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले है, साथ ही 1 और 2 नवंबर को सीओपी 26 जलवायु वार्ता में भाग लेंगे, जब विश्व के नेता ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए पेरिस समझौते के बाद उपलब्धियों का आकलन करेंगे। अधिकारी ने कहा, हालांकि कोई समय सीमा तय नहीं की गई है, यह औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता के बजाय एक तरफ बैठक हो सकता है। जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने से पहले मून शुक्रवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मुलाकात करेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और महामारी को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। अधिकारी ने कहा कि मून और पोप दोनों कोरिया के बीच शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

### स्वीडन: कोरोनावायरस के कारण 3 लाख लोगों में सूंघने की क्षमता प्रभावित

स्टॉकहोम, 25 अक्टूबर (आईएएनएस)। स्वीडन में 300,000 लोगों में कोरोनावायरस के कारण सूंघने की क्षमता प्रभावित हुई है। इसकी जानकारी देश की राष्ट्रीय टीटी न्यूज एजेंसी ने दी। रविवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, देश में इस स्थिति का इलाज करने वाले क्लीनिकों के बाहर अभी भी लंबी कतारें लगी हुई हैं। समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि लगभग 1 करोड़ निवासियों के साथ, स्वीडन में केवल दो ऐसे क्लीनिक हैं, जिनमें से सबसे नया सितंबर में राजधानी शहर स्टॉकहोम के पास हडिंगे के करोलिंस्का विश्वविद्यालय अस्पताल में खोला गया। स्वीडिश पब्लिक हेल्थ एजेंसी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल की शुरूआत में महामारी शुरू होने के बाद से 1,165,996 कोरोनावायरस मामलों की पुष्टि की गई थी। कोरोनावायरस से मौतों की कुल संख्या 14,956 हो गई है। देश में नए मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है क्योंकि 30 सितंबर को सार्वजनिक स्थानों और रेस्तरां में सीमित संख्या में प्रतिभागियों को फेस मास्क पहनने की सलाह दी गई। अगर संभव हो तो घर से काम करने की सलाह के साथ प्रतिबंध हटा दिया गया था, साथ ही वर्तमान में प्रतिबंधों को कड़ा करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, परीक्षण के बारे में नियम अभी भी लागू हैं, हालांकि 1 नवंबर को इसमें ढील दी जाएगी और जिन्हें टीका नहीं लगाया गया है, उन्हें पहले की तरह ही निवारक उपाय करने की सलाह दी जाएगी।

# संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मिशन माली पहुंचा, फरवरी में चुनाव कराने का किया आग्रह

**बमाको। (एजेंसी)।**

माली में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए सप्ताहांत में देश की यात्रा पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक मिशन ने देश के अधिकारियों से पिछले साल तख्तापलट के बाद पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक के साथ हुए समझौतों को पूरा करने के वास्ते फरवरी में पूर्व निर्धारित चुनाव कराने का आग्रह किया है।

संयुक्त राष्ट्र में केन्या के राजदूत मार्टिन किमानी के नेतृत्व में इस मिशन ने नागरिक समाज संगठनों, शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले समूहों, माली के प्रधानमंत्री और सत्ता हस्तांतरण के दौरान देश के राष्ट्रपति कर्नल असिमी गोइता से सप्ताहांत की यात्रा के दौरान मुलाकात की। किमानी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं सुधार (राजनीतिक और संस्थागत दोनों) की उस आकांक्षा को देखकर अभिभूत हूं, जो माली के अधिकतर नागरिक चाहते हैं। हम अब सत्ता हस्तांरतण के दौर के समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद चुनाव होगा।'' हालांकि, माली के अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मिशन के साथ बैठक के बाद कहा कि वे चुनाव कराने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए दिसंबर में माली के कई समूहों के साथ परामर्श करेंगे। मिशन का हिस्सा रहे, संयुक्त राष्ट्र में नाइजीरिया के राजदूत अब्दोयू अबारी ने कहा, ''चुनाव के संबंध में माली के अधिकारियों ने इन बैठकों के बारे में हमसे बात की है। ये बैठकें दिसंबर में होंगी। हमने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सत्ता हस्तांतरण में देरी ना की जाए और माली के नागरिकों को अपना नेता चुनने का मौका दें।''

अबारी ने कहा कि गोइता ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि '' सत्ता हस्तांतरण से जुड़े अधिकारी सत्ता में बने रहने के लिए यहां नहीं हैं और सत्ता हस्तांतरण को लेकर अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कोई भी कार्रवाई माली के नागरिकों के हित में होगी।'' गोइता ने अगस्त 2020 में माली के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राष्ट्रपति इब्राहिम बाउबकर कीता को बेदखल कर सत्ता को अपने हाथ में ले लिया था। गोइता ने राष्ट्रपति के तौर पर इस साल जून में शपथ ली थी और उन्होंने फरवरी 2022 में चुनाव कराने का संकल्प भी लिया था।

# पाकिस्तान की जीत पर गृहमंत्री शेख रशीद का बेतुका बयान, कहा- टीम के साथ शामिल थे भारत के मुसलमानों के जज्बात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

24 अक्टूबर 2021 का दिन पाकिस्तान को हमेशा याद रहने वाला है क्योंकि पहली बार पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जीत दर्ज की। बता दें कि 29 साल में यह पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात दी। टी-20 विश्वकप में सुपर 12 के पहले मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी और भारतीय टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 151 रन बनाए। इसके जवाब में पाक के बाबर आजम और रिजवान ने अपनी जोरदार बल्लेबाजी के बदौलत बिना कोई विकेट गंवाए एकतरफा जीत हासिल की।

### इस ऐतिहासिक जीत पर पाकिस्तान के मंत्री का बेतुका बयान

पाकिस्तान की इस एतिहासिक जीत पर पाक गृह मंत्री शेख रशीद ने एक वीडियो जारी किया जिसमें वह पाक क्रिकेट टीम को जीत की बधाई दे रहे है। इस वीडियो में पाक मंत्री ने एक बेतुका बयान दिया जिसमें वह कह रहे है कि, इस जीत में भारत के मुसलमानों के जज्बात शामिल थे और इसी कारण टीम की शानदार जीत हुई है। एक मिनट 11 सेकंड के इस वीडियो में शेख राशिद ने कहा कि, 'मैं पाकिस्तान की जीत पर पूरे कौंम को मुबारकबाद देता हूं। हमारी टीम ने जिस तरह से हिम्मत दिखाई, बहादुरी से, दबदबे से भारत को शिकस्त दी है, उसे मैं सलाम करता हूं। मुझे अफसोस है कि यह पहला भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसे मैं कौमी जिम्मेदारियों की वजह से ग्राउंड में नहीं खेल सका। लेकिन मैंने तमाम ट्रैफिक को कह दिया है कि कंटेनर हटा दिए जाएं ताकि कौम जश्न मना सके।' शेख राशिद ने आगे कहा कि, 'पाकिस्तान की टीम और कौम को यह जीत मुबारक। आज हमारा फाइनल था। हिन्दुस्तान सहित दुनिया के तमाम मुसलमानों के जज्बात पाकिस्तानी टीम के साथ थे। इस्लाम को फतह मुबारक हो।'

# इमरान दिल्ली में जनसभा करेंगे तो मोदी से भी ज्यादा भीड़ होगी! पाकिस्तानी मंत्री का अजीबोगरीब दावा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान से लेकर कई मंत्री भारत को लेकर कई बेतुके बयान देता आ रहा है। इसी बीच अब पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने एक बड़ा ही अजीबोगरीब बयान दे दिया है । 24 अक्टूबर 2021 के भारत-पाकिस्तान मैच से पहले दुबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फवाद चौधरी ने बेतुका बयान देते हुए कहा कि, भारत में इमरान खान की लोकप्रियता आसमान छू रही है। वह पीएम मोदी से भी ज्यादा लोकप्रिय हैं। उन्होंने आगे कहा कि, इमरान खान भारत में बहुत लोकप्रिय हैं। अगर वह आज दिल्ली में रैली करते हैं तो पीएम मोदी की रैली से भी ज्यादा भीड़ होगी। वीडियो में उन्होंने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी की वजह से भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हुए हैं।

### सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई वीडियो

बता दें कि, यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। इस वीडियो को देखने के बाद नेटिज़न्स ने कई कमेंट भी किए है।गौरतलब है कि फ़वाद ने हालांकि भारतीय सरजमीं पर इमरान की लोकप्रियता के बारे में बात की थी, लेकिन प्रधानमंत्री इमरान धीरे-धीरे पाकिस्तानी धरती पर अपनी लोकप्रियता खोते जा रहे हैं। भारत-पाक के मैच के बाद फवाद ने अपने बयान में कहा कि, पाकिस्तान किसी भी तरह से भारत को हराने के लिए तत्पर है।

# चीन में कोरोना की दहशत, सभी पर्यटक स्थलों को किया गया बंद

बीजिंग। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय उत्तर-पश्चिमी चीन के गांसू प्रांत में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को यहां के सभी पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया। गांसू प्रांत प्राचीन समय के रेशम मार्ग पर स्थित है और इसे बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रों वाली गुफाओं और अन्य धार्मिक स्थलों के लिए पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि बीते 24 घंटे में संक्रमण के स्थानीय स्तर पर फैलने के 35 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से चार मामले गांसू के हैं। इनर मंगोलिया क्षेत्र में संक्रमण के 19 मामले सामने आए हैं जिसके बाद यहां के लोगों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश दिया गया है। बीजिंग में फरवरी में होने वाले विंटर ओलंपिक से पहले यात्रियों और पर्यटक समूहों के कारण कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप का प्रकोप होना चिंता का विषय है। इस आयोजन में अन्य देशों के दर्शकों पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है।

# लाओस ने 2021-2025 के लिए पर्यटन रोडमैप लॉन्च किया

**वियनतियाने (एजेंसी)।**

लाओस के सूचना, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने 2021-2025 के लिए टूरिज्म रिकवरी रोडमैप लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य घरेलू यात्रा को बढ़ावा देकर कोविड प्रभावित क्षेत्र की रिकवरी करना है। इसकी सूचना स्थानीय मीडिया ने सोमवार को दी।समाचार एजेंसी ने वियनतियाने टाइम्स के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा, इस पहल को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) का समर्थन प्राप्त है। राजधानी वियनतियाने में इसके लॉन्च पर उप सूचना, संस्कृति और पर्यटन मंत्री ओन्थुआंग खाओफान ने कहा कि यह योजना पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के उपायों को पेश करेगी और लाओस में पर्यटन की रिकवरी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी। रोडमैप में तीन मुख्य नीति विकल्प शामिल हैं, जिसमें घरेलू पर्यटन को समर्थन और बढ़ावा देना, कम जोखिम वाले देशों के साथ यात्रा बबल स्थापित करना और पर्यावरण के लिए और बेहतर दीर्घकालिक रिकवरी के लिए पर्यटन को हरा-भरा करना शामिल है।

इसमें तीन पुनर्प्राप्ति विषय शामिल हैं, जिसमें नौकरियों की रक्षा करना और पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए हस्तक्षेप शामिल है। साथ ही विश्वास और क्षेत्र को मजबूत करना और पर्यटन उत्पादों, सेवाओं और बाजारों में सुधार, विस्तार और विविधता लाना भी जरूरी है। लॉन्च समारोह में यूएनडीपी के रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव रिकार्डो रीगर ने कहा, कोविड -19 रिकवरी के बाद लाओस के लिए हरे और टिकाऊ पर्यटन में काफी संभावनाएं हैं। रीगर ने कहा, अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के साथ, लाओस स्थायी और समावेशी विकास के लिए प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान कर सकता है जिससे हरित रोजगार और आजीविका के अवसर, एक हरित रिकवरी और हरित विकास होगा।

# क्षेत्रीय राज्यों का इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना एक गलती है: खामेनेई

**तेहरान (एजेंसी)।**

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि कुछ क्षेत्रीय राज्यों का इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करने का प्रयास एक गलती है। समाचार एजेंसी ने खमेनेई के हवाले से कहा है कि जिन सरकारों ने हाल ही में इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं, उन्हें इस इस्लाम विरोधी आंदोलन से मुंह मोड़ लेना चाहिए और अपनी बड़ी गलतियों की भरपाई करनी चाहिए। उन्होंने मुस्लिम राज्यों के बीच एकता के लिए फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने का आग्रह किया, ताकि उनकी भूमि से इजरायल के कब्जे को हटाया जा सके। खामेनेई के हवाले से कहा गया कि मुसलमानों की एकता का मुख्य संकेतक फिलिस्तीन का मुद्दा है, और फिलिस्तीनियों के अधिकारों की बहाली पर जितनी गंभीरता खर्च की जाएगी, इस्लामी एकता उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने मुसलमानों और उपासकों के खिलाफ अफगान मस्जिदों में हाल ही में दुर्भाग्यपूर्ण और अश्रुपूर्ण विस्फोटों पर शिकायत व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमले इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों द्वारा किए गए थे। इसके अलावा रविवार को, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने इजरायल की हालिया धमकियों को नजरअंदाज किया और अपने देश की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया देने का वादा किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुकाबला करने के लिए इजराइल के पर्याप्त धन के आवंटन का जिक्र किया, और कहा कि इजराइल को ईरान की प्रतिक्रिया के कारण हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के बारे में सोचना चाहिए। शामखानी ने ट्वीट किया, ईरान के खिलाफ अत्याचारों के लिए 1.5 अरब डॉलर का बजट आवंटित करने के बजाय, जायोनी शासन (इजराइल के) को ईरान की चौंकाने वाली प्रतिक्रिया से होने वाले नुकसान की मरम्मत के लिए हजारों अरब डॉलर का वित्त पोषण प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए। पश्चिमी मीडिया ने बताया कि इजराइल ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 1.5 अरब डॉलर आवंटित किए हैं।

# सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हाउती-नियंत्रित साइटों पर बमबारी जारी रखी

**सना (एजेंसी)।**

सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के युद्धक विमानों ने यमन के तेल समृद्ध प्रांत मारिब में हाउती मिलिशिया द्वारा नियंत्रित विभिन्न स्थलों पर बमबारी जारी रखी है। यह जानकारी एक सैन्य अधिकारी ने दी है। अधिकारी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, मारिब में हौउती-आयोजित स्थल सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन युद्धक विमानों द्वारा भारी रूप से प्रभावित हुए, जो विद्रोहियों की रणनीतिक शहर की ओर प्रगति को धीमा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में भारी हवाई बमबारी के कारण विद्रोहियों ने जमीन पर अपनी बढ़त को आंशिक रूप से रोक दिया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।अधिकारी के अनुसार, मारिब में तैनात सरकार समर्थक यमनी बलों का समर्थन करने के प्रयास में गठबंधन ने हाउतियों के खिलाफ अपने हवाई हमलों का विस्तार किया। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया, इससे पहले रविवार को, सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने घोषणा की थी कि पिछले तीन दिनों में मारिब शहर में लड़ाई में कम से कम 264 हाउती विद्रोही मारे गए और उनके 36 सैन्य वाहन नष्ट हो गए। यमनी सैन्य सूत्रों ने पुष्टि की कि ज्यादातर हवाई हमले मारिब के दक्षिणी जिले अल जुबाह और आसपास के अन्य क्षेत्रों में किए गए थे, जहां दोनों युद्धरत पक्षों के बीच बिना रुके सशस्त्र टकराव देखे जा रहे हैं। हालांकि, हाउती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हाउती-संबद्ध मासीरा टेलीविजन नेटवर्क पर सऊदी के नेतृत्व वाले हवाई हमलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अगर दुश्मन को लगता था कि उनके युद्धक विमान हमारे सैनिकों की प्रगति को रोक सकते हैं या हमारे सेनानियों के संकल्प को तोड़ सकते हैं, तो वे गलत थे। सारी ने दावा किया कि मारिब में एक सैन्य अभियान के दौरान विद्रोहियों ने 550 सरकार समर्थक सैनिकों को मार डाला, 1,200 अन्य को घायल कर दिया और 90 को पकड़ लिया।

# टीएलपी ने पाकिस्तान सरकार को पार्टी प्रमुख को रिहा करने के लिये दो दिन का समय दिया

**लाहौर (एजेंसी)।**

कट्टर इस्लामवादी दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने सरकार को पार्टी प्रमुख साद रिजवी को रिहा करने और फ्रांस के राजदूत के निष्कासन के लिये रविवार को दो दिन का समय दिया और ऐसा नहीं होने पर राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में धरना देने की चेतावनी दी।

टीएलपी के समर्थक इस्लामाबाद जाने वाले रास्ते पर डेरा डाले हुए हैं। टीएलपी के साथ बैठक के बाद पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने रविवार को कहा कि इस्लामवादी इस्लामाबाद की ओर मार्च नहीं करेंगे क्योंकि टीएलपी के कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया जाएगा। टीएलपी प्रतिनिधिमंडल तथा कोट लखपत जेल में रिजवी से मुलाकात करने वाले मंत्री ने कहा, इससे पहले, टीएलपी के साथ हस्ताक्षर किये गए समझौते के तहत फ्रांस के राजदूत को निष्कासित करने के मुद्दे को चर्चा के लिये संसद में ले जाया जाएगा।

पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने कहा, करीब 10,000 इस्लामवादी लाहौर से करीब 80 किलोमीटर दूर मुरीदके से गुजरांवाला (जीटी रोड पर) तक डेरा डाले हुए हैं। वे राजधानी में मार्च करने के लिए अपने नेतृत्व के संकेत का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, फिलहाल, प्रदर्शनकारियों को कुछ और दिनों के लिए वहां रहने के लिए कहा गया है क्योंकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार ने मंगलवार तक उनके नेता (रिज़वी) को रिहा करने और ईशनिंदा वाले कार्टूनों पर फ्रांसीसी दूत के निष्कासन के संबंध में कदम उठाने का वादा किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में, टीएलपी ने कहा- सरकार ने हमसे (फ्रांसीसी दूत को निष्कासित करने के लिए) समझौते को लागू करने और पार्टी प्रमुख साद रिजवी सहित हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए मंगलवार तक का समय मांगा है। इसके अलावा, सरकार हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं के खिलाफ सभी अवैध प्राथमिकी रद्द कर देगी। हमारा विरोध मार्च हमारी मांगों को स्वीकार किये जाने के बाद ही समाप्त होगा। इससे पहले,टीएलपी के हजारों समर्थकों ने शनिवार को दूसरे दिन लाहौर से इस्लामाबाद के लिए मार्च का प्रयास किया जिसे रोकने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे थे। लाहौर में पुलिस और कट्टरपंथी इस्लामी सदस्यों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मियों सहित कई लोगों की मौत हो गई थी। टीएलपी समर्थकों ने रिजवी की रिहाई और फ्रांस के राजदूत को पैगंबर मोहम्मद के कार्टून के मुद्दे पर निष्कासन की मांग को लेकर इस्लामाबाद तक के लिए जुलूस की शुरुआत की थी। रिजवी की रिहाई की मांग को लेकर हजारों समर्थकों ने शुक्रवार को मार्च की शुरुआत की थी। रैली में शामिल लोग इस्लामाबाद जाना चाहते हैं ताकि वे रिजवी की रिहाई को लेकर पाकिस्तान सरकार पर दबाव बना सकें। पैंगबर मोहम्मद का कार्टून बनाने को लेकर फ्रांस के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बीच पिछले साल रिजवी को गिरफ्तार किया गया था। प्रांतीय कानून मंत्री राजा बशारत ने कहा कि समझौते के तहत पंजाब सरकार रिजवी पर लगे आरोपों को वापस लेगी और मंगलवार तक उन सभी लोगों को रिहा किया जाएगा जिन्हें प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं पता चल सका है कि रिजवी को कब तक रिहा किया जाएगा। बशारत के मुताबिक, समझौते में कहा गया है कि संघीय सरकार कार्टून के प्रकाशन पर फ्रांस के साथ राजनयिक संबंधों पर गौर करने के लिए टीएलपी के साथ पूर्व में हुए समझौते का सम्मान करेगी।

## संक्षिप्त खबर

### दिल्ली के मुखर्जीनगर इलाके में पार्क में टहलने को लेकर कहासुनी, दंपती को चाकू मारकर किया घायल

**नई दिल्ली ।** मुखर्जीनगर इलाके में तीन युवकों ने दंपती पर चाकू से वार कर दिया। हमले में दोनों घायल हो गए। इस बाबत महिला के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार कोमल पति कब्बू के साथ जीटीबी नगर की झुग्गियों में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि करीब 15 दिन पूर्व उनके देवर राहुल का इलाके में ही रहने वाले दीपक का झगड़ा हुआ था। ऐसे में उसके पति ने उसे समझाया था। रात करीब आठ बजे कब्बू पार्क में टहल रहा था तभी दीपक, रोहित व वीनू वहां आ गए।

उनके बीच कहासुनी होने लगी तभी दीपक ने कब्बू के पेट, सिर पर चाकू से वार कर दिया। उसे बचाने के लिए कोमल गई तो उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। दोनों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। वारदात के बाद तीनों हमलावर मौके से भाग गए। कब्बू पर भी मुखर्जी नगर समेत अन्य थानों में मुकदमे दर्ज हैं। वहीं एक अन्य मामले में पालम थाना क्षेत्र में आग लगने की घटना में सात लोग झुलस गए। झुलसने वालों में नाथूलाल, ज्योत्सना, रवि, रजनी, शालिनी, सृष्टि व रमेश शामिल हैं। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने बताया कि पालम स्थित राजनगर में एक घर में रसोई गैस सिलेंडर में आग लगी थी। कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाई और सूझबूझ का परिचय देते हुए गीला कपड़ा सिलेंडर पर फेंका और भड़क रही आग को काबू करन का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार सभी झुलसे लोगों की स्थिति खतरे से बाहर है और उनका इलाज चल रहा है।

### ग्रेटर नोएडा में शूटर दादी की बेटी सीमा तोमर से बदसलूकी, पुलिस ने 17 दिन बाद दर्ज की एफआईआर

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ट्राइडेंट एम्बेसी सोसाइटी में शूटर दादी प्रकाशी तोमर की बेटी और अंतर्राष्ट्रीय महिला शूटर सीमा तोमर से अभद्रता का मामला सामने आया है। सोसाइटी की रिजर्व पार्किंग में कार खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि कार हटाने के लिए कहने पर तीन लोगों ने उनसे अभद्रता और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। अंतर्राष्ट्रीय महिला शूटर की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मूलरूप से बागपत निवासी शूटर दादी प्रकाशी तोमर की बेटी अंतर्राष्ट्रीय महिला शूटर सीमा तोमर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-एक स्थित ट्राइडेंट एम्बेसी सोसाइटी में रहती हैं। सीमा तोमर भारतीय सेना में कार्यरत हैं। सीमा तोमर ने बिसरख कोतवाली पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि किसी ने उनकी रिजर्व पार्किंग में एक कार खड़ी कर दी थी, जिस पर सोसाइटी का स्टीकर भी नहीं लगा था। सुरक्षाकर्मी ने एक फ्लैट में रहने वाले लोगों को कॉल कर कार हटाने के लिए कहा, तो उन्होंने कार हटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद जब सीमा तोमर ने कॉल कर कार हटाने के लिए कहा तो उनके साथ बदसलूकी की गई। काफी देर तक सीमा तोमर पार्किंग में खड़ी रहकर उनके आने का इंतजार करती रहीं। कुछ देर बाद तीन लोग वहां आए और कार हटाने के बजाय सीमा तोमर से अभद्रता करने लगे और गाली-गलौज की। सीमा ने जब अपने मोबाइल फोन में उनका वीडियो बनाने का प्रयास किया तो वह मोबाइल छीनने लगे। इस बीच सीमा तोमर ने पुलिस को सूचना दे दी।

पुलिस ने 15 दिन बाद दर्ज की रिपोर्ट-सीमा तोमर ने बताया कि उनके साथ हुई यह घटना 9 अक्टूबर की है। उन्होंने घटना के दिन ही पुलिस को कॉल कर जानकारी दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। मुकदमा दर्ज कराने के लिए वह तीन बार बिसरख कोतवाली और दो बार पुलिस चौकी गई। काफी भागदौड़ के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मेरे पास भी एक शिकायत पत्र आया था। इसका तुरंत संज्ञान लेते हुए मैंने कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। प्रकरण की पूरी जांच-पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी। **-वृंदा शुक्ला, डीसीपी, महिला सुरक्षा**

### नोएडा-ग्रेनो व यमुना एक्सप्रेस-वे पर तेज गति से चलने वाली गाड़ियों पर होगी कार्रवाई

**ग्रेटर नोएडा।** सड़क हादसों को रोकने के लिए एडीजी ट्रैफिक ज्योति नारायण सिंह ने यातायात पुलिस को नोएडा-ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेस वे पर तेज गति से चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ और तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर नजर रखने के लिए गश्त बढ़ाने के लिए कहा। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्ती बरने के लिए कहा। एडीजी सोमवार को सेक्टर-14 स्थित यातायात पुलिस ऑफिस में अधिकारियों के साथ बैठक करने आए थे।

शहर में 84 स्थानों पर इंटेलीजेंट मैनेजमेंट ट्रैफिक सिस्टम(आईटीएमएस) के तहत कैमरे लगने हैं। कैमरों के चालू हो जाने पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के ऑटोमेटिक चालान शुरू हुआ जाया करेंगे। अभी आईटीएमएस प्रदेश के 10 जिलों में यह सिस्टम लागू हो चुका है। स्टॉप लाइन पार करने और ओवर स्पीड पर भी चालान काटा जाएगा। इसके तहत सड़क पर स्टॉप लाइन बनाई जाएगा। इस लाइन को पार करते ही आटोमेटिक ई-चालान कट जाएगा और वाहन मालिक के घर पहुंच जाएगा। सड़कों के विभिन्न हिस्सों पर स्पीड लिमिट लिखी जाएगी, उस लिमिट को पार करते ही ई-चालान कट जाएगा। तेज स्पीड, बिना हेलमेट पहने, सीट बेल्ट न लगाने वालों, अवैध पार्किंग बना देने वालों की तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगे सर्विलांस कैमरे लेते रहेंगे। यह कैमरे वाहन के नंबर प्लेट की फोटो लेंगे जिसके आधार पर ट्रैफिक कंट्रोल रूम से इन लोगों को लगातार ई-चालान भेजा जाएगा।

एडीजी ने बताया कि पुलिस को परिवहन विभाग के साथ मिलकर दिल्ली से उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल जिलों और बिहार की ओर जाने वाली डग्गामार और बिना परमिट वाली बसों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। एक्सप्रेस-वे पर बस रोककर सवारी बैठाने पर प्रतिबंध लगाया जाए। जिले में 33 ब्लैक स्पॉट के मुद्दे पर एडीजी ने इनको संबंधित विभागों के साथ मिलकर खत्म करने के निर्देश दिए।

### दिल्ली के मोतीनगर में डेंगू-चिकनगुनिया से बचाव के लिए विधायक ने कराई फागिंग

**नई दिल्ली ।** राजधानी में डेंगू-चिकनगुनिया के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में अब दिल्ली सरकार ने फागिंग का रोडमैप तैयार किया है। आम आदमी पार्टी के विधायक अपने क्षेत्र में डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए जनता की मांग पर क्षेत्र में फागिंग करेंगे। मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवचरण गोयल की ओर से इलाके में फागिंग कराई गई। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि निगम में भाजपा सत्ता में है। ऐसे में उसे ही इलाके में फागिंग करानी चाहिए लेकिन भाजपा अपनी यह जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। यही कारण है कि अब दिल्ली सरकार ने फागिंग का रोडमैप तैयार किया है ताकि दिल्ली में हर जगह फागिंग करवाई जा सके। विधायक ने कहा कि सरकार फागिंग मशीनें खरीदेगी। मुख्यमंत्री ने भी निर्देश दिए हैं कि जहां जितनी भी मशीनों की जरूरत हो, मशीनें खरीदी जाएं और फागिंग का मिशन शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी के समय में सतर्कता सबसे जरूरी है। कोरोना संक्रमण से बचने के साथ-साथ हमें डेंगू व मलेरिया से भी अपना बचाव करना है। ऐसे में दिल्ली सरकार की ओर से हर जगह फागिंग कराई जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कोरोना से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का जरूर पालन करें। वहीं, बांग्लादेश में जिस तरह से मंदिरों पर आक्रमण किया जा रहा है, उन्हें जलाया जा रहा है। बच्चों और महिलाओं के साथ बदसलूकी की जा रही है। इसके विरोध में शनिवार को विश्वभर के इस्कान समाज ने अपने-अपने क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन यात्र कर रोष प्रकट किया। पंजाबी बाग इस्कान शाखा हरे कृष्णा केंद्र बुराड़ी ने भी इस अमानवीय कृत्य के विरोध में बुराड़ी गांव से संत नगर तक हरिनाम संकीर्तन यात्र की। सैकड़ों भक्तों ने मार्च भी निकाला।

### चाकू घोंपने से घायल युवती ने अस्पताल में तोड़ा दम, आरोपित युवक गिरफ्तार

**नई दिल्ली ।** रोहिणी इलाके में शादी से इंकार करने पर युवक के हमले से घायल युवती ने सोमवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। आरोपित ने शुक्रवार को युवती पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया था। इधर, शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने इलाके से भाग रहे आरोपित श्याम को गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत पुलिस ने पहले हत्या की प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन युवती की मौत के बद उसमें हत्या की धारा जोड़ दी गई है। पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है।

# दिल्ली को लंदन बनाने की बात करते हैं पर यह होगा कैसे : हाईकोर्ट

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि हम राजधानी दिल्ली को लंदन जैसी बनाने की बात करते हैं, लेकिन शहर के नियोजन के पहलुओं को ध्यान दिए बगैर इसे कैसे करेंगे?' कोर्ट ने रेहड़ी पटरी वालों के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग नियमन), 2014 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

जस्टिस विपिन सांघी और जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि कनॉट प्लेस में स्थिति ऐसी हो गई है कि आप पैदल नहीं चल सकते, क्योंकि रेहड़ी-पटरी वाले बड़ी तदात में जमा हैं। यह पूरी तरह से एक कारोबार बन गया है। पीठ ने कहा कि किसी रेहड़ी पटरी वाले, किसी छोटे कारोबारी या किराना दुकानदारों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसके लिए एक संतुलित नियम की जरूरत है।

न्यायाधीश ने कहा कि हम सब रेहड़ी-पटरी वालों से सामानों की खरीदारी करते हुए बड़े हुए हैं। आज भी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए किराना दुकानों, स्ट्रीट फूड वेंडरों के पास जाते हैं। हम इन समानों के लिए मॉल नहीं जाते। कोर्ट ने कहा कि कोई भी रेहड़ी-पटरी वालों के खिलाफ नहीं है। हम बस इतना चाहते हैं कि शहर में उनकी वजह से बेवजह भीड़ न हो और दूसरों को परेशानी न हो। कोर्ट ने कहा कि यह सही है कि स्ट्रीट वेंडिंग कई लोगों, खासकर समाज के निचले तबके के लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इसके बावजूद दुकानों को किराया भरने वाले, खरीदारी करने वाले या फिर रेहड़ी पटरी का कारोबार करने वाले लोगों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाना होगा। उच्च कोर्ट ने कहा कि इस मसले पर विस्तार से सुनवाई के बाद ही अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने सुनवाई 30 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है।



**इससे पहले क्या कहा था**

इससे पहले, पीठ ने पिछले माह स्ट्रीट वेंडिंग एक्ट के कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए इस कानून की समीक्षा करने का फैसला किया। कोर्ट ने कहा था कि वह इसकी समीक्षा करेगा कि क्या यह कानून शहरों और कस्बों के नियोजित विकास के पहलुओं से समझौता करता है। कोर्ट ने कहा था कि ऐसा देखा गया है कि कानून का झुकाव रेहड़ी पटरी वालों की ओर काफी अधिक है। पीठ ने कहा था कि यह देखने की जरूरत है कि क्या यह कानून संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत किसी भी शहर या कस्बे में रहने वाले लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है। पीठ ने स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट के तहत विभिन्न लाभों जैसे नियमितीकरण की मांग को लेकर रेहड़ी-पटरी वालों की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की थी।

**दो याचिकाओं पर हो रही थी सुनवाई**

कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा था कि यदि इस कानून को पूरी तरह से लागू किया गया तो देश का बेड़ा गर्क हो जाएगा। साथ ही सवाल उठाया कि तब क्या होगा यदि रेहड़ी पटरी वाले कल से आपके दरवाजे पर बैठना शुरू कर दें? पीठ ने 2016 और 2018 में दाखिल दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है।

इन याचिकाओं में इस कानून के कुछ प्रावधानों को चुनौती दी गई है। हालांकि, कुछ याचिकाओं में इन कानून के प्रावधानों को लागू करने की भी मांग की गई है। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन ने अपनी याचिका में कहा कि कनॉट प्लेस में रेहड़ी पटरी वालों की वजह से दुकानदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

## दिल्ली में छठ पूजा से पहले शुरू होगा स्पेशल कोविड टीकाकरण अभियान, 10000 भक्तों को लगेगा टीका

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** राजधानी दिल्ली में छठ पूजा में हिस्सा लेने वाले 10,000 लोगों के लिए मंगलवार से एक स्पेशल कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की गई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंगलवार को बुराड़ी के निकट कादीपुर से इस विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे।



उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोरोना को देखते हुए हमें छठ पूजा सावधानी के साथ मनानी है, इसलिए कल (मंगलवार) से छठ व्रत विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान में 10,000 श्रद्धालुओं को शामिल किया जाएगा जो पूजा करेंगे, लेकिन किसी कारण से टीका नहीं लगवा पाए हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि नगर निगमों की मदद से पार्टी के पार्षद हर इलाके का दौरा करेंगे और ऐसे लोगों की पहचान करेंगे, जिन्हें कोविड-19 का टीका नहीं लग पाया था। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम एक एनजीओ के सहयोग से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण के लिए पूरे अभियान को 10 सेक्टरों में बांटा गया है।

तिवारी ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) में छठ भक्तों को 4,000 टीके लगाए जाएंगे, जबकि दिल्ली के शेष छह संसदीय क्षेत्रों में 1,000-1,000 टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 9 नवंबर से पहले इस विशेष टीकाकरण अभियान को समाप्त करना है। उन्होंने दिल्ली प्रशासन से विशेष अभियान के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने की भी अपील की है। तिवारी ने यह भी कहा कि भाजपा के सभी पार्षद और तीनों नगर निगमों के कर्मचारी जल्द ही छठ घाटों की सफाई शुरू करेंगे।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों द्वारा दिवाली के बाद मनाए जाने वाले छठ पर्व के दौरान श्रद्धालु घुटनों तक गहरे पानी में खड़े होकर सूर्य देव को उपवास करके अर्घ्य देते हैं।

बता दें कि, 30 सितंबर को जारी एक आदेश में, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कोविड-19 से उत्पन्न खतरे को देखते हुए नदी के किनारे, घाटों और मंदिरों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा के आयोजनों पर रोक लगा दी थी।

इसके विरोध में मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर विरोध प्रदर्शन किया था और छठ समारोह की अनुमति देने की मांग की थी। इसके बाद में 14 अक्टूबर को केजरीवाल ने दिल्ली में छठ पूजा की अनुमति देने के लिए उपराज्यपाल अनिल बैजल को एक पत्र लिखा था।

## दिल्ली सरकार 27 से शुरू करेगी पटाखे नहीं दीया जलाओ अभियान, पटाखों की खरीद-बिक्री पर निगरानी को बनाई जाएंगी 15 टीमें

**नई दिल्ली,(एजेंसी)** दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि पटाखों को जलाने के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए दिल्ली सरकार 27 अक्टूबर से पटाखे नहीं दीया जलाओ अभियान शुरू करेगी। राय ने कहा कि लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और पटाखों की खरीद-बिक्री की निगरानी के लिए जिला स्तर पर 157 सदस्यों वाली 15 टीम बनाई जाएंगी। सर्दियों के मौसम में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 15 सितंबर को पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए कहा था कि यह जीवन बचाने के लिए आवश्यक है।



इसके बाद 28 सितंबर को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने एक जनवरी, 2022 तक राजधानी में पटाखों की बिक्री और इन्हें जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल पटाखों की बिक्री के लिए कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है और प्रतिबंध के बावजूद हमें पटाखों की बिक्री और खरीद के बारे में सूचनाएं मिल रही है। मंत्री ने सोमवार को दिल्ली पुलिस और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की जिसमें उन्होंने फैसला किया कि पटाखों को जलाने के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए पटाखे नहीं दीया जलाओ अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए जिला स्तर पर 157 सदस्यों वाली पंद्रह टीमों का गठन किया जाएगा और इसके अलावा सभी पुलिस थानों में गश्त के उद्देश्य से दो सदस्यीय टीम होगी। राय ने कहा कि पटाखे जलाते हुए पाए जाने पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के संबंधित प्रावधानों और विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसे आठ मामले पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं।

## बाबा रामदेव के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करने की जरूरतः हाई कोर्ट

**नई दिल्ली ।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा कोरोना के दौरान एलोपैथी उपचार पद्धति के खिलाफ कथित तौर पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में योग गुरु स्वामी रामदेव के खिलाफ दाखिल याचिका पर पहली नजर में विचार किया जाना जरूरी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि डॉक्टरों के एसोसिएशन की ओर से दाखिल याचिका को विचार किए बगैर ठुकराया नहीं जा सकता है। जस्टिस सी हरि शंकर ने कहा कि मामले में मौजूदा स्तर पर सिर्फ यह देखने की जरूरत है कि क्या आरोपों पर विचार किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि यह देखना बहुत जरूरी है कि आरोप सही है या गलत।

न्यायालय ने कहा कि दूसरा पक्ष भी यह कह सकता है कि उन्होंने ऐसी कोई बात या तथ्यों का प्रचार नहीं किया है। ऐसे में याचिका पर विचार करने की जरूरत नहीं है। उच्च न्यायालय ने इस मामले में पहले स्वामी रामदेव से जवाब मांगा था। मामले की अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। रामदेव के खिलाफ ऋषिकेश, पटना और भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के तीन रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ-साथ, रेजिडेंट डॉक्टरों के एसोसिएशन, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़, यूनियन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ऑफ पंजाब (यूआरडीपी), रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ और तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन, हैदराबाद ने उच्च न्यायालय में याचिका में दाखिल किया है।

## मेट्रो के यात्रियों के लिए सबसे अच्छी खबर, स्टेशनों पर खोले गए 400 से अधिक गेट

**नई दिल्ली ।** दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले लाखों यात्रियों को एक बार फिर से बड़ी राहत मिल गई है, जिससे ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने बड़ी राहत देते हुए डेढ़ साल बाद यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो स्टेशनों पर अतिरिक्त गेट खोले गए हैं, ताकि स्टेशनों के बाहर यात्रियों की लंबी कतार नहीं लगने पाए। मौजूदा समय में मेट्रो स्टेशनों पर 61.69 फीसद गेट खुल गए हैं। फिर भी अभी करीब 92 स्टेशन ऐसे हैं जहां एक गेट ही खुला रहता है। इस वजह से यात्रियों की परेशानी बरकरार है। गौरतलब है कि कि कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर में मार्च, 2020 से दिल्ली मेट्रो यात्रियों को दिक्कत आनी शुरू हो गई थी। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे और प्रभाव को देखते हुए इस दौरान 48 दिन मेट्रो का परिचालन भी बंद रहा था। दिल्ली में एक साल के दौरान



दो चरणों में मेट्रो में यात्रियों को दिक्कत पेश आई। कोरोना का संक्रमण कम होने पर सख्त नियमों के साथ सात जून से परिचालन शुरू हुआ। तब मेट्रो में शारीरिक दूरी के नियम के पालन के लिए एक सीट छोड़कर बैठने की व्यवस्था थी। लिहाजा, दिल्ली मेट्रो के कुल 253 मेट्रो स्टेशनों पर 257 गेट ही खोले गए थे। इस लिहाजा से हर स्टेशन पर करीब एक गेट खुला रखा जा रहा था। इस वजह से मेट्रो स्टेशनों के बाहर यात्रियों की लंबी लाइनें लगती थीं। जुलाई के अंत तक 332 गेट खोल दिए गए थे। अभी बैठने की पूरी क्षमता के साथ मेट्रो के परिचालन का प्रविधान है। हालांकि, मेट्रो में अब खड़े होकर भी यात्री सफर कर सकते हैं और सुबह शाम मेट्रो में भीड़ भी होने लगी है।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अनुसार अब स्टेशनों पर 414 गेट खोल दिए गए हैं, लेकिन डीएमआरसी की वेबसाइट पर 274 गेट ही खुले होने की जानकारी दी गई है। यात्री सफर से पहले डीएमआरसी की वेबसाइट पर देख कर यात्रा प्लान कर सकते हैं कि किस स्टेशन पर कितने नंबर का गेट खुला है। ताकि स्टेशन पर पहुंचने के बाद यात्रियों को गेट तलाश करने में परेशानी का सामना न करना पड़े। लेकिन हाल के दिनों में खोले गए अतिरिक्त गेट की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं कराई गई है।कोरोना का संक्रमण शुरू होने से पहले मेट्रो में प्रतिदिन करीब 30 लाख यात्री 60 लाख यात्राएं करते थे। दूसरी लहर में मेट्रो का परिचालन बंद होने से पहले मेट्रो में प्रतिदिन करीब 10 लाख यात्री 20 लाख यात्राएं करते थे।

**यह भी जानिये-** गौरतलब है कि पिछले माह सितंबर में मेट्रो में करीब 15 लाख यात्रियों ने 28 लाख यात्राएं की। इस लिहाजा से यात्रियों की संख्या करीब डेढ़ गुना बढ़ी है। येलो लाइन पर सुबह डेढ़ घंटा देर से सामान्य हुआ परिचालन येलो लाइन (समयपुर बादली-हुडा सिटी सेंटर) पर माडल टाउन से विश्वविद्यालय के बीच मेट्रो ट्रैक का मरम्मत कार्य होना था। इस वजह से माडल टाउन से विश्वविद्यालय स्टेशन के बीच सुबह 7-30 बजे तक परिचालन प्रभावित रहा। इसका असर पूरे येलो लाइन पर पड़ा। लिहाजा येलो लाइन पर सुबह डेढ़ घंटे की देर से परिचालन सामान्य हुआ।

## इस बार भी दमघोंटू हवा में मनेगी दिल्ली-एनसीआर में दीवाली, बेहद चिंताजनक रहने वाले हैं हालात

**नई दिल्ली ।** रविवार की झमाझम बारिश से फिलहाल भले ही दिल्ली-एनसीआर के लोग साफ हवा में सांस ले पा रहे हों, लेकिन दो-तीन दिन में ही यह राहत खत्म हो जाएगी। एक बार फिर सांसों का आपातकाल लगने का समय आ गया है। बुधवार से ही एयर इंडेक्स बढ़ना शुरू हो जाएगा। सप्ताहांत तक यह खराब श्रेणी में पहुंच जाएगा। इसके बाद फिर इसमें लगातार इजाफा होगा। सफर इंडिया ने एक से 20 नवंबर तक की समयावधि को दिल्ली-एनसीआर के लिए बेहद चिंताजनक बताया है। इस दौरान एयर इंडेक्स गंभीर श्रेणी में भी पहुंच सकता है। इसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर में दीवाली इस बार भी दमघोंटू हवा में ही मनेगी। इस साल अक्टूबर के आखिरी सप्ताह तक भी प्रदूषण नियंत्रण में रहा तो इसकी वजह मौसम की मेहरबानी रही। देर तक सक्रिय रहे मानसून से धूल प्रदूषण भी नियंत्रण में था और पराली भी अपेक्षाकृत कम जली। लेकिन, सोमवार को देशभर से मानसून विदा हो गया। अगले 10 दिनों तक किसी भी पश्चिमी विक्षोभ अथवा बारिश की संभावना नहीं है। पराली जलाने की घटनाओं में भी अब तेजी से इजाफा होगा।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से हवा की दिशा भी पूर्वी और उत्तर पूर्वी से उत्तर पश्चिमी हो गई है। इसके साथ पहाड़ों की ठंडक और पराली का धुआं दोनों दिल्ली तक पहुंचेंगे। हवा की रफ्तार भी पांच से आठ किमी प्रति घंटा यानी कम रहेगी। दीवाली पर अगर थोड़े बहुत भी पटाखे जले तो हवा की गुणवत्ता और अधिक खराब होगी।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन सफर इंडिया ने अपने पूर्वानुमान में नवंबर माह के पहले तीन सप्ताह में दिल्ली-एनसीआर की हवा चिंताजनक रहने की आशंका जताई है। सप्ताहांत से ही इसकी शुरुआत हो जाएगी। यह भी कहा है कि अगर समय रहते यथोचित कदम नहीं उठाए गए तो इस साल भी दिल्ली की एनसीआर का एयर इंडेक्स 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी तक पहुंच सकता है।

सेंटर फार साइंस एंड एन्वायर्मेंट (सीएसई) द्वारा चार दिन पहले ही जारी की गई एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि अक्टूबर और नवंबर के आसपास प्रदूषण में पराली की भूमिका 40 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। इस बार बारिश अधिक दिनों तक होने के कारण अभी ज्यादा पराली नहीं जलाई गई है। इस बात की आशंका है कि बारिश खत्म होने पर एक साथ बड़े स्तर पर पराली जलाई जाए। ऐसे में नवंबर के पहले सप्ताह में वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ सकता है।

सफर इंडिया के परियोजना निदेशक डा. गुरफान बेग ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता जल्द बिगड़ने को है। पिछले साल दीवाली के अगले दिन तेज बारिश होने से हालात कुछ संभल गए थे। लेकिन, इस साल ऐसी कोई संभावना नहीं है। दीवाली पर तो हवा दमघोंटू होगी ही, इसके बाद भी अगले दो सप्ताह तक स्थिति चिंताजनक रहने वाली है।

## गुटखा खरीदने को लेकर हुए विवाद में कैंची घोंपकर युवक की हत्या, 3 आरोपित गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** सीमापुरी इलाके में रविवार रात दुकान से गुटखा खरीदने के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गुटखा खरीद रहे युवक का दुकानदार व उसके भतीजे से विवाद हो गया। युवक ने अपने दोस्तों को फोन करके मौके पर बुलाया और उनके साथ मिलकर उनकी पिटाई कर दी। दुकानदार ने मारपीट कर रहे एक युवक के सीने में कैंची घोंप दी। दोस्त उसे बचाने के लिए आगे आया तो उसके पेट में भी कैंची मार दी। वारदात के बाद दुकानदार और उसके सहयोगी फरार हो गए। दोनों युवकों को गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डाक्टरों ने शुएब को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल सुहैल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने आरोपित दुकानदार नर सिंह, उसके भतीजे हेमंत और उसके दोस्त आमिर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई कैंची भी बरामद कर ली है। पुलिस हत्या, हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर जांच कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि रविवार रात 11=21 बजे जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली कि दो युवक घायल हालत में अस्पताल में आए हैं।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। डाक्टरों ने पुलिस को बताया कि गाजियाबाद के शहीद नगर के रहने वाले शुएब की मौत हो गई है, पुरानी सीमापुरी के रहने वाले सुहैल की हालत गंभीर है। अस्पताल में पुलिस को शुएब के दो दोस्त सुभान व अनीस मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका दोस्त समीर पुरानी सीमापुरी की एक दुकान पर गुटखा खरीदने गया था। दुकान पर दुकानदार सर सिंह व उसका भतीजा हेमंत थे। आरोप है हेमंत ने सीमर के कंधे पर हाथ रखकर कहा अभी तुम बच्चे हो, इसी बात पर समीर की उसके कहासुनी हो गई।

समीर ने फोन करके दोस्तों को बुलाया। कुछ देर में सुहैल, शुएब, अरशद, अनीस व सुभान दुकान पर पहुंचे, उस दौरान दुकानदार अपने भतीजे और उसके दोस्त आमिर के साथ शराब पी रहा था। समीर ने दोस्तों के साथ मिलकर हेमंत को पीटना शुरू कर दिया। नर सिंह और आमिर ने हेमंत को बचाने की कोशिश की, लेकिन युवक उसे पीटते रहे। गुस्से में नर सिंह ने दुकान से कैंची उठाई और शुएब के सीने में घोंप दी। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए।

थानाध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने सीमापुरी से ही तीनों को दबोच लिया। नर सिंह कई वर्ष पहले पुलिस के लिए मुखबिर का काम करता था। वर्ष 2013 में झगड़े के दौरान उसने गोली में गोली चलाई थी।

## दिल्ली में डेंगू के मामले 1,000 के पार; एक सप्ताह में 283 नए मरीज मिले, साल 2018 के बाद से सबसे अधिक मामले

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के मामले बेकाबू होते दिख रहे हैं। राजधानी दिल्ली में ही इस साल अब तक डेंगू के 1,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें 280 से अधिक नए मामले पिछले एक सप्ताह में ही दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में इस मौसम में दर्ज किए गए डेंगू के कुल मामलों में से इस महीने 23 अक्टूबर तक 665 दर्ज किए गए हैं। राजधानी में पिछले दो हफ्तों में मच्छर जनित बीमारी के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं और दिल्ली में इसके कारण 18 अक्टूबर को पहली मौत भी दर्ज की गई थी। डेंगू से मरने वाली महिला की पहचान 35 वर्षीय ममता कश्यप के रूप में हुई थी, जो दक्षिणी दिल्ली के सरिता विहार की रहने वाली थीं। सितंबर के अंत में एक निजी अस्पताल में उसकी डेंगू से मौत हो गई थी।

सोमवार को जारी मच्छर जनित बीमारियों पर सिविक रिपोर्ट के अनुसार, इस सीजन में 23 अक्टूबर तक डेंगू से एक मौत और कुल 1,006 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं, जो कि इसी अवधि के लिए 2018 के बाद से सबसे अधिक मामले हैं। इस साल 16 अक्टूबर तक कुल मामलों की संख्या 723 थी, इसलिए, एक सप्ताह में 283 नए मामले दर्ज किए गए हैं।



रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 1 जनवरी 16 अक्टूबर की अवधि के दौरान दर्ज किए गए डेंगू के मामलों की संख्या साल 2020 में 489, साल 2019 में 833 और साल 2018 में 1,310 थी।

दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़ों का रिकॉर्ड रखने वाली नोडल एजेंसी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में पूरे वर्ष में कुल 1,072 मामले और एक मौत दर्ज की गई थी।

एसडीएमसी द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2020 से पहले के वर्षों में डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या साल 2019 में 2, साल 2018 में 4, साल 2017 में 10 और साल 2016 में 10 दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में अब तक दर्ज किए गए 665 मामले इस साल एक महीने में दर्ज किए गए सबसे अधिक मामले हैं। 2021 में डेंगू के मामलों का माहवार आंकड़ा इस प्रकार है - जनवरी (0), फरवरी (2), मार्च (5), अप्रैल (10) और मई (12), जून (7), जुलाई (16) और अगस्त (72) है। इस सीजन में सितंबर में 217 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में एक महीने में सबसे ज्यादा है।

# संपादकीय

## भरमाने का एक और चीनी पैंतरा

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (चीन की फौज) ने नए तंबू लगाकर आपसी तनाव को एक बार फिर भड़काने का काम किया है। यह हिमाकत तब की गई है, जब पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद और इसके समाधान के लिए उसके साथ हमारी सैन्य और कूटनीतिक बातचीत जारी है। हालांकि, चीन को करीब से जानने वाले उसकी इस हरकत पर आश्चर्य नहीं जता रहे। पड़ोसी देशों के साथ वह वक्त-बेवक्त ऐसी तरकीबें आजमाता रहता है, ताकि वह आकलन कर सके कि उसका किस हद तक विरोध हो सकता है। साथ ही, वह ऐसा करके अपने नागरिकों का ध्यान भी असल मुद्दों से भटकाता रहता है। यह चालबाजी उसकी ऐतिहासिक परंपरा का हिस्सा है।

सन् 1962 के युद्ध को याद कीजिए। चीन ने हम पर वह जंग इसलिए भी थोपी थी, ताकि उसके नेता माओत्से-तुंग साल 1958 की अपनी 'द ग्रेट लीप फॉरवर्ड' नीति की नाकामी को छिपा सकें। इस नीति के माध्यम से खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए गांवों में जबरिया औद्योगीकीकरण किए गए थे और सामूहिक खेती पर जोर दिया गया था। नतीजतन, वहां जबर्दस्त मानव संकट पैदा हुआ और माना जाता है कि तीन से साढ़े चार करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो गए। तब इस नीति पर उठने वाले सवालों से पार पाने और चीन पर कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण फिर से कायम करने के लिए लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन के सैनिक हमारी सीमा में चुपके से दाखिल हुए थे, और 'हिंदी-चीनी, भाई-भाई' की धारणा को छलनी कर दिया गया।

आज चीन फिर से आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अफगानिस्तान से अमेरिका की विदाई और वैश्विक नेता की उसकी साख पर आए संकट के बावजूद वह मौके का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहा, क्योंकि कोरोना वायरस को जन्म देने के आरोप से वह मुक्त नहीं हो पा रहा। यही वजह है कि वहां स्थानीय मीडिया में बयान जारी किए जा रहे हैं कि साल 2025 तक ताइवान को वह अपने कब्जे में ले लेगा और साल 2035-40 तक अरुणाचल प्रदेश को। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के करीब 543 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को भी वह अपना बता रहा है। गुजरे 30 अगस्त को तो पीएलए के तकरीबन 100 घुड़सवार सैनिक चमौली (उत्तराखंड) के बाराहोती में पांच किलोमीटर तक घुस आए थे और काफी उपद्रव मचाया था। उसके हेलीकॉप्टर यहां उड़ान भी भरते रहते हैं।

दिक्कत यह है कि वह अब सीधी जंग में नहीं उलझना चाहता। इसके अपने खतरे हैं। गलवान घाटी के संघर्ष ने इसकी तस्दीक की है कि लंबी लड़ाई में हम अब कहीं ज्यादा निपुण हो गए हैं। इसलिए, उसने परोक्ष रूप से हमें परेशान करने की रणनीति अपनाई है। इसमें वह युद्ध जैसा माहौल बनाए रखता है, जिससे हम पर आर्थिक बोझ बढ़ता रहे। मसलन, सियाचिन में हमें अपने सैनिकों को रखने के लिए काफी खर्च करना पड़ता है। अनुमान है कि यहां रख-रखाव पर रोजाना सात करोड़ रुपये खर्च होते हैं। माइनस 40 डिग्री में सक्रिय रहने के लिए हमारे सैनिकों को जो विशेष वर्दी दी जाती है, वह लाखों रुपये की होती है। फिर हेलीकॉप्टर से रसद पहुंचाना भी खासा मुश्किल भरा काम होता है। ऐसे में, अगर दोनों देशों में तनातनी बनी रही, तो हम पर यह आर्थिक बोझ बढ़ता जाएगा। माओत्से-तुंग की भी यही सोच थी- बिना गोली चलाए दुश्मन को खोखला कर देना।

हमारे लिए मुश्किल यह है कि चीन हमारा सबसे बड़ा कारोबारी साझीदार है। इस साल भी शुरुआती छह महीने में तमाम उठा-पटक के बावजूद द्विपक्षीय कारोबार में 62.7 फीसदी की जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़कर 57.48 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत जहां चीन को मछली, मसाले से लेकर लौह अयस्क, ग्रेनाइट स्टोन आदि भेजता है, वहीं इलेक्ट्रॉनिक सामान, दवाओं का कच्चा माल आदि उससे मंगाता है। इन वजहों से निकट भविष्य में किसी बड़े बदलाव की शायद ही गुंजाइश है। ऐसे में, सीमा पर होने वाले ऐसे तनाव का हमें अलग तरह से समाधान निकालना पड़ेगा, और जैसा कि हमारे विदेश मंत्री कहते भी हैं कि सीमा विवाद, यानी दोनों देशों के बीच सीमा का निर्धारण एक अलग मसला है और चीन की इस अतिक्रमणकारी नीति का विरोध बिल्कुल अलग मुद्दा। जाहिर है, हमें चीन को लेकर एक समग्र नीति बनानी पड़ेगी। हमें यह समझना होगा कि पाकिस्तान से हमें वैसा खतरा नहीं है, जैसा चीन से है। भारत की एकमात्र गलती यह है कि यहां के राजनीतिक नेतृत्व में चीन को लेकर दूरदर्शिता नहीं दिखाई। दूरगामी सोच के अभाव में चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों में हम अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर, यानी बुनियादी ढांचा अब तक नहीं बना सके हैं, जबकि चीन करीब दो दशक पहले ऐसा कर चुका है। अच्छी बात है कि देर से ही सही, हमारी नींद अब टूटी है और हमने सीमावर्ती इलाकों पर ध्यान देना शुरू किया है। मगर जिस तरह की चुनौती हमें चीन से मिल रही है, हमें इन कामों में काफी तेजी लानी होगी। उसने जिस तरह से वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लगे अपने इलाकों में सड़कों का जाल बिछाया है और इस पूरे क्षेत्र को हवाई पट्टियों से जोड़ने का काम किया है, हमें भी इसी तरह के काम अपने इलाकों में करने होंगे। इसके अलावा, हमें सीमा-रेखा पर भी आपसी सहमति बनानी होगी। यह रजामंदी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि हमारा करीब 38 हजार वर्ग किलोमीटर का अक्साई चिन उसके कब्जे में है। एक उपाय यह भी बताया जाता है कि चीन के बराबर हम अपने सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों की टुकड़ी बढ़ा दें। मगर यह व्यावहारिक कदम नहीं होगा। जहां एक-एक ईंच जमीन के लिए संघर्ष हो, वहां विवाद के मूल केंद्र से अलग सैनिकों का जमावड़ा कतई उचित नहीं माना जा सकता। यह नियति का एक क्रूर मजाक है कि हमारे पड़ोस में चीन और पाकिस्तान जैसे देश हैं। अफगानिस्तान की बदली फिजां ने अब इस गठजोड़ को कहीं ज्यादा खतरनाक बना दिया है। लिहाजा, हमें न सिर्फ उन्हें उनकी भाषा में जवाब देना होगा, बल्कि कूटनीतिक तरीके से भी विश्व मंच पर उन्हें ऐसे मसलों पर मात देनी होगी।

**प्रवीण कुमार सिंह**

# भारत के पड़ोस में खौफनाक जिहादी लहर, आसान नहीं धार्मिक बैर को परास्त करना

साझा राजनय यानी पब्लिक डिप्लोमेसी से यह साबित किया जा सकता है कि भारत पड़ोसी देशों में बहुसंख्यक या मुख्यधारा के विकास और कल्याण हेतु उतना ही तत्पर है, जितना वहां के हिंदू या सिख अल्पसंख्यकों के लिए। भारत चाहे जितनी कोशिश करे, पड़ोसी देशों में धार्मिक बैर को परास्त करना आसान नहीं, क्योंकि वहां की राजनीतिक और सामाजिक दशा पर किसी बाहरी देश का असर कम ही रहेगा। फिर भी बांग्लादेश के हालात और अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान से निकली जिहादी लहर को देखते हुए हम निष्क्रिय नहीं रह सकते। वैसे तो भारत दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन यदि पड़ोसी देशों में कुछ तत्व अल्पसंख्यकों की मान-मर्यादा का उल्लंघन करें तो हमें सक्रिय होकर ऐसे शैतानों का सामना करना होगा।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा आयोजन के दौरान हिंदुओं पर सुनियोजित हिंसक हमले और मंदिरों के विध्वंस से उत्सव का रंग फीका पड़ने के साथ ही अब भय का माहौल बन गया है। वहां एक दर्जन से अधिक जिलों में हिंसक भीड़ ने जिस प्रकार निरीह हिंदुओं के पूजा स्थलों पर आक्रमण कर उनके देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित कीं, उससे भारत के अंतःकरण को चोट पहुंची है। बांग्लादेश में हिंदुओं को प्रताड़ित करने का यह पहला मामला नहीं है। वहां यह बहुत गंभीर समस्या है। उसके समाधान से केवल बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि भारत का भी सरोकार है।

भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक जुड़ाव के कारण बांग्लादेश में जो भी नकारात्मक घटनाएं घटित होती हैं, वे भारत और समस्त भारतीय उपमहाद्वीप के लिए चिंता का सबब बन जाती हैं। दरअसल, ऐसी क्रूरता और धार्मिक कटुता माचिस की एक तीली के समान है, जिसकी एक चिंगारी से भड़की आग बहुत दूर तक फैल जाती है। जबसे तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता हथियाई है, तबसे दक्षिण एशिया में जिहादी मानसिकता वालों का दुस्साहस बढ़ा है। इसके शिकार हिंदू, सिख, शिया और अन्य अल्पसंख्यक हो रहे हैं। आतंकी दरिंदों के दुस्साहस की पराकाष्ठा देखिए कि वे बेखौफ हमला बोल रहे हैं। कश्मीर की हालिया आतंकी घटनाएं भी इसका सुबूत हैं। इससे खतरे की आहट का अंदाजा लगता है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान के अलावा बांग्लादेश में भी कट्टरपंथी तत्वों ने अपने यहां हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के जबरन मतांतरण की मुहिम तेज कर दी है। वहां अल्पसंख्यकों की संख्या लगातार घटी है, जिसे कट्टरपंथी और घटाने पर तुले हैं। श्रीलंका और मालदीव



सरकारों की बेचैनी भी बढ़ी हुई है, क्योंकि आइएस वहां पहले से कायम असंतोष को आग देकर माहौल खराब कर सकता है। यानी समूचे दक्षिण एशिया में जिहादी लहर के विस्तार की आशंकाएं अतिरंजना नहीं, अपितु वास्तविकता हैं, जो प्रतिदिन किसी न किसी रूप में प्रकट हो रही हैं। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह न केवल अपनी सीमा के भीतर इन शक्तियों से जूडो, बल्कि पड़ोसी देशों की भी उचित सहायता करे। आपात स्थितियों में भारत ने पड़ोसी देशों में सताए अल्पसंख्यकों को शरण दी है। भारत ही उनका आखिरी आसरा है। यदि भारत न होता तो उनका सफाया हो जाता। यही कारण है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए जैसे कानून के माध्यम से भारत अपने-अपने देशों में सताए गए दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों को रोशनी की किरण दिखाता है।

भारत पड़ोसी देशों में फल-फूल रहे जिहादी संगठनों और उनके कृत्यों पर पैनी नजर रखता है। हमारी खुफिया एजेंसियां सक्रिय रहकर पड़ोसी मित्र देशों को षड्यंत्रों के विषय में सूचित करती हैं। जैसे 2019 में श्रीलंका में ईसाई अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमलों के बारे में भारतीय एजेंसियों ने पहले से ही चेतावनी साझा की थी कि कुछ अनर्थ होने वाला है। तत्कालीन श्रीलंकाई प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने यह माना था कि 'भारत ने हमें खुफिया जानकारी दी, लेकिन उस पर कार्रवाई करने में हमसे चूक हुई।' इस वर्ष मालदीव में जब भारतीयों और भारतीय राजनयिकों के विरुद्ध कट्टरपंथियों द्वारा झूठे आरोपों से जुड़ा अभियान चलाया गया और हिंसक धमकियां दी गईं तो भारत ने वहां के सत्तारूढ़ दल और सुरक्षा कर्मियों को सावधान किया। साझा जानकारी और प्रशिक्षण के जरिये आतंकी हमलों या अल्पसंख्यकों के सुनियोजित दमन को विफल करने हेतु हमें पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाना ही होगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हालिया हमलों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो भारत हितैषी मानी जाती हैं, ने आश्वासन दिया कि अपराधियों को उनके किए की सजा अवश्य दी जाएगी। हसीना सरकार ने बीते कुछ वर्षों के दौरान कई ऐसे कट्टरपंथी मुजरिमों को सजा भी दिलवाई है, जिन्होंने हिंदू अल्पसंख्यकों, नास्तिकों और उदारवादी इस्लाम के समर्थकों की निर्मम हत्याएं कीं। हालांकि, यह भी सच है कि उक्त मसला केवल कानून एवं व्यवस्था की स्थापना और दंड देने से नहीं सुलझेगा। वास्तविकता यही है कि बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में अल्पसंख्यकों पर जुल्म इस अफवाह की आड़ में किए जाते हैं कि भारत में मुसलमानों का उत्पीड़न किया जा रहा है और चूंकि स्थानीय हिंदू सांस्कृतिक तौर पर भारत से जुड़े हैं तो उनसे बदला लेना जायज है। इन देशों में जिहादी संगठन और कुछ सियासी दल भारतीय कूटनीति को पक्षपातपूर्ण बताकर दुष्प्रचार करते हैं, ताकि वहां के बहुसंख्यक समुदाय को उकसाया जाए कि भारत उनका दुश्मन है और इस्लाम को भारतीय सांस्कृतिक 'प्रदूषण' से बचाना उनका धार्मिक कर्तव्य है।

हमें पड़ोसी देशों में न केवल उदार, नरम और पंथनिरपेक्ष घटकों से रिश्ते मजबूत करने चाहिए, वरन वहां के बहुसंख्यक मुसलमानों के मन-मस्तिष्क में भी पैठ बनानी होगी। भारतीय मुस्लिम समाज के प्रगतिशील वक्ताओं, मौलवियों और सूफी इस्लाम के अनुयायियों को दूत बनाकर इन पड़ोसी देशों में भ्रमण करवाना और उनके द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों के घुल-मिलकर रहने और उनकी संतुष्टि वाली सच्ची तस्वीर पेश करने से गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। साझा राजनय यानी पब्लिक डिप्लोमेसी से यह साबित किया जा सकता है कि भारत पड़ोसी देशों में बहुसंख्यक या मुख्यधारा के विकास और कल्याण हेतु उतना ही तत्पर है, जितना वहां के हिंदू या सिख अल्पसंख्यकों के लिए। भारत चाहे जितनी कोशिश करे, पड़ोसी देशों में धार्मिक बैर को परास्त करना आसान नहीं, क्योंकि वहां की राजनीतिक और सामाजिक दशा पर किसी बाहरी देश का असर कम ही रहेगा। फिर भी बांग्लादेश के हालात और अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान से निकली जिहादी लहर को देखते हुए हम निष्क्रिय नहीं रह सकते। वैसे तो भारत दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन यदि पड़ोसी देशों में कुछ तत्व अल्पसंख्यकों की मान-मर्यादा का उल्लंघन करें तो हमें सक्रिय होकर ऐसे शैतानों का सामना करना होगा।

# भारत के सामने है बड़ी चुनौती, सधे कदमों से तय हो अफगान नीति

काबुल में भारतीय दूतावास को बंद हुए दो महीने से अधिक हो गए हैं। मध्य अगस्त में काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद यह कदम उठाया गया था। पंजशीर में जरूर तालिबान को कुछ प्रतिरोध झेलना पड़ा, लेकिन आखिरकार उसे भी हथियाने के बाद अब पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान का नियंत्रण है। आइएस-खुरासान आतंकी समूह जरूर अब भी कुछ इलाकों में हमले कर रहा है। इसके बावजूद निकट भविष्य में तालिबान के सत्ता से बेदखल होने के आसार नहीं दिख रहे। भारत के लिए यह बहुत असहज करने वाली सच्चाई है, जिसे भारतीय नीति निर्माताओं को स्वीकार करना ही चाहिए। यह सही है कि तालिबान की विचारधारा पूरी तरह भारत के विपरीत है। वहीं तालिबान और पाकिस्तान बहुत घनिष्ठ हैं।

पिछली सदी के अंतिम दशक के दौरान जब तालिबान ने काबुल और कई अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर कब्जा जमा लिया था तब भी अफगानिस्तान के करीब दस प्रतिशत हिस्से पर बुरहानुद्दीन रब्बानी का शासन था। संयुक्त राष्ट्र में उसे ही अफगानिस्तान की वैधानिक सरकार के रूप में मान्यता प्राप्त थी। इस बार अमरुल्ला सालेह ने खुद को राष्ट्रपति घोषित किया, लेकिन उनके नियंत्रण में कोई भी इलाका नहीं था। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय उन्हें कैसे मान्यता प्रदान करता। इस प्रकार अफगान गणतंत्र इतिहास में दफन हो गया है। हालांकि, कोई भी देश तालिबान को राजनयिक मान्यता देने में जल्दबाजी नहीं दिखा रहा। वहीं तालिबान से निपटने को लेकर चीन और रूस का पश्चिमी देशों के साथ मतैक्य नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तालिबान को लेकर एक साझा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण सुझाया है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि चीन और रूस इस समझदारी भरे सुझाव को तवज्जो देंगे।

भारत ने कई देशों के साथ आवाज उठाकर तालिबान से मांग की थी कि वह समावेशी सरकार का गठन करे। महिलाओं एवं अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान करे और सुनिश्चित करे कि आतंकी समूह अफगान धरती का इस्तेमाल न करने पाएं। साथ ही भारत ने अफगानिस्तान में पुरातनपंथी विचारधारा के जड़ें जमाने से जुड़े खतरों को लेकर भी आगाह किया। वैसे विदेश नीति में किसी देश के पास यह सुविधा नहीं होती कि वह अपनी पसंद से तय करे कि किसके साथ संवाद-सक्रियता बढ़ानी है या नहीं। राष्ट्रहित यही मांग करते हैं कि वास्तविकता को स्वीकार किया जाए। नीतियां भी वास्तविकता के आधार पर बनानी होती हैं। निस्संदेह अफगान गणतंत्र का पतन भारत के लिए बड़ा झटका है, जिसके भारत के साथ बेहतरीन संबंध थे। यद्यपि भारत ने बीते चालीस वर्षों के दौरान अफगानिस्तान में निरंतर हुए परिवर्तनों से बढ़िया ताल मिलाई। हालांकि प्रत्येक बार शुरुआत में कुछ मुश्किलें अवश्य आईं, परंतु बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार कर भारत ने नई सत्तारूढ़ होने वाली सरकार से बेहतर संबंध बनाने में सफलता प्राप्त की, भले ही नई सरकार की विचारधारा पुरानी से इतर क्यों न रही हो। यथार्थवाद ने हमेशा मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इस प्रकार भावनाओं को किनारे रखकर ऐसी व्यावहारिक नीतियां बनाई गईं, जिन्होंने भारत के हितों को पोषित किया।

अब तालिबान के सत्तारूढ़ होने के साथ कुछ अतिरिक्त जटिलताएं उत्पन्न हो गई हैं। पाकिस्तान प्रयास में जुटा है कि तालिबान और भारत के बीच कामकाजी संबंध विकसित न होने पाएं। इसके लिए वह किसी तालिबानी नेता के अनर्गल बयान या फिर मंदिरों और गुरुद्वारों पर हमलों से भारतीय जनमानस को उकसाने की भी कोशिश करेगा। हाल में ऐसी ही एक कोशिश हुई भी, जहां तालिबान के एक नेता ने महमूद गजनवी के मकबरे पर जाकर उसके द्वारा किए गए सोमनाथ मंदिर के ध्वंस का बखान किया। भारत के सामरिक एवं विदेश नीति हितों की यही मांग है कि उकसावे वाली ऐसी टिप्पणियों को अनदेखा किया जाए। यह आसान नहीं है, पर भारतीय परिपक्व हैं, जो ऐसे मूर्खतापूर्ण बयानों को राष्ट्रहितों में अवरोध नहीं पैदा करने देंगे। इस बीच ऐसी रपट भी हैं कि भारत और तालिबान पर्दे के पीछे वार्ता में सक्रिय हैं। ऐसा संपर्क कूटनीतिक दुनिया में बहुत सामान्य है। दोहा में भारतीय राजदूत ने सार्वजनिक रूप से अब्बास स्टेनकजई से मुलाकात की, जो तालिबान सरकार में उप विदेश मंत्री हैं। ऐसे खुले संवाद को जारी रखने की जरूरत है, क्योंकि इससे भारत तालिबान के रवैया का आकलन करने के साथ ही उसे उसकी मर्यादा रेखा बताने में भी सक्षम होगा। ऐसे संवाद का अर्थ मान्यता देना कदापि नहीं होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि तालिबान के भीतर व्यक्तिगत, कबीलाई और क्षेत्रीय विभाजन हैं। सभी तालिबानी नेता हक्कानी नेताओं की पाकिस्तान से नजदीकी पर खुश नहीं हैं। यह भारतीय कूटनीति को कुछ गुंजाइश प्रदान करता है कि वह अफगानिस्तान में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए नए सिरे से काम करे। इसके अतिरिक्त भारत यह गवारा नहीं कर सकता कि पाकिस्तान और चीन अफगानिस्तान में भारत विरोधी गतिविधियां चलाएं। इसके लिए काबुल में अधिकारियों की एक छोटी टीम तैनात करना जरूरी है। तालिबान द्वारा उनकी सुरक्षा की गारंटी के बाद ऐसा किया जा सकता है। अफगानिस्तान को लेकर जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीयों और अफगान लोगों के बीच सदियों पुराने संबंधों का स्मरण कराकर सही किया। बीस वर्षों के दौरान भारत द्वारा अफगानिस्तान की व्यापक सहायता पर भी उन्होंने बखूबी प्रकाश डाला। इस बीच भारत ने अफगानिस्तान मसले पर बैठक भी बुलाई है।

## आफत में उत्तराखंड

उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला जैसे थमने का नाम नहीं ले रहा। इस बार बारिश कहर बनकर टूटी है यहां के लोगों पर। पिछले चार दिनों से लगातार बारिश अपने आप में बड़ी आफत थी, लेकिन खासकर आखिरी 24 घंटों ने तो सारी कसर पूरी कर दी। इसका केंद्र रहा राज्य का अल्मोड़ा क्षेत्र। मौसम विभाग के मुक्तेश्वर और पंतनगर केंद्रों ने तो बाकायदा बताया कि उनके रेकॉर्ड में ऐसी बारिश अब तक दर्ज नहीं हुई थी।

नतीजा, बारिश का यह पानी कई इलाकों में भीषण बाढ़ और बड़े पैमाने पर भूस्खलन की वजह बना। 46 लोगों की मौत का जो आंकड़ा आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा है, वह तो सिर्फ उन लोगों की बात है, जिनके बारे में पता चल सका है। नैनीताल जैसा बड़ा पर्यटन केंद्र ही नहीं, राज्य के बहुत से इलाके बाकी दुनिया से कट चुके हैं। सड़कें, पुल और बड़ी संख्या में मकान भी धंस गए, टूट-फूट गए या बह गए। जाहिर है, ऐसी स्थिति में जान-माल के नुकसान का सटीक अंदाजा भी तुरंत नहीं लगाया जा सकता। सही सूचनाएं आने और सरकारी तंत्र को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने में वक्त लगेगा। हालांकि जहां तक भी पहुंचना संभव है, वहां राहत और बचाव कार्य शुरू करने में देर नहीं की गई। तीन सौ से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। लेकिन जितने लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, उनके मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। फिलहाल संतोष की बात इस संदर्भ में कुछ है तो यही कि बारिश थम चुकी है और मौसम विभाग के मुताबिक बादलों ने दूसरी तरफ का रुख ले लिया है। यह बारिश वैसे भी उत्तराखंड तक सीमित नहीं थी, लेकिन फिर भी यह जितनी बड़ी विपदा यहां के लिए साबित हुई, उतनी अन्य राज्यों के लिए नहीं हुई। यह इस बात का एक और सबूत है कि पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन के लिहाज से उत्तराखंड अतिरिक्त रूप से संवेदनशील है और इसका खास तौर पर ध्यान रखे जाने की जरूरत है।

हर बड़े हादसे के बाद दोहराए जाने के बावजूद विकास योजनाओं के स्वरूप में बदलाव के कोई संकेत नहीं दिखाई देते। बार-बार कहा जा चुका है कि चाहे चार धाम प्रॉजेक्ट हो या हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजनाएं या इस तरह की अन्य विकास योजनाएं- इस पूरे इलाके की पारिस्थितिकी के लिहाज से ये बेहद खतरनाक हैं और इनके बजाय विकास का ऐसा ढांचा खड़ा करने की जरूरत है, जो जंगल काटने और पहाड़ के हिस्सों को डाइनामाइट से उड़ाने की ओर न ले जाए, बल्कि इनके साथ फल-फूल सके। दिक्कत यह है कि ये सुझाव भी हर बड़े हादसे के बाद निभाई जाने वाली औपचारिकता जैसे हो गए हैं। न तो निर्णयकर्ता इन्हें लेकर गंभीर हैं और न ठोस जनमत की ऐसी ताकत ही इनके इर्द-गिर्द खड़ी हो सकी है, जो निर्णयकर्ताओं को इसके लिए मजबूर करे।

# सीमाओं की सुरक्षा पर सस्ती राजनीति, बंगाल और पंजाब की सरकारें आखिर क्यों जता रही आपत्ति?

यह किसी से छिपा नहीं कि कानून एवं व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर किस तरह संकीर्ण राजनीति होती है और उसके कारण पुलिस को किस प्रकार बेजा दखल का सामना करना पड़ता है। कम से कम ऐसा सीमाओं की रक्षा के मामले में तो नहीं ही होना चाहिए। सीमाओं की सुरक्षा के मामले में जैसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए होना तो यह चाहिए कि केंद्र और राज्य मिलकर संघीय पुलिस के किसी ढांचे का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ें। इसकी आवश्यकता एक अर्से से महसूस की जा रही है, क्योंकि आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। यह चिंताजनक है कि जब इस आवश्यकता की पूर्ति होनी चाहिए, तब पंजाब, बंगाल सरीखे राज्य अपने अधिकारों को तूल देकर केंद्र पर हमलावर हैं।

पंजाब, बंगाल और असम में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर के दायरे में सीमा सुरक्षा बल को तलाशी लेने, जब्ती करने और गिरफ्तारी का अधिकार देने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध यही बताता है कि अब सीमाओं की सुरक्षा का सवाल भी दलगत राजनीति का विषय बन गया है। इस फैसले का जहां असम सरकार ने स्वागत किया है, वहीं बंगाल और पंजाब की सरकारें आपत्ति जता रही हैं। इसके साथ ही कुछ और विरोधी दल भी इस फैसले का विरोध करने के लिए आगे आ गए हैं। उनका तर्क है कि इससे संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचेगा। आखिर कैसे, क्योंकि सीमा सुरक्षा बल को जो अधिकार दिए गए हैं, वे राजस्थान में पहले से ही 50 किमी के दायरे में लागू हैं और गुजरात में तो 80 किमी के दायरे में प्रभावी थे। अब वहां उन्हें 80 से घटाकर 50 किमी कर दिया गया है। क्या इस फैसले के विरोधी यह कहना चाहते हैं कि राजस्थान और गुजरात में संघीय ढांचे के खिलाफ काम किया जा रहा है? स्पष्ट है कि संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचने या फिर उसकी भावना के विपरीत काम करने के आरोप महज राजनीति से प्रेरित हैं और उनका मकसद केवल विरोध के लिए विरोध करना है। इसका पता इससे भी चलता है कि जहां कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं, वहीं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह उसे सही बता रहे हैं।



केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करने वाले जिस तरह संघवाद को तूल दे रहे हैं, उससे साफ है कि वे राष्ट्र और उसकी सुरक्षा से ज्यादा संघीय ढांचे को महत्व दे रहे हैं। वे यह समझने को तैयार नहीं कि आम जनमानस संघवाद से कहीं अधिक महत्व राष्ट्र की सुरक्षा को देता है। आखिर यह कैसा संघवाद है, जो राष्ट्र की सुरक्षा को ओझल करने को तैयार है? सवाल यह भी है कि पंजाब और बंगाल की सरकारें कानून एवं व्यवस्था जितना महत्व सीमाओं की सुरक्षा को क्यों नहीं देना चाहतीं? राज्य के अधिकार क्षेत्र वाले विषयों के आगे सीमाओं की रक्षा के सवाल की उपेक्षा करना एक तरह की सामंती मानसिकता ही है। राज्यों के क्षत्रपों की यह मानसिकता यही बताती है कि राज्य के आगे किस तरह राष्ट्र के हितों को अनदेखा किया जा रहा है। केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करने वाले इस तथ्य को भी नजरअंदाज कर रहे हैं कि सीमा सुरक्षा बल के अधिकारों में वृद्धि मादक पदार्थों, हथियारों की तस्करी रोकने और आतंकी तत्वों की घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए की गई है। जो फैसला सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने और सीमावर्ती इलाकों की पुलिस का बोझ घटाने में सहायक बनेगा, उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकना एक तरह से देश विरोधी तत्वों को बल देना है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाने का फैसला एक ऐसे समय लिया, जब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कुछ ही दिनों पहले गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पाकिस्तान से लगती पंजाब की सीमाओं को सील करने की मांग की थी। इसका मतलब था कि तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से देश विरोधी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। चंद दिन पहले तक पंजाब कांग्रेस के अन्य अनेक नेता तो यह बात खुले तौर पर कह रहे थे। क्या पंजाब के नेता इससे अनजान हैं कि राज्य में ड्रग्स की तस्करी किस तरह बढ़ती जा रही है? हाल के समय ऐसे भी आरोप सामने आए हैं कि ड्रग्स तस्करी में पुलिस कर्मियों की भी मिलीभगत रहती है। सच्चाई जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि पंजाब में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी बेलगाम सी है। इसके और अधिक बेलगाम हो जाने का खतरा इसलिए पैदा हो गया है, क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो गया है और इसी के साथ पाकिस्तान के इशारे पर भारत में ड्रग्स की तस्करी का खतरा भी बढ़ गया है।

सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाने के फैसले का संकीर्ण राजनीतिक कारणों से विरोध यह भी बताता है कि पंजाब और बंगाल की सरकारें किस तरह केंद्रीय बल पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं। यदि पंजाब, असम और बंगाल में सीमा सुरक्षा बल के अधिकार बढ़ाते हुए उनका दायरा 15 से 50 किमी तक बढ़ाया गया है तो इसका सीधा मतलब है कि सीमा पार सक्रिय ड्रग्स और हथियार तस्कर इन राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में 15 किमी से कहीं अधिक अंदर तक अपनी पहुंच बनाने में सफल हो गए हैं। वे या तो सीमा पार कर 15 किमी से ज्यादा अंदर तक दाखिल हो जाते हैं या फिर इन राज्यों में उनके मददगार इस दायरे से आगे भी सक्रिय रहते हैं। आखिर जब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल 15 किमी के दायरे में मिलकर काम कर सकते हैं तो 50 किमी के दायरे में क्यों नहीं? सीमा सुरक्षा बल के अधिकारों का दायरा बढ़ाना इसलिए उचित है, क्योंकि उसके पास सीमांत इलाकों की निगरानी रखने का जैसा अनुभव है, वैसा राज्यों की पुलिस के पास नहीं। कोई भी काम उसे ही सौंपा जाना चाहिए, जिसके पास उसकी विशेषज्ञता और अनुभव हो।

बेहतर होगा कि पंजाब और बंगाल के सत्ताधारी दल सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा पर सस्ती राजनीति करना बंद करें, क्योंकि संघीय ढांचे को नुकसान तो इसी राजनीति से होगा। वास्तव में जब तक कानून एवं व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के सवालों पर राजनीति होती रहेगी, तब तक सुधार होने वाला नहीं है। यह किसी से छिपा नहीं कि कानून एवं व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर किस तरह संकीर्ण राजनीति होती है और उसके कारण पुलिस को किस प्रकार बेजा दखल का सामना करना पड़ता है। कम से कम ऐसा सीमाओं की रक्षा के मामले में तो नहीं ही होना चाहिए। सीमाओं की सुरक्षा के मामले में जैसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए होना तो यह चाहिए कि केंद्र और राज्य मिलकर संघीय पुलिस के किसी ढांचे का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ें। इसकी आवश्यकता एक अर्से से महसूस की जा रही है, क्योंकि आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। यह चिंताजनक है कि जब इस आवश्यकता की पूर्ति होनी चाहिए, तब पंजाब, बंगाल सरीखे राज्य अपने अधिकारों को तूल देकर केंद्र पर हमलावर हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

## संक्षिप्त खबर

### अखिलेश यादव बोले- भाजपा खिला रही है झूठ का फूल, किसानों की आय तो नहीं महंगाई जरूर दोगुनी हो गई

**लखनऊ ।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में पार्टी के कुनबा बढ़ाओ अभियान के तहत बहुजन समाज पार्टी के दो बड़े नेताओं को अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया को संबोधित किया और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने भाषणों में छल, कपट व धोखे के दलदल में केवल झूठ का फूल खिला रही है। किसानों की आय दोगुनी तो नहीं लेकिन महंगाई जरूर दोगुनी हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर पहुंच गई है, बेरोजगारी बढ़ रही है व आम लोगों के साथ अन्याय व उत्पीड़न हो रहा है। इस सरकार में मंत्री दूसरे मंत्री व अधिकारी दूसरे अधिकारियों पर आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा सरकार लगातार चीजें बेच रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दूसरे दलों का सहयोग सपा को मिल रहा है उससे तय है कि आने वाले समय में सपा की सरकार बनने जा रही है। विधायक लालजी वर्मा व रामअचल राजभर के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के समय जिस समय जनता को दवाई की जरूरत थी जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को इलाज की जरूरत थी, जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को ऑक्सीजन की जरूरत थी, उस समय उत्तर प्रदेश की सरकार कहां थी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं प्रदेश में किसान परेशान है, धान की खरीद नहीं हो रही है। मजबूरी में किसान को अपना धान जलाना पड़ा है। आय बढ़ाने वालों ने महंगाई दोगुनी कर दी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर हम उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर लाएंगे। यह तो सर्वविदित है कि समाजवादी पार्टी तो सदैव बाबा साहब तथा लोहिया जी के विचारों के साथ है।

### लखनऊ में असली पर भारी पड़ रही है नकली पुलिस, आम जनता के साथ-साथ पुलिसकर्मी भी हो रहे शिकार

**लखनऊ।** खुद को पुलिस वाला बताकर लूट करने वाले बदमाशों का गिरोह पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पिछले दस महीने में शहर के बीचोंबीच इस गिरोह के शातिरों ने वारदात को अंजाम दिया और लाखों रुपये पार कर दिया। पुलिस ने हर घटना में सीसी फुटेज निकाली लेकिन बदमाशों को नहीं पकड़ सकी। पुलिस की इस लापरवाही से ही बदमाशों का हौसला बुलंद है और अब वह पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाने लगे हैं। केस 1 आठ अक्टूबर को आलमबाग के चंदरनगर इलाके में सब्जी मंडी के पास सुबह करीब नौ बजे में दो युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर स्कूटी से जा रहे चन्दरनगर ऑर्किड अपार्टमेंट निवासी हरजीत सिंह मल्होत्रा को रोका। उन्हें फटकार लगाते हुए चेन, अंगूठी और कड़े उतारकर जेब में रखने को कहा। ठगों ने जेवर लेकर कागज की पुड़िया में लपेट दिया। इसी बीच बातों में उलझाकर जालसाजों ने उन्हें खाली कागज की पुड़िया उन्हें थमा दी। वारदात के बाद सीसी फुटेज में बदमाश कैद हुए लेकिन अब तक नहीं पकड़े गए। केस 2 चिनहट थानाक्षेत्र के कंचनपुर निवासी विनोद सिंह पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल हैं। बीती सात जुलाई को सुबह उनकी पत्नी सुमन घर से पितांबरा विहार के शिवमंदिर गई थीं। वापस लौटते समय दो बाइक सवार टप्पेबाजों ने उन्हें पुलिसकर्मी बताकर रोक लिया। टप्पेबाजों ने उनसे कहा कि, कुछ दूरी पर किसी की हत्या हुई है। इसके एवज में आप अपने गहने उतार दिखाइए। आरोपितों के झांसे में आकर सुमन ने टप्पेबाजों को गहने उतारकर दे दिए। फिर आरोपितों ने महिला को कागज की एक पुड़िया थमा दी और वहां से फरार हो गए। केस-3 बीती सात जुलाई को सआदतगंज के रहने वाले गिरीश चंद्र साहू की पत्नी पूजा साहू आलमनगर के सरीपुरा केतन विहार स्थित मायके गई थीं। वह बेटे की दवा लेने मेडिकल स्टोर जा रही थीं बाइक सवार दो युवकों ने रोका। खाकी वर्दी में अपना कार्ड दिखाते हुए खुद को पुलिस कर्मी बताया और लूट व हत्या का भय दिखाकर टप्पेबाजों ने उनसे चेन, लाकेट, अंगूठी और बाली उतरवाई। इसके बाद एक कागज की पुड़िया में रखवाया। पुड़िया बदलकर दूसरी पूजा को दे दी। घर पहुंचकर पूजा ने पुड़िया खोली तो उसमें कंकड़ पत्थर मिले।

केस 4 आशियाना क्षेत्र में रजनीखंड सेक्टर आठ में घर से कुछ दूर पर फूल तोड़ रही महिला को खुद को क्राइम ब्रांच का दारोगा बताकर टप्पेबाजों ने उन्हें लूट और हत्या का भय दिखाया। इसके बाद जेवर ले उड़े। पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज कर ली लेकिन टप्पेबाजों का पता नहीं चला। केस 5, 23 जून का आलमनगर फ्लाई ओवर ब्रिज के नीचे मायके आई शबीना को हत्या का झांसा देकर व पुलिसकर्मी बन टप्पेबाजों ने जेवरात उड़ा लिए थे।केस 619 जून को राजाजीपुरम ई ब्लाक सेक्टर 11 निवासी निखत अंजुम को चेकिंग व लूट का झांसा देकर व पुलिसकर्मी बन बदमाशों ने जेवरात उड़ा लिए। जेसीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी ने कहा कि टप्पेबाजों को पकड़ने के लिए अभियान चल रहा है और काफी बदमाश पकड़े गए हैं। जो मामला नहीं खुला है उनका खुलासा करने के लिए निर्देशित किया गया है।

### लखनऊ में पार्कों के सौंदर्यीकरण के ठेके में भ्रष्टाचार, 15 प्रतिशत कम दाम पर लिया ठेका; कमीशन देने का भी दावा

**लखनऊ।** अब देखिए नगर निगम के अभियंताओं और ठेकेदारों का खेल। जिस काम की लागत नगर निगम ने सौ रुपये निर्धारित की है, उसे ठेकेदार 85 रुपये में करने को तैयार हैं। इसी के साथ ही पचास प्रतिशत कमीशन अलग से बांटेंगे। अब काम की गुणवत्ता कैसी रहेगी आप ही समझ लीजिए। नया मामला शहर के पार्कों (गुलशन) को संवारने से जुड़ा है। अपने घर के सामने के पार्क को संवारे जाने की सूचना जिस भी मिली, वह खुश हो गया कि अब उनके घर के पास का गुलशन भी महकता नजर आएगा। रंगबिरंगी फूल नजर आएंगे और टूटी दीवारें और रेलिंग भी ठीक हो जाएगी। पार्क में पानी होगा। पाथ-वे भी बनेगा। लाइट लगेगी और बच्चों को भी वहां उछल-कूद करने का मौका मिलेगा। अगर आप ऐसा सोच रहे हैं तो यह शायद आपकी भूल होगी। पार्कों को संवारने के टेंडर प्रक्रिया से भ्रष्टाचार सामने आ गया है। ठेकेदारों ने निर्माण की निर्धारित लागत से पंद्रह प्रतिशत कम कामत में ठेका लिया है। सभी ठेकेदारों ने काम पाने के लिए पंद्रह प्रतिशत कम लागत में काम करने का टेंडर डाला था। खास यह है कि सभी ठेकेदारों ने इतनी कम लागत में ही काम करने का टेंडर फार्म भरा था। टेंडर फार्मो का परीक्षण किया गया था तो सभी की कीमत निर्धारित लागत से पंद्रह प्रतिशत कम पाई गई है। ऐसे में किसी अब हर काम के लिए लाटरी की गई, जिससे किसी एक को टेंडर दिया जा सके। टेंडर को पास करने के लिए चार दिन पहले ही लाटरी कराई गई है।

अब जिस ठेकेदार के पास काम गया है, वह कम लागत के साथ ही कमीशन देने के बाद पार्कों को कैसे संवारेगा यह सवाल अभी से खड़े होने लगे हैं। नगर निगम को पंद्रह वित्त आयोग से मिले 34 करोड़ की धनराशि से शहर के पार्कों को संवारना है। कुल 706 पार्कों को इसमें शामिल किया गया था। इसमें सिविल कार्य के साथ ही बारह करोड़ उद्यान से जुड़े कार्य कराए जाने हैं। इसलिए बदरंग हो जाते हैं नए काम अब ठेकेदारों और अभियंताओं का कौन सा तंत्र है कि कम लागत में काम करने को तैयार हो जाते हैं। इसके पीछे एक खेल यह भी सामने आया कि अधिक लागत का आगणन तैयार कर देते हैं। हालांकि इसका परीक्षण करने के लिए एक अभियंता को जिम्मा दिया गया है, लेकिन उसका भी कमीशन तय हैं। सीट पर बैठकर ही जोन के अभियंता भी गुणवत्ता का परीक्षण कर लेते हैं और फिर फाइल भुगतान के लिए ऊपर चली जाती है। पार्षद भी घटिया काम का विरोध नहीं करते हैं, लिहाजा कम समय में ही सड़क से पार्क तक उजड़े नजर आते हैं।नगर निगम के मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा ने बताया कि मुख्य अभियंता महेश वर्मा का कहना है कि काम चालू होने से पहले की फोटो कराई जाती है और बाद में कई चरण में जांच के बाद ही किसी काम का भुगतान होता हैं। ऐसे में गुणवत्ता का पूरा ध्यान दिया जाता है।

## बसपा से निलंबित विधायक लालजी वर्मा और रामअचल राजभर ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर समाजवादी पार्टी ने सदस्यता अभियान को भी गति दी है। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के कद्दावर नेता तथा विधायक लालजी वर्मा और रामअचल राजभर ने सोमवार को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली।



लखनऊ में सोमवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मायावती के मुख्यमंत्रित्वकाल में कैबिनेट मंत्री रहे लालजी वर्मा तथा रामअचल राजभर को पार्टी की सदस्यता दी। बहुजन समाज पार्टी के दोनों बड़े नेता सोमवार से समाजवादी हो गए। इनके साथ ही बस्ती के त्रयम्बक नाथ पाठक, महेश सिंह, रामकरन चौरसिया, अरविंद सिंह तथा प्रवीन पाठक अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

लालजी वर्मा और रामअचल राजभर ने करीब एक महीना पहले ही समाजवादी पार्टी कार्यालय में अखिलेश यादव से भेंट की थी। इसके बाद दस अक्टूबर इनके अम्बेडकर नगर में समाजवादी पार्टी में शामिल होने का कार्यक्रम बना था। कार्यक्रम का आयोजन न होने पाने पर आज दोनों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। राम अचल राजभर अकबरपुर से पांच बार विधायक चुने गए हैं। राजभर बड़े कद के नेता हैं। मायावती सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रहे हैं। लालजी वर्मा अम्बेडकरनगर के कटहरी से बसपा के विधायक हैं। वह भी बड़े कद्दावर नेता हैं। मायावती सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे लालजी वर्मा बसपा के महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री लालजी वर्मा के साथ रामअचल राजभर को अक्टूबर 2020 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद बीती जून में लालजी वर्मा के साथ रामअचल राजभर के सपा में शामिल होने की चर्चा ने जोर पकड़ा।

विधायक लालजी वर्मा व रामअचल राजभर के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के समय जिस समय जनता को दवाई की जरूरत थी जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को इलाज की जरूरत थी, जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को ऑक्सीजन की जरूरत थी, उस समय उत्तर प्रदेश की सरकार कहां थी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं प्रदेश में किसान परेशान है, धान की खरीद नहीं हो रही है। मजबूरी में किसान को अपना धान जलाना पड़ा है। आय बढ़ाने वालों ने महंगाई दोगुनी कर दी है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर हम उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर लाएंगे। समाजवादी पार्टी तो सदैव बाबा साहब तथा लोहिया जी के विचारों के साथ है।

## दरभंगा में तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर साधा निशाना

**बिरौल/कुशेश्वरस्थान।** बिहार विधानसभा में कुशेश्वरस्थान के विधायक को कभी भी कुशेश्वरस्थान के बारे में चर्चा करते नहीं सुना। इस बार राजद के प्रत्याशी को चुनकर भेजिए। ये जब जाएंगे तो आपकी आवाज को बुलंद करेंगे। समस्याओं का अंत होगा। सरकार को घेरकर आपका काम कराएंगे। भाजपा वाले, नीतीश जी पहले कहते रहते थे महंगाई डायन। उस समय महंगाई डायन लगती थी। अब जब इतनी महंगाई है तो महबूबा लग रही है। हमने पिछले चुनाव में कहा था हमारी सरकार बनेगी तो दस लाख रोजगार देंगे।

नीतीश जी और भाजपा वालों ने बोला 19 लाख रोजगार देंगे। जरा पूछिए- कितना रोजगार दिया। एक साल हो नया। उपरोक्त बातें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिरौल के बलहा उत्क्रमित हाई स्कूल के मैदान एवं तिलकेश्वर के गढ़ मैदान में राजद प्रत्याशी गणेश भारती के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कही। कहा- नीतीश जी कहते हैं शराब बंद है। अरे, घरे-घरे पहुंच रहा है। होम डिलेवरी हो रहा है। दो सौ रुपया का सामान पांच सौ रुपया में मिल रहा है। इसलिए हम बताने आए हैं कि इ लोग खाली आपलोगों का इस्तेमाल किया। आपलोगों को ठगा। इस बार एक मौका मिलेगा कि नहीं। ये लोग भाई से भाई को लड़ाने का काम करते हैं। नीतीश जी ने कहा था कि मिट्टी में मिल जाऊंगा भाजपा में नहीं जाऊंगा।

जरा पूछिए उनसे आप कहते थे कि भाजपा में नहीं जाऊंगा, आज किसके साथ है। आज चौथे नंबर की पार्टी हैं आप, भाजपा के सहयोग से न आप मुख्यमंत्री है। पिछला चुनाव में तो जनता ने महागठबंधन को न आशीर्वाद दिया था। आपका विधायक है यहां पंद्रह साल से ज्यादा, एमपी आपका, विधायक आपका, भारत सरकार आपका। अगर हिम्मत है तो कुशेश्वरस्थान का तीनों प्रखंड घूमकर दिखा दीजिए।

## अयोध्या पहुंचे दिल्ली के सीएम केजरीवाल, सरयू आरती में होंगे शामिल; आज करेंगे रामलला और बजरंगबली के दर्शन

**लखनऊ ।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर 11 बजे सुलतानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने लोनिवि निरीक्षण भवन पहुंचकर विश्राम किया। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अमेठी व गौरीगंज में 2014 में चुनावी दौरे के दौरान दर्ज मुकदमे चल रहा है। अरविंद केजरीवाल एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे मुसाफिरखाना व गौरीगंज के मुकदमे में स्वेच्छा से जमानत कराने की अर्जी विशेष जज पीके जयंत को दी थी। सुप्रीम कोर्ट की विशेष अदालत ने सीएम अरविंद केजरीवाल की व्यक्तिगत उपस्थिति पर स्टे दे दिया था।

अब इन्होंने स्वेच्छा से उपस्थित होकर जमानत की अर्जी दी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद अरविंद केजरीवाल एमपी एमएलए कोर्ट गए जहां उनकी पेशी चली। सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत को कोर्ट ने मंजूर कर लिया। इसके बाद जमानतनामा दाखिल करने की प्रक्रिया चली। इसके बाद आरोपों से मुक्त करने को लेकर तकरीबन एक घंटे तक बहस हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के अधिवक्ता इरशाद व ऋषि के बीच बहस चली। कोर्ट ने सीएम का जमानत नामा मंजूर कर लिया वहीं आरोपों से मुक्त होने की अर्जी को खारिज कर दिया। आरोप के आधार पर साक्ष्यों पर सुनवाई अब तीन नवंबर को होगी। वहीं दोपहर तीन बजे करीब अरविंद केजरीवाल अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हाईवे स्थित एक होटल में विश्राम किया। शाम को लगभग 6 बजे करीब सरयू आरती करेंगे। वहीं मंगलवार सुबह वे हनुमानगढ़ी व रामलला का दर्शन पूजन करने जाएंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार को सुबह लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य



स्वागत किया। केजरीवाल सीधे सुलतानपुर के लिए रवाना हो गए हैं। वह यहां वर्ष 2014 के एक मामले में कोर्ट में पेश होंगे। फिर यहीं से सीधे अयोध्या जाएंगे और शाम 6~00 बजे सरयू आरती में शामिल होंगे। मंगलवार को रामलला के दर्शन करेंगे। आप के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह भी मौजूद रहे।

बता दें कि वर्ष 2014 में गौरीगंज व अमेठी में चुनाव के दौरान दर्ज किए गए मुकदमे के संदर्भ में 25 अक्टूबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुलतानपुर आ रहे हैं। वह दीवानी के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होंगे। आठ साल पहले वह सामाजिक संस्था के जरिए लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए आ चुके हैं।

उनके साथ राज्य सभा सदस्य संजय सिंह व आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह भी मौजूद रहेंगे। केजरीवाल के आगमन को लेकर आप कार्यकर्ता उत्साहित हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार सीएम केजरीवाल लखनऊ एयरपोर्ट से सोमवार की सुबह आठ बजे जिले के लिए रवाना होंगे। वह साढ़े दस बजे सिविल कोर्ट में पहुंचेंगे। इस दौरान जनपद की सीमा में जगह-जगह पार्टी के कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। अदालत से वह दोपहर बारह बजे लोनिवि निरीक्षण भवन जाएंगे।

वहां दो घंटे का वक्त गुजारने के बाद दो बजकर दस मिनट पर वह लखनऊ होकर दिल्ली के लिए रवान हो जाएंगे। आप के जिलाध्यक्ष व पूर्व मंत्री संदीप शुक्ला कहते हैं कि सीएम केजरीवाल का पहले अयोध्या जाने का कार्यक्रम था, लेकिन वह अब दिल्ली वापस जाएंगे।

अयोध्या में शाम को सरयू आरती में होंगे शामिल~ आम आदमी पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को रामनगरी आएंगे। वह सोमवार की शाम को सरयू आरती में शामिल होंगे। माना जा रहा है कि वह शाम पांच बजे तक रामनगरी पहुंचेंगे और साधु-संतों से भी मुलाकात करेंगे। केजरीवाल 26 अक्टूबर को रामलला और बजरंगबली का दर्शन करेंगे।

रामनगरी में ही वह मीडिया से भी मुखातिब होंगे। यह जानकारी आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने दी। सिंह रविवार को दिन भर उनके दौरे की तैयारियों में जुटे रहे। उन्होंने साधु-संतों से भी मुलाकात की और तैयारियों को अंतिम रूप दिया। माना जा रहा है कि वह सोमवार की शाम को ही यहां कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे।

## तेजस्वी के जाते ही लालू से मिलने राबड़ी आवास पहुंचे तेज प्रताप, कहा- जगदानंद आरएसएस एजेंट, कार्रवाई कीजिए

**पटना ।** लालू परिवार में हाईवोल्टेज ड्रामा जारी है। अपने अपमान से आहत तेज प्रताप यादव देर रात अपने आवास के बाहर धरना पर बैठ गए थे। उन्होंने भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ भी गुस्सा उतारा। उन्हें मनाने के लिए खुद लालू प्रसाद यादव को आना पड़ा। वे देर रात मां राबड़ी देवी के आवास पर भी बुलाए गए। लालू ने उन्हें देर रात तक समझाया-बुझाया। चुनाव तक शांत रहने की सलाह दी। तेज प्रताप यादव एक बार फिर भाई तेजस्वी यादव के बाहर जाते हीं लालू प्रसाद यादव से मिलने राबड़ी आवास पर पर पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि वहां वे आरजेडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी , प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह एवं तेजस्वी के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जिद पर अड़े हुए हैं। कहा कि जबतक जगदानंद सिंह आरएसएस के एजेंट हैं, उनको पार्टी से निकाले जाने तक राष्ट्रीय जनता दल से कोई मतलब नहीं है। वे बहुत बड़ा कदम उठाने वाले हैं।

बीती शाम लालू प्रसाद यादव दिल्ली से पटना पहुंचे। तेज प्रताप यादव उनकी अगुवानी में पटना एयरपोर्ट पर पहुंचे, लेकिन आरजेडी नेताओं ने वहां उन्हें खास तवज्जो नहीं दी। उनकी मानें तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा राबड़ी आवास में भी एंट्री नहीं दी गई। इससे नाराज तेज प्रताप देर रात अपने आवास के सामने धरना पर बैठ गए। फिर लालू को खुद उन्हें मनाने आना पड़ा।

तेज प्रताप रात में राबड़ी आवास पहुंचे तो लालू परिवार से उनकी देर रात तक बातचीत हुई। परिवार उन्हें मनाने की कोशिशें करता रहा, लेकिन वे नहीं माने। वे जगदानंद सिंह, शिवानंद तिवारी तथा तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। तेज प्रताप यादव ने लालू को पार्टी के संबंध में और भी कई जानकारी दी। तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि एयरपोर्ट पर उन्हें जगदानंद सिंह ने ठेलने का काम किया। वे आरएसएस के एजेंट हैं। जब तक जगदानंद सिंह को पार्टी से निकाला नहीं जाता, उन्हें आरजेडी से कोई मतलब नहीं है। तेज प्रताप ने इशारों में यह भी कहा कि आगे वे बहुत बड़ा कदम उठाने वाले हैं।

सोमवार की दोपहर जैसे हीं तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार के सिलसिले में घर से बाहर निकले, तेज प्रताप फिर पहुंचे हैं। उनकी लालू प्रसाद यादव सहित परिवार के अन्य लोगों से बातचीत हो रही है। वे अपनी जिद पर अड़े बताए जा रहे हैं। तेज प्रताप ने कहा है कि जगदानंद सिंह, शिवनंद तिवारी, सुनील सिंह एवं संजय यादव के खिलाफ कार्रवाई होने तक उनका पार्टी व परिवार से कोई नाता नहीं है।

**परिवार में दिख रहे दो ध्रुव, अकेले पड़े तेज प्रताप-** लालू परिवार में इस मसले पर दो ध्रुव साफ दिख रहे हैं। तेज प्रताप जिस जगदानंद सिंह के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, तेजस्वी यादव उनके साथ हैं। अब तेज प्रताप की बहन रोहिणी आचार्य ने भी जगदानंद सिंह के समर्थन में अपने ट्वीट में उन्हें लालू प्रसाद यादव के सुख-दूख का साथ बताया है। तेजस्वी उस संजय यादव को अपना राजनीतिक सलाहकार बनाए हुए हैं, जिसे तेज प्रताप देखना नहीं चाहते। जदगानंद सिंह एवं शिवानंद तिवारी ने तेज प्रताप के खिलाफ खुलकर बयान दिए हैं, लेकिन परिवार ने उनपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। स्पष्ट है, तेज प्रताप परिवार में अकेले पड़ गए दिख रहे हैं।

## बिहार में लालू प्रसाद यादव को लेकर बड़ी खबर, बुधवार को तारापुर व कुशेश्वरस्थान में करेंगे चुनावी सभाएं

**पटना।** बिहार विधानसभा उपचुनाव को लेकर यह बड़ी खबर है। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बुधवार को तारापुर व कुशेश्वरस्थान में चुनावी सभाएं करेंगे। लालू प्रसाद यादव रविवार की शाम दिल्ली से पटना पहुंचे। बिहार आने के पहले दिल्ली में हीं उन्होंने उपचुनाव में प्रचार करने का संकेत दिया था। विदित हो तारापुर व कुशेश्वरस्थान की दोनों सीटों पर आरजेडी द्वारा अपने प्रत्याशी उतारने के कारण कांग्रेस ने भी दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारते हुए महागठबंधन छोड़ दिया है। ऐसे में लालू अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के जनता दल यूनाइटेड प्रत्याशियों के साथ-साथ कांग्रेस के प्रत्याशियों के खिलाफ भी चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे।

आरजेडी सूत्रों के अनुसार लालू प्रसाद यादव अगले बुधवार को तारापुर व कुशेष्वरस्थान विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं करेंगे। विधानसभा उपचुनाव को लेकर लालू के बिहार आने की चर्चा लंबे समय से हो रही थी। बीच में राबड़ी देवी ने लालू के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इसकी संभावना से इनकार कर दिया था। लेकिन रविवार को उनके पटना आने के साथ इसपर छाए सस्पेंस से पर्दा उठ गया। खुद लालू ने भी पटना आने के पहले दिल्ली में कहा था कि वे उपचुनाव में जनसभाएं कर सकते हैं।

**आते हीं राजनीति गरमा दी बिहार की राजनीति-** लालू लंबे समय बाद बिहार में हैं। लंबे समय बाद उनकी चुनावी जनसभाएं भी हो रहीं हैं। लालू अभी बीमार हैं। ऐसे में अपने ठेठ अंदेाज में विरोधियों पर हमलावर होते रहे लालू का पुराना अंदाज कितना दिखता है, इसपर सबों की नजरें टिकीं हैं। हालांकि, आने के साथ हीं कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास को भकचोन्हर (स्थानीय भाषा में बेवकूफ) कहकर राजनीति गरमा दी है।

**जेडीयू के साथ-साथ कांग्रेस पर भी रहेंगे हमलावर-** बिहार विधानसभा उपचुनाव की तारापुर व कुशेश्वरस्थान की सीटों में से कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस का दावा था, जिसे दरकिनार कर आरजेड ने दोनों जगह अपने प्रत्याशी दे दिए। इसके कांग्रेस और आरजेडी के संबंध लगातार खराब होते गए। अंतत~ कांग्रेस ने महागठबंधन छोड़ दिया। अब कांग्रेस भी दोनों सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

## रविंद्र पुरी बने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष, देश भर के संतों की नजर फैसले पर थी

**प्रयागराज।** संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के इतिहास में सोमवार को यहां नया अध्याय जुड़ गया। रविंद्र पुरी को अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष चुन लिया गया। महंत नरेंद्र गिरि के ब्रह्मलीन होने के बाद जहां यह संस्था दो फाड़ हो चुकी है। वहीं अखाड़ों में अंदरूनी वैमनस्यता भी उभरी है। संगमनगरी में होने वाली बैठक में संख्या बल यह साफ कर दिया कि कौन धड़ा ताकतवर है देश भर के संतों की नजर संगमनगरी में होने वाले फैसले पर टिकी रही।

अखाड़ा परिषद की बैठक शुरू हो चुकी है। इसमें सिर्फ अध्यक्ष पद का चुनाव होगा। नरेंद्र गिरि श्रीनिरंजनी अखाड़ा के सचिव थे, परंपरा के अनुसार जिस अखाड़े के महात्मा पद में रहते हुए ब्रह्मलीन होते हैं, उसी अखाड़े का दूसरा महात्मा उसी पद पर आसीन होता है। ऐसी स्थिति में श्रीनिरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी के अध्यक्ष बनने की प्रबल संभावना है। कार्यकारिणी के बाकी सदस्यों का चयन करने के लिए तीन महीने बाद पुनः अखाड़ा परिषद की बैठक बुलाई जाएगी।

अखाड़ा परिषद महामंत्री महंत हरि गिरि ने 25 अक्टूबर को दारागंज स्थित श्रीनिरंजनी अखाड़ा आश्रम में बैठक बुलाई थी। इससे पहले 21 अक्टूबर को हरिद्वार के कनखल स्थित श्रीमहानिर्वाणी अखाड़ा परिसर में महानिर्वाणी तथा अटल, निर्मोही अनी, निर्वाणी अनी, दिगंबर अनी, बड़ा अखाड़ा उदासीन व निर्मल अखाड़ा ने नई कार्यकारिणी गठित कर ली। महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी अध्यक्ष व निर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्र दास महामंत्री चुने गए। दूसरे गुट ने इसे मान्यता देने से इन्कार करते हुए नई कार्यकारिणी बनाने की घोषणा की है, जिसके साथ अखाड़ों की संख्या अधिक होगी, उसका बहुमत माना जाएगा।

अखाड़ों में बिखराव भी है। इसकी शुरुआत निर्मल अखाड़ा से हुई है। रेशम सिंह ने कोर्ट के आदेश का हवाला देकर खुद को निर्मल अखाड़ा का अध्यक्ष बताते हुए सोमवार की बैठक में शामिल होने की घोषणा की है। कहा जा रहा है कि बड़ा उदासीन सहित वैष्णव संप्रदाय के अखाड़ों के नाराज महात्मा महंत हरि गिरि को समर्थन दे रहे हैं। आने में असमर्थ कुछ महात्माओं ने लिखित रूप से समर्थन पत्र भेजा है।

**अखाड़ा परिषद में कुल 26 सदस्य-** कुल 13 अखाड़ों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के लिए 1954 में गठित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद में हर अखाड़े से दो-दो सदस्य अर्थात कुल 26 सदस्य होते हैं। हर अखाड़ा अपने सचिव व श्रीमहंत को परिषद के लिए नामित करता है। चुनाव हाथ उठवाकर करवाया जाता है, जिसके पक्ष में ज्यादा हाथ उठते हैं, वह मनोनीत हो जाता है।

वर्ष 2014 में अखाड़ा परिषद में 28 सदस्य हो गए थे। अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि व महासचिव महंत हरि गिरि अतिरिक्त सदस्य थे, क्योंकि उनके अखाड़े से दो-दो सदस्य पहले से नामित थे, लेकिन परिषद का महत्वपूर्ण पद होने के कारण उनको लेकर कोई आपत्ति नहीं थी।

## चाचा पशुपति पारस ने भतीजे चिराग पासवान को बताया वोटकटवा, बोले- झोपड़ी से निकलकर हेलिकॉप्टर में चले गए

**तारापुर (मुंगेर)।** तारापुर उपचुनाव~ गाजीपुर में एनडीए प्रत्याशी के लिए सीएम नीतीश कुमार प्रचार प्रसार करने पहुंचे। इस दौरान मंच पर केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने भतीजे चिराग पासवान के फैसले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मैंने भतीजे के समझाया था कि तुम एनडीए से सांसद बने हो, एनडीए का हिस्सा हो। लेकिन वो बिहारी कल्चर में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि झोपड़ी से उड़कर वे हेलिकॉप्टर में चले गए। वोटकटवा से सावधान रहिए। एनडीए प्रत्याशी को वोट करिए। अपने संबोधन में पशुपति पारस ने सीएम नीतीश कुमार की तारीफ में कहा कि वे दलित, शोषित, वंचित और हर वर्ग के नेता हैं। मुख्यमंत्री ने दलित-महादलित के बीच की दूरी को एक किया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री एक साथ मिलकर बिहार को विकास पथ पर ले जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पति-पत्नी की सरकार घोटालों की सरकार रही है। हमारा पांडव है। पांच पार्टी की पार्टी है। उन्होंने कहा कि मैंने रामविलास पासवान की सेवा तन्मय से की है। मेरा परिवार उदाहरण था। दुख है बड़े भैया के निधन के बाद भतीजे से कहा एनडीए के पार्ट हैं। एनडीए से ही सांसद बने हो। 2020 में साथ मे चुनाव लड़ने को कहा था। इसी बात का मतभेद भतीजे से हुआ। लेकिन, वह नहीं सुना, अकेले चुनाव लड़ गया। हर जगह से प्रत्याशी खड़ा कर दिया। मुख्यमंत्री के विरोध में गलत बयानबाजी की। अच्छा नहीं लगा। चुनाव के बाद लगा कि पार्टी अब टूट जाएगी। चिराग बिहारी कल्चर का नहीं है। दलित का आरक्षण समाप्त करने की वकालत चिराग ने किया। फिर निर्णय लेकर पांच सांसद के साथ अलग हो गए।

केंद्रीय मंत्री के संबोधन के दौरान सीएम नीतीश कुमार, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, बिहार के शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत कई मंत्री विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। गौरतलब हो कि पशुपति पारस यहां एनडीए प्रत्याशी के लिए कैंपेन करने पहुंचे हैं।

## उत्तर प्रदेश को लेकर कांग्रेस की बड़ी घोषणा, किसी भी बीमारी का दस लाख तक का मुफ्त इलाज

**लखनऊ, (एजेंसी)।**

उत्तर प्रदेश में अपनी जड़ें फिर से मजबूत करने के लिए 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का बेहद मजबूती से उतरने का इरादा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोर्चा संभालते ही कांग्रेस की प्रतिज्ञा तय कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को पार्टी ने उत्तर प्रदेश में दल लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त में कराने की घोषणा की है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को नई प्रतिज्ञा को ट्वीट किया है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को ट्वीट किया है कि कोरोना काल में और अभी प्रदेश में फैले बुखार में सरकारी उपेक्षा के चलते उप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत सबने देखी। सस्ते व अच्छे इलाज के लिए घोषणापत्र समिति की सहमति से यूपी कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर कोई भी हो बीमारी मुफ्त होगा 10 लाख तक इलाज सरकारी।

प्रदेश के तीन जिलों से 23 अकटूबर को कांग्रेस से प्रतिज्ञा यात्रा को रवाना किया है। यह यात्राएं एक नवंबर को समाप्त होंगी। इसके बाद यात्रा का चरण दीपावली के बाद से शुरू होगा।

# जीत ही होगी नंदू भैया को सच्ची श्रद्धांजलि

## तोमर ने किया बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को संबोधित

**जबलपुर,(एजेंसी)।** संबल योजना बंद कर गरीब की लाश से कफन खींचने का काम कमलनाथ सरकार ने किया और इसी का परिणाम भी भोगा। कांग्रेस की सरकार अपने ही बोझ से चरमरा गई और भाजपा की सरकार बन गई। अब राज्य और केंद्र दोनों जगह हमारी सरकारें हैं, जो जनहित के काम कर रही हैं। यह बात केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने खंडवा लोकसभा के बुरहानपुर तथा नेपानगर में आयोजित में बूथ कार्यकर्ता एवं अध्यक्षों के सम्मेलन में कही।

श्री तोमर ने कहा कि कार्यकर्ता लगातार पांच साल तक परिश्रम करता है और जब चुनाव आता है, तो वह उत्सवी माहौल में विजय के लिए लड़ता है। पिछली बार 2019 में चुनाव हुआ था तो हमने

नंदु भैया को पांच साल के लिए चुना था। उस चुनाव में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि नंदू भैया की स्मृति में हो रहे इस चुनाव में हमें जीत दर्ज कराकर नंदु भैया को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। श्री तोमर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और अन्य दलों में बड़ा फर्क है। यह अंतर तब भी दिखाई देता है जब हम सरकार में हों और उस समय भी दिखता है जब चुनाव हो रहा हो। उन्होंने कहा कि हर चुनाव एक पड़ाव है और मंजिल तक पहुंचने के लिए पड़ाव पार करना जरूरी होता है। हमें भी उपचुनाव का यह पड़ाव पार करना है। श्री तोमर ने कहा भाजपा ने एक कार्यकर्ता को टिकट दिया है। युवा मोर्चा के समय से वह काम कर रहे हैं। इस चुनाव में सिर्फ ज्ञानेश्वर पाटिल उम्मीदवार नहीं हैं, बल्कि यहां बैठे सभी लोग उम्मीदवार हैं। परिणाम हमारे पक्ष में ही आएगा और ज्ञानेश्वर पाटिल ही सांसद बनेंगे। फिर से खंडवा बुरहानपुर में कमल का फूल खिलेगा, भाजपा का झंडा फहराएगा।

**खेती में अब हरियाणा, पंजाब नहीं, मध्यप्रदेश है नंबर वन:** श्री तोमर ने कहा कि 2003 से पहले मप्र में कांग्रेस की सरकार थी। लोग कहते थे कि खेती देखना है तो हरियाणा और पंजाब जाओ, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार, केंद्र सरकार की नीतियों और किसानों की मेहनत के कारण मध्यप्रदेश नंबर वन राज्य बन चुका है।

### तोमर आज मांधाता एवं खंडवा में करेंगे प्रचार

**भोपाल।** केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मंगलवार, 26 अक्टूबर को मांधाता एवं खंडवा में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। श्री तोमर 26 को दोपहर 12 बजे मांधाता विधानसभा के मोहना, दोपहर 1.30 बजे खंडवा विधानसभा के अटूट भिकारी एवं दोपहर तीन बजे पीपलकोटा में सभा को संबोधित करेंगे।

### गृहमंत्री डॉ. मिश्रा रैगांव पृथ्वीपुर में लेंगे सभा

**भोपाल ।** गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा मंगलवार को रैगांव एवं पृथ्वीपुर में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। वे सुबह 11.30 बजे रैगांव के सोहावल मंडल के करही कोठार, दोपहर 12.45 बजे कोठी मंडल के स्नेही एवं दोपहर 2.45 बजे पृथ्वीपुर विधानसभा के मोहनगढ़ में सभा को संबोधित करेंगे।

### वीडी शर्मा जोबट और पंधाना में करेंगे प्रचार

**भोपाल ।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा 26 अक्टूबर को जोबट एवं पंधाना में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। श्री शर्मा प्रातः 11.30 बजे पंधाना में प्रबुद्धजन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भोजन करेंगे। दोपहर 12.30 बजे पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। दोपहर 1.15 बजे पंधाना नगर में युवा सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

# कांग्रेस को सब नेता छोड़ रहे और भाजपा से जुड़ रहे

## सिंधिया बोले, जब मैं सड़क पर उतरा तो कमलनाथ को भी सड़क पर ला दिया

**भोपाल (एजेंसी)।** कांग्रेस के हाल सबको पता है, इसलिए उसे छोड़कर सब बाहर हो रहे हैं और राष्ट्रीय विचारों वाली पार्टी, देशहित वाली पार्टी भाजपा से जुड़ रहे हैं। जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी और मुख्यमंत्री कमलनाथ जनता के हितों के लिए कुछ नहीं कर रहे थे तो मैंने भी कहा था कि मुझे सड़क पर उतरना पड़ेगा। उन्होंने कहा था कि उतर जाओ सड़क पर और मैं सड़क पर उतरा तो कमलनाथ को भी सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया सोमवार को खंडवा लोकसभा उपचुनाव में प्रचार के दौरान खंडवा नगर में भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि जब-जब प्रदेश की जनता के साथ वादाखिलाफी हुई, तब-तब

सिंधिया परिवार सड़क पर उतरा। वर्ष 1968 में जब मध्यप्रदेश में डीपी मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी। उस समय भी इनकी वादाखिलाफी के विरुद्ध मेरी दादी ने बीड़ा उठाया था। उस वक्त मध्यप्रदेश में डीपी मिश्रा सरकार को धूल चटाने का काम मेरी दादी ने किया था। जो भी प्रदेश और प्रदेश की जनता के साथ वादाखिलाफी करेगा उसके लिए सिंधिया परिवार झंडा और डंडा लेकर जमीन पर उतरकर लड़ाई करेगा, संघर्ष करेगा।

### नंदू भैया के साथ हमारी तीन पीढ़ी ने काम किया

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज हमारे बीच में नंदू भैया नहीं हैं। वो हाथ सिर्फहर्षवर्धन के सिर नहीं उठा, बल्कि पूरा मध्यप्रदेश के सिर से उठ गया। नंदू भैया के साथ हमारी तीन पीढ़ियों ने काम किया। मेरी दादी और मेरे पिताजी के साथ नंदू भैया ने काम किया और आज मुझे भी यह सौभाग्य मिला कि मैंने उनके साथ काम किया। उन्होंने कहा कि नंदूभैया हमेशा सेवाभाव में लगे रहे थे। उन्होंने केवल विकास, प्रगति और गरीबों, महिलाओं के उत्थान की ही बात की है। आज यह रिक्तता केवल हर्षवर्धन के लिए नहीं है, केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए नहीं है, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए आज यह रिक्तता है। नंदू भैया निमाड़ की नैया थे।

## अंबुआ में मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ने जनसभा को किया संबोधित

# सिर्फ भाजपा ही कर सकती है विकास

**भोपाल (एजेंसी)।** प्रदेश में 15 महीनों तक कांग्रेस की सरकार रही। उस सरकार ने जनहित की योजनाएं बंद कर दी, वल्लभ भवन को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। उस सरकार ने तब गरीबों, किसानों, आदिवासी भाइयों के लिए कुछ नहीं किया, तो कांग्रेस के लोग अब क्या करेंगे, विकास के काम सिर्फभारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जोबट विधानसभा के अंबुआ में पार्टी प्रत्याशी सुलोचना रावत के समर्थन में आयोजित सभा में कही।

### देश के सबसे बड़े जयचंद हैं दिग्विजय सिंह : शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि एक तरफइस देश, प्रदेश की माटी का लाल देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर रहा है। दूसरी तरफदिग्विजय सिंह और कांग्रेस के नेता उन आतंकवादियों का समर्थन करते हैं, जिनके कारण हमारे लाल शहीद हो रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह तो हमारे देश के सबसे बड़े जयचंद हैं, जो सर्जिकल स्ट्राइक का भी सबूत मांगते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कमलनाथ ने देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया। इन्होंने अपने बेटे के साथ मिलकर अरबों रुपए का हैलीकाप्टर घोटाला किया। इन्होंने वल्लभ भवन को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर रखा। श्री शर्मा ने कहा कि कमलनाथ को प्रदेश की जनता के सामने 15 माह की सरकार का हिसाब रखना चाहिए।

### पहले अपना दिमाग विकसित करे कांग्रेस: सिंधिया

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस विकास की बात करती है, लेकिन इससे पहले वह अपने दिमाग को विकसित करे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के दिमाग तो दूध की तरह साफ सुधरे होते हैं, लेकिन इनके दिल बड़े काले होते हैं। ऐसे लोग न तो महिलाओं की इज्जत करना जानते हैं और न ही उन्हें सम्मान देते हैं। ऐसे काले दिल वाले हमारी नेता इमरती देवी को आइटम कहते हैं, हेमा मालिनी जी को डायन कहते हैं। सिंधिया ने कहा, आदिवासी समाज ने सदैव सत्य का साथ दिया है। लेकिन कांग्रेस की सरकार ने असत्य के रास्ते पर चलकर गरीबों को लाचार किया है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भ्रष्टाचार का नया कीर्तिमान बनाया था, उन्हें दरवाजा दिखाने का समय आ चुका है।

### जो दबंगई करेगा वो जेल जाएगा : सीएम

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस इस क्षेत्र के लिए कुछ नहीं कर सकती। जब इनकी सरकार थी, तब ये कुछ नहीं कर पाए तो अब क्या करेंगे। काम तो भाजपा की सरकार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मामा शिवराज करेंगे। इस क्षेत्र का विकास मेरे मंत्री और भाजपा करेगी। इसलिए कांग्रेस के चक्क र में मत आना और कमल के फूल का बटन दबाकर बहन सुलोचना रावत को विजयी बनाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव आपकी जिन्दगी बदलने और खुशहाली लाने का चुनाव है। मैं आदिवासी भाइयों की सुरक्षा की गारंटी, सम्मान की गारंटी देता हूं। उन्होंने कहा कि आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है, जो दबंगई करेगा वो जेल जाएगा।

# जन-भागीदारी से मिलते हैं अद्भुत परिणाम: सीएम

## दिसंबर तक सभी को दूसरा डोज लगाने का लक्ष्य

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसी भी अभियान में जब सभी नागरिक शामिल होकर प्रयास करते हैं तो परिणाम अद्भुत होते हैं। प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन में हुई जन-भागीदारी से अब तक 4 करोड़ 97 लाख 87 हजार 412 नागरिकों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज और एक करोड़ 91 लाख 42 हजार 331 नागरिकों को वैक्सीन की दूसरी डोज लग चुकी है।

सभी के मिले-जुले प्रयासों ने कोरोना की तीसरी लहर को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए वैक्सीन की दूसरी डोज भी शत-प्रतिशत नागरिकों को लगाए जाने का क्रम जारी है। दिसंबर 2021 तक प्रदेश के सभी लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का लक्ष्य रखा है। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे प्रदेशवासियों को जल्द ही कोरोना से बचाव का सुरक्षित कवच प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन की दूसरी डोज नहीं लगवाई है, प्राथमिकता और जिम्मेदारी से वैक्सीन लगवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से हम सभी को सावधान रहने की जरूरत है।

### अब तक 6.89 करोड़ से अधिक डोज लगाए

प्रदेश में 25 अक्टूबर तक 6 करोड़ 89 लाख 29 हजार 743 कोरोना वैक्सीन के डोज लगाए जा चुके हैं। इनमें से 4 करोड़ 97 लाख 87 हजार 412 को प्रथम डोज और एक करोड़ 91 लाख 42 हजार 331 नागरिकों को वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाई जा चुकी है।

# ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण दिलाकर रहेंगे

**भोपाल (एजेंसी)।** ओबीसी आरक्षण को लेकर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह बहुत अच्छा है कि स्वयं माननीय चीफ जस्टिस ओबीसी आरक्षण मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश सरकार ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए पूरी मजबूती के साथ अदालत में पक्ष रखा है। मुझे विश्वास है कि अदालत का निर्णय हमारे पक्ष में ही आएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए संकल्पित है। इसके लिए हम सफलता मिलने तक लड़ेंगे और ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाकर रहेंगे। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोर्ट द्वारा तीन मामलों में लगाई गई रोक के अतिरिक्त शेष सभी जगह ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय पहले ही ले लिया है।

### दिग्विजय सिंह ने एक ही तीर से साधा कमलनाथ व अरुण यादव पर निशाना

**भोपाल ।** दिग्विजय सिंह ने खंडवा में एक तीर से कमलनाथ और अरुण यादव पर निशाना साधा है। यह बात प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री और भाजपा उपचुनाव प्रबंध समिति के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सिंह ने मीडिया से चर्चा के दौरान कही। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि दिग्विजय सिंह नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी में कोई भी उनके वर्चस्व को चुनौती देने की स्थिति में आए। इसलिए वे हर उस व्यक्ति को नीचे गिराने का प्रयास करते हैं, जो उनकी बराबरी पर आने की कोशिश कर रहा हो। खंडवा उपचुनाव में भी उन्होंने ऐसा ही किया है। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरीके से खंडवा लोकसभा उपचुनाव में अरुण यादव का टिकट काटा है, उसके बाद से खंडवा सीट पर कांग्रेस के अंदर भारी असंतोष है। यहां दिग्विजय सिंह ने अपनी पसंद के व्यक्ति को टिकट दिलाया है। ऐसा करके उन्होंने अरुण यादव को तो किनारे कर ही दिया है, उन्होंने कमलनाथ को भी पूरी तरह समाप्त करने की प्लानिंग कर ली है। उन्होंने जानबूझकर ऐसे व्यक्ति को टिकट दिलाया है, जो कभी जीत ही नहीं सकता। उसकी हार का ठीकरा कमलनाथ के सिर तो फूटना ही है। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में व्याप्त असंतोष जहां पहले से कमजोर कांग्रेस को और कमजोर करेगा, वहीं भाजपा की जीत का अंतर भी बढ़ाएगा।

# यह उपचुनाव हो रहे धोखा और सच्चाई के बीच : कमलनाथ

**भोपाल (एजेंसी)।** पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोमवार को जोबट से कांग्रेस प्रत्याशी महेश पटेल के समर्थन में क्षेत्र के भाभरा और उदयगढ़ में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इन उप चुनावों को धोखा और सच्चाई के बीच का बताते हुए कहा कि जनता भाजपा के धनबल के दुरुपयोग का करारा जवाब देगी।

सभा में कमलनाथ ने स्व कलावती भूरिया के याद करते हुए कहा कि वे हमेशा मुझसे क्षेत्र के विकास को लेकर लड़ती थीं। यहां की सड़कों, स्कूलों के उन्नयन को लेकर उनका एक सपना था। कमलनाथ ने इस दौरान अपनी 15 माह की सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनकी सरकार ने किसान, युवा सहित हर वर्ग का ध्यान रखकर काम किया, किसान कर्ज माफी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने 31,000

किसानों का कर्जा माफ अलीराजपुर में किया था। हमने कहा था हर किसान चाहे वो डिफॉल्टर हो या चालू खाता वाला हो, हम सभी का कर्जा माफ करेंगे। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा आज यह चुनाव प्रशासन के दबाव और धनबल से जीतना चाहती है। यह सोचते हैं कि यह सभी को ख़रीद सकते हैं। यह चुनाव एक संदेश के रूप में होंगे। आज महंगाई चरम पर है। पेट्रोल-डीजल का आज क्या भाव है, पिछले सात सालों में इनके दाम आज कहां पहुंच गए हैं। हमें इन चुनावों से मोदी जी और शिवराज सिंह के कानों में घंटी बजानी है, तभी यह नींद से जागेंगे। उन्होंने कहा कि कलावती जी का सपना था, वह कमलनाथ का सपना है, वह कांग्रेस का सपना है, उसे हमें श्रद्धांजलि के रूप में हर हाल में पूरा करना है। आपको सच्चाई का साथ देना है। आप 30 तारीख को जो बटन दबाएंगे वो जोबट के भविष्य का बटन होगा। इस अवसर पर सभा में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, बाला बच्चन, विजयलक्ष्मी साधोसहित अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

# अधिकारी गांवों का नियमित भ्रमण करें

**भोपाल, (एजेंसी)।** प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने हरदा जिले के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों का सतत भ्रमण करने के निर्देश दिए। श्री पटेल सोमवार को हरदा सर्किट हाऊस में जिले में संचालित ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामकुमार शर्मा और उपायुक्त विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल श्रीमती सुधा भार्गव मौजूद थीं।

### कृषि मंत्री पटेल ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मंत्री श्री पटेल ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों का सततभ्रमण कर संचालित लोक-कल्याणकारी योजनाओं की मॉनीटरिंग भी करें। उन्होंने जिले में संचालित आपकी समस्या का हल-आपके घर अभियान की समीक्षा की। मंत्री श्री पटेल ने निर्देशित किया कि लोगों को पात्रतानुसार लाभ हर हाल में समय पर दिलाया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के मजदूरों की मोबाइल एप से उपस्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समय पर भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने गांव में जल संरक्षण के लिए पूर्व में निर्मित की गई संरचनाओं के जीर्णोद्धार करने के निर्देश भी दिए। श्री पटेल ने कहा कि मरम्मत के उपरांत इन जल संरचनाओं में सिंघाड़ा उत्पादन और मछली पालन जैसी आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को प्रारंभ करवाया जाए।

# कांग्रेस का प्रचार कर रहे सरकारी अधिकारी

**भोपाल (एजेंसी)।** उपचुनाव वाले जोबट एवं पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्रों में सरकारी अफसरों तथा एक अपराधी द्वारा कांग्रेस के समर्थन में प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने की शिकायत भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की है। पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचा और लिखित शिकायत प्रस्तुत कर दोनों मामलों में कठोर कार्रवाई की मांग की।

### भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत

पार्टी द्वारा की गई शिकायत में कहा गया है कि जोबट विधानसभा क्षेत्र में दो सरकारी अधिकारी नीमच में पदस्थ एडिशनल एसपी सुंदरसिंह कनेश तथा धार के एसडीओ कृषि दिलीप मौर्य सिविल सेवा आचरण नियमों तथा चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए जोबट क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी महेश पटेल का प्रचार कर रहे हैं। पार्टी द्वारा दोनों अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर भोपाल अटैच करने की मांग की गई है। वही दूसरी शिकायत में पृथ्वीपुर में कांग्रेस उम्मीदवार नितेंद्र सिंह के जिला बदर चाचा यशपाल सिंह द्वारा मतदाताओं को डराया-धमकाया जा रहा है। पार्टी द्वारा मांग की गई है कि यशपाल सिंह के मामले में आईबी और केंद्रीय गृह मंत्रालय से रिपोर्ट मंगाई जाए और उसकी तत्काल गिरफ्तारी के आदेश दिए जाए।

### कांग्रेस ने की टीआई को हटाने की मांग

**भोपाल ।** मप्र कांग्रेस के महामंत्री एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी शिशुपाल सिंह यादव के पक्ष में एक थाना प्रभारी द्वारा काम किए जाने की शिकायत करते हुए उसे तत्काल वहां से हटाने की मांग की है। धनोपिया ने चुनाव आयोग को शिकायत करते हुए कहा है कि उक्त थाना प्रभारी भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है तथा क्षेत्र में आतंक का वातावरण बना रहा है। धनोपिया ने चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए कहा कि पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए ताकि चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न हो सकें।

# जनसंवाद कर समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं गौतम

**भोपाल (एजेंसी)।** विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम की सात दिवसीय जनसंपर्क साइकिल यात्रा के दूसरे दिन झलवार, तमरी, रजिगवां, गौरी, खैर, कनकेसरा, पिपराही-बड़ी हर्दी मोड़ एवं फरहदा के ग्रामवासियों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। गौतम पहले दिन की साइकिल यात्रा विश्राम स्थल रमपुरवा से दूसरे दिन सोमवार, 25 अक्टूबर को प्रातः रवाना होकर देर शाम फ रहदा पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणजनों से संवाद कर रात्रि विश्राम किया।

### विधानसभा अध्यक्ष की साइकिल यात्रा का ग्रामवासियों ने किया अभूतपूर्व स्वागत

विधानसभा अध्यक्ष अपनी सात दिवसीय साइकिल यात्रा के दौरान लोगों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं से भी अवगत हो रहे हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के सभी कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। साइकिल यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थलों में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए गौतम ने कहा कि आमजनता से जीवंत संपर्क करने तथा समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से साइकिल यात्रा की जा रही है। आमजनता की कठिनाइयों को दूर करने तथा विकास का लाभ दिलाने के लिये मैं कृत संकल्पित हूं।

गौतम ने कहा कि शासन स्तर से हितग्राहीमूलक व जनोपयोगी विकास के कार्य कराकर देवतालाब विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा बनाया जाएगा और यह विधानसभा प्रदेश का नंबर एक विधानसभा क्षेत्र होगा। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राहुल गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में देवतालाब विधानसभा क्षेत्र अग्रणी बनेगा तथा इसका देश व प्रदेश में उच्चतम स्थान होगा। कार्यक्रम को शिवपूजन शुक्ल एवं सुरेंद्र सिंह चंदेल ने भी संबोधित किया।

## कर्ज के लिए पहले ही तय की 6.85 ब्याज की सीमा

# सरकार दीपावली से पहले लेगी दो हजार करोड़ का कर्ज

**भोपाल (एजेंसी)।** राज्य सरकार दीपावली पर्व से ठीक पहले एक बार फिर दो हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है।

इस कर्ज के लिए पहले ही ब्याज की सीमा 6.85 फीसदी तय कर दी गई है। मंगलवार, 26 अक्टूबर को कर्ज देने के लिए तैयार वित्तीय संस्थाएं ऑक्शन में हिस्सा लेंगी। यह ऑक्शन 27 अक्टूबर को ओपन होगा। दरअसल त्यौहारी सीजन में राज्य सरकार पर खर्च का दबाव बढ़ गया है। हाल ही में राज्य सरकार ने प्रदेश के शासकीय सेवकों को एक साथ आठ फीसदी डीए देने की घोषणा की है। इसी के साथ उनको रुके हुए इंक्रीमेंट का भी भुगतान होगा। राज्य सरकार को इस मद में खर्च के लिए बड़ी राशि की जरूरत पड़ रही है। लिहाजा समय से पहले राशि का इंतजाम करने के लिए वेतन भुगतान के एक माह पहले ही अतिरिक्त राशि का इंतजाम किया जा रहा है, जिससे कि न तो शासकीय सेवकों को वेतन सहित अन्य स्वत्वों के भुगतान में किसी तरह की परेशानी हो और न ही प्रदेश में विकास कार्यों में किसी तरह की पैसों की तंगी हो।

### 10 वर्ष की अवधि के लिए लिया जाएगा

वित्त विभाग कर्ज के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से ऑक्शन कराने जा रही है। निवेशक, बैंक या अन्य वित्तीय संस्थाएं मंगलवार को ही हिस्सा ले सकेंगे। जो निवेशक सबसे कम ब्याज दर पर मप्र सरकार को कर्ज देने के लिए तैयार होंगे, उनसे ही कर्ज लिया जाएगा। यह कर्ज 10 वर्ष की अवधि के लिए लिया जा रहा है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में केवल एक अवसर को छोड़कर बाकी सभी कर्ज 10 वर्ष की अवधि के लिए ही लिया गया है।

### मौजूदा वित्तीय वर्ष में कर्ज बढ़कर अब होगा 10 हजार करोड़

मौजूदा वित्तीय वर्ष 2021-22 की अवधि के दौरान राज्य सरकार पांचवी बार कर्ज लेने जा रही है। इस वित्तीय वर्ष में यह नया ट्रेंड बना है कि जब भी कर्ज लिया जा रहा है, वह पांच वर्ष की अवधि के लिए ही लिया जा रहा है। अब तब चार बार कर्ज लिया गया है, वह भी दो हजार करोड़ रुपए का ही था। नए कर्ज को मिलाकर मौजूदा वित्तीय वर्ष में बाजार से लिए गए कर्ज की राशि बढ़कर 10 हजार करोड़ रुपए हो जाएगी।

### विकास कार्यों के नाम पर ली जाएगी राशि

राज्य सरकार ने बाजार से कर्ज लेने के लिए जो जरूरत भारतीय रिजर्व बैंक को बताई है, उसके मुताबिक राज्य सरकार को इस राशि की जरूरत विकास कार्यों के साथ ही अधूरे निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए पड़ रही है। सामान्य तौर पर कर्ज के लिए राज्य सरकार आरबीआई के सामने यही वजह बताती है। भले ही उस राशि का किसी अन्य मद में इस्तेमाल कर लिया जाए।

### पहले से ही दो लाख 53 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज

वित्त विभाग ने नए कर्ज के लिए राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति का जिक्र किया है, उसके मुताबिक 31 मार्च 2021 की अवधि तक मप्र पर दो लाख 53 हजार 335 करोड़ 60 लाख रुपए का कर्ज था। राज्य सरकार मौजूदा वित्तीय वर्ष में लगभग 45 हजार करोड़ रुपए का कर्ज बाजार से ले सकती है। फिलहाल मौजूदा वित्तीय वर्ष के शुरू के सात माह में कुल कर्ज 10 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

# मेरे व्यक्तित्व को आकार देने में एथलीट होने की जबरदस्त भूमिका थी -दीपिका

दीपिका पादुकोण ने तीन स्ट्रिप वाले परिवार के साथ अपने हालिया जुड़ाव की दुनिया के सामने गर्व के साथ घोषणा की है। वह खुशी से महसूस करती है कि यह गठबंधन उन्हें एथलीट और फिटनेस उत्साही के साथ वापस जुड़ने में मदद करता है। एडिडास ने वैश्विक स्टार के साथ जुड़ाव की घोषणा की, क्योंकि उनकी आधुनिक और उग्र नारीवादी भावना, धैर्य, लचीलापन और सक्रिय जीवन शैली विकल्प ब्रांड के मूल संदेश – इम्पॉसिबल इज नथिंग के साथ निकटता से मेल खाते हैं। आइकन और आइकोनिक लक्ष्य के बीच इस साझेदारी का उद्देश्य बाधाओं को तोड़ना, नए मानक स्थापित करना, असीम संभावनाओं का पता लगाना और दुनिया भर में महिलाओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना है। खेल हमेशा पादुकोण के जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया, एक एथलीट होने और खेल खेलने ने मेरे व्यक्तित्व को आकार देने और मुझे वह व्यक्ति बनने में मदद करने में जबरदस्त भूमिका निभाई है जो मैं आज हूं। इसने मुझे जो मूल्य सिखाए हैं, जिसे किसी अन्य जीवन अनुभव से प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, आज, फिटनेस, दोनों शारीरिक और भावनात्मक, मेरी जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा हैं। मैं दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों में से एक – एडिडास के साथ साझेदारी करके पूरी तरह से सम्मानित और खुशी महसूस कर रही हूं। इसके साथ, पादुकोण दुनिया भर की अनुकरणीय महिला एथलीटों और व्यक्तित्वों की लीग में शामिल हो गईं हैं, जिन्होंने हमेशा महिलाओं की आशाओं, आकांक्षाओं और जुनून को आवाज देने का प्रयास किया है। एडिडास के लिए, दीपिका ने सबसे उपयुक्त विकल्प चुना क्योंकि वह जीवन शक्ति, लचीलापन और करुणा का प्रतीक हैं। इसके अलावा, ब्रांड ने उनके उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा की प्रशंसा की, जिसने उनकी अविश्वसनीय रूप से परिवर्तनकारी व्यक्तिगत यात्रा के दौरान उन्हें सहारा दिया। यह उन्हें दुनिया भर में सबसे सुलभ और भरोसेमंद आइकन में से एक बनाता है। इस हालिया साझेदारी पर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर टिप्पणी की, जब मैं लगभग तीन साल पहले अपनी शादी की योजना बना रही थी, तो हमने इसे कुछ समय के लिए गुप्त रखा। यहां तक कि इस घोषणा को गुप्त रखने जितना वह उतना मुश्किल नहीं था! अब, मैं राहत महसूस कर रही हूं कि यह खबर आखिरकार खत्म हो गई है! ब्रांड के संदेश को आगे बढ़ाते हुए, पादुकोण की उपस्थिति इसे आगे ले जाती है, जो प्रेरक व्यक्तित्वों के माध्यम से महिलाओं के लिए खेलों के विविधीकरण पर दृढ़ता से केंद्रित है। इन साझा मूल्यों के साथ, स्टार–ब्रांड की जोड़ी एक तालमेल बनाने के लिए तैयार है जो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को अपने जुनून का बेहिचक पालन करने के लिए प्रेरित करती है। सुनील गुप्ता, वरिष्ठ निदेशक, ब्रांड एडिडास, इंडिया ने कहा, एक वैश्विक युवा आइकन के रूप में और मानसिक कल्याण और व्यक्तिगत बेहतरी के चैंपियन के रूप में, दीपिका खेल और आंदोलन के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने की ब्रांड की महत्वाकांक्षा के साथ खूबसूरती से फिट बैठती हैं। हम दीपिका को एडिडास परिवार में शामिल होने से रोमांचित हैं।

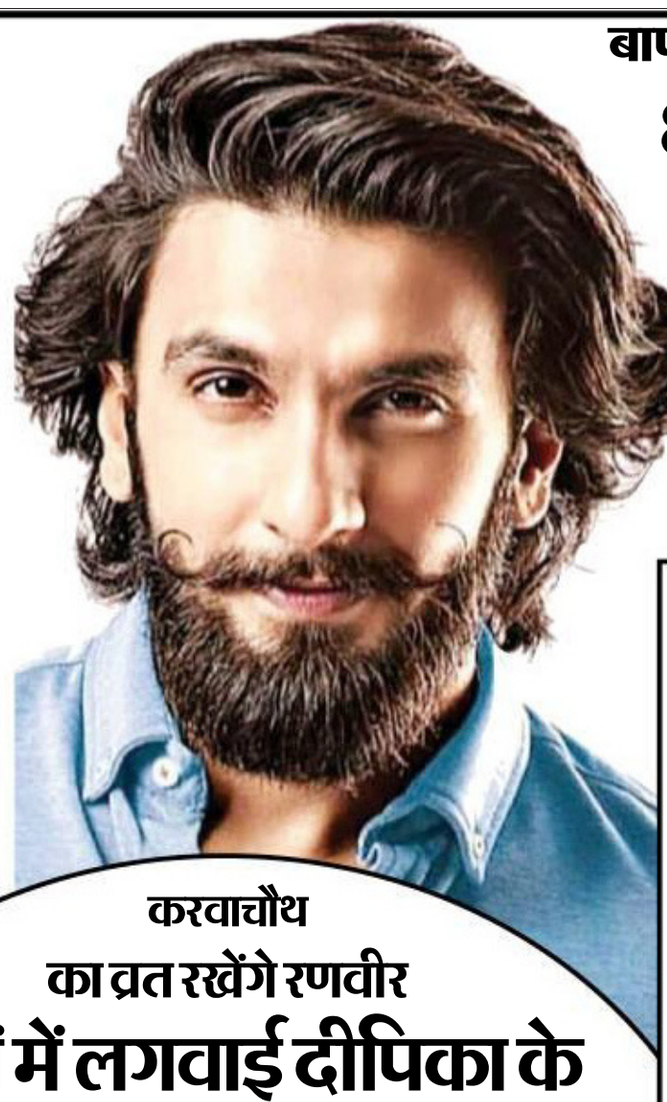

## करवाचौथ का व्रत रखेंगे रणवीर
# हाथों में लगवाई दीपिका के नाम की मेंहदी

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड के फेवरेट कपल्स में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। दीपिका और रणवीर अक्सर अपने प्यार का इजहार करते नजर आते रहते हैं। रणवीर सिंह इन दिनों द बिग पिक्चर शो को होस्ट करते नजर आ रहे हैं। इस शो में जल्द ही करवाचौथ स्पेशल एपिसोड दिखाया जाने वाला है। इस एपिसोड की शूटिंग के दौरान उड़ारियां की तेजो यानि अभिनेत्री प्रियंका चौधरी और निमृत कौर अहलूवालिया यानि छोटी सरदारनी की मेहर पहुंचीं। दोनों ने रणवीर के साथ जमकर मस्ती की। साथ ही रणवीर और दीपिका के करवाचौथ प्लान पर भी बात की। इस दौरान रणवीर ने इस बात का खुलासा किया कि वह इस साल दीपिका के लिए करवाचौथ का व्रत रखने वाले हैं। रणवीर सिंह का यह वीडियो कलर्स ने अपने ट्विटर पर पोस्ट किया है। वीडियो में रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका के लिए हाथों पर मेंहदी लगाते नजर आएंगे। रणवीर भी काफी खुशी से इसे लगवाते दिख रहे हैं। निमृत रणवीर की हथेली पर दीपिका के नाम का पहला अक्षर लिखती हैं। मेहंदी लगने के बाद रणवीर अपने हाथ को देखते हैं और फ्लाइंग किस करते हैं। रणवीर बताते हैं कि उनकी वाइफ दीपू उनके लिए हर करवाचौथ का व्रत रखती हैं। अपना पत्नी धर्म निभाने के लिए रणवीर भी फास्टिंग करते हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

# बाप-बेटे की जोड़ी अखिल-नागार्जुन पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार

अखिल अक्किनेनी इस समय अपनी सफलता का आनंद ले रहे हैं, क्योंकि उनकी हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी मोस्ट एलिजिबल बैचलर काफी हिट रही है। युवा और होनहार अभिनेता अपनी आगामी थ्रिलर में अपने पिता अक्किनेनी नागार्जुन के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गरुड़ वेगा के निर्देशक प्रवीण सत्तारू नागार्जुन की आने वाली फिल्म द घोस्ट का निर्देशन कर रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि द घोस्ट के निर्माता हैलो अभिनेता अखिल को उनके पिता के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए लेने के इच्छुक हैं। उसी के बारे में एक आधिकारिक पुष्टि जल्द ही की जाएगी। बॉलीवुड अभिनेत्री गुल पनग द घोस्ट में नागार्जुन के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए बोर्ड पर हैं, जबकि अनिखा सुरेंद्रन को अखिल के लिए प्रेम रुचि की भूमिका निभाने के लिए चुना जा सकता है, जो जल्द ही टीम में शामिल होने वाले हैं। द घोस्ट नारायण दास नारंग और पुष्कर राम मोहन राव का संयुक्त प्रोडक्शन वेंचर है। दूसरी ओर, चैतन्य कृष्ण के निर्देशन में नागार्जुन की फिल्म, जिसका शीर्षक बंगाराजू है, उसमें नागार्जुन के साथ उनके दूसरे बेटे नागा चैतन्य को दिखाया जाएगा। इसलिए, बंगाराजू और द घोस्ट दोनों ने बहुत प्रचार किया है, क्योंकि दोनों फिल्मों में नागार्जुन को उनके बेटों के साथ दिखाया गया है।

# रानी मुखर्जी ने पूरी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी के जन्मदिन के मौके पर उनकी अगली फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की घोषणा की गई थी। इस फिल्म को जी स्टूडियोज के साथ मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी की एमे एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी एक ऐसी अकेली मां की होगी जो अकेले पूरे देश से लड़ जाती है। वहीं अब इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। रानी मुखर्जी अभिनीत यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म का पहला शेड्यूल एस्टोनिया में बड़े पैमाने पर शूट किया गया था, जबकि अंतिम भारत के कुछ हिस्सों में फिल्माया गया है। फिल्म की टीम ने सेट पर रैप का जश्न मनाया और सेलिब्रेशन की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की। रानी मुखर्जी ने कहा कि यह वास्तव में एक प्यारा संयोग है कि मैंने मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की शूटिंग उसी दिन पूरी की जिस दिन मेरी पहली हिन्दी फिल्म राजा की आएगी बारात रिलीज हुई थी। उन्होंने कहा, मैं इसे शूट करते हुए भावनाओं के एक रोलरकोस्टर से गुज़री हूं। मैंने अपनी प्रोड्यूसर मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, निखिल आडवाणी, जी स्टूडियोज और निर्देशक आशिमा छिब्बर के साथ शूटिंग करते हुए बहुत अच्छा समय बिताया। और मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म उन सभी को उत्साहित करेगी, जो एक शानदार कॉन्सेप्ट के साथ एक एंटरटेनर देखना चाहते हैं। इस फिल्म के अलावा रानी, बंटी और बबली 2 और मर्दानी 3 में भी नजर आएंगी। बंटी और बबली 2 में रानी के साथ सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी वाघ हैं।

# तख्त मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट: करण जौहर

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर की बहुप्रतीक्षित फिल्म तख्त की घोषणा को दो साल हो गए हैं। बताया जा रहा था कि यह फिल्म मार्च 2020 में फ्लोर पर आ जाएगी लेकिन कोरोना के कारण यह प्रोजेक्ट अटक गया। इस फिल्म को लेकर यह भी खबरें आ रही थी कि ये डिब्बाबंद हो गई है। करण ने अपनी इस फिल्म को बनाने का विचार फिलहाल टाल दिया है। अब करण जौहर ने अपनी इस फिल्म को लेकर एक खुलासा किया है। करण ने बताया कि उन्होंने अपनी इस फिल्म को बंद नहीं किया है और वह इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा, फिल्म तख्त डिब्बाबंद नहीं हुई है। मैं रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के बाद तख्त पर काम शुरू करूंगा। उन्होंने कहा, यह मेरे जिगर का टुकड़ा है, जिसे दर्शकों के सामने लाने को बेताब हूं। यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। ढ़ाई साल से मैं इसकी तैयारी कर रहा हूं और जल्द ही इसे आगे बढ़ाया जाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म तख्त में शाहजहां के दो बेटों दारा शिकोह और औरंगजेब के बीच उत्तराधिकार की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में रणवीर सिंह, औरंगजेब के भाई दारा शिकोह का रोल करेंगे, जबकि विक्की कौशल मुगल शासक औरंगजेब की भूमिका में दिखने वाले हैं।

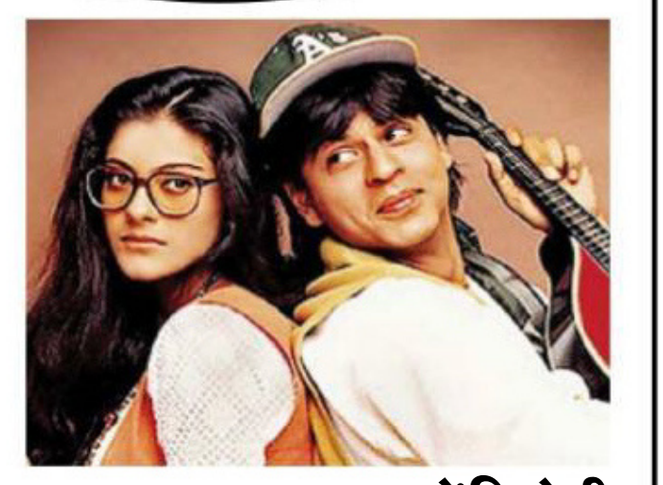

# 26 साल बाद नए रूप में दिखेगी दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और काजोल की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को हाल ही में रिलीज हुए 26 साल पूरे हुए है। वहीं अब यशराज फिल्म्स ने एक ऐसी घोषणा की है, जो कि इस फिल्म के दीवानों के लिए बेहद ही ख़ास है। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को म्युजिकल प्ले के फॉर्म में एडॉप्ट किया जा रहा है। उसका निर्देशन आदित्य चोपड़ा करेंगे। यशराज फिल्म्स ने अपने ट्विटर अकाउंट पर घोषणा करते हुए बताया कि आदित्य चोपड़ा इस फिल्म का ब्रॉडवे रूपांतरण बनाने वाले है। जिसका नाम कम फॉल इन लव। डीडीएलजे म्यूजिकल है। इसमें विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी म्यूजिशियन के रूप में काम करेंगे। जबकि म्यूजिक टोनी, ग्रैमी और एमी अवार्ड्स के विनर बिल शर्मन देंगे। इसी के साथ एडम ज़ोटोविच एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में दिखाई देंगे। कम फॉल इन लव। डीडीएलजे म्यूजिकल 2022–2023 के ब्रॉडवे सीज़न में डेब्यू करेगी, जिसका वर्ल्ड प्रीमियर सैन डिएगो के ओल्ड ग्लोब थिएटर में सितंबर 2022 को होगा। यशराज फिल्म्स ने आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखा गया एक नोट भी शेयर किया है। जिसमें लिखा है, ऑटम 2021... मैं अब तक की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा हूं। इसी के साथ मैं लंबे समय से खोए हुए दो प्रेमियों, ब्रॉडवे म्यूजिकल और इंडियन फिल्म्स को फिर से मिला रहा हूं। उन्होंने लिखा, 26 साल पहले मैंने अपने करियर की शुरुआत दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) नामक फिल्म से की थी। फिल्म ने इतिहास रच दिया और मेरी और कई अन्य लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि मेरा इरादा कभी भी डीडीएलजे को हिन्दी में बनाने का नहीं था।

# 2021 मेरे जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है-परिणीति

परिणीति चोपड़ा का इस साल वर्किंग बर्थडे है, जिसे उन्होंने अपना सबसे बड़ा उपहार कहा है क्योंकि उन्हें उनकी फिल्मों के लिए सराहना मिली है। अभिनेत्री को पिछले कुछ सालों में यह हासिल नहीं हुई थी। शुक्रवार को 33 साल की हो गईं परिणीति ने बातचीत में इस साल अपने सेलिब्रेशन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैं अभी नेपाल में हूं और मैं सूरज बड़जात्या की फिल्म ऊंचाई की शूटिंग कर रही हूं। यह एक वर्किंग बर्थडे है और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मैंने इस साल बहुत शूटिंग और यात्रा की। यह वही है जिसकी मैंने कल्पना की थी, इसलिए यह एकदम सही है और मैं उत्साहित हूं। द गर्ल ऑन द ट्रेन, साइना और संदीप और पिंकी फरार जैसी फिल्मों को मिली प्रतिक्रिया से अभिनेत्री बेहद खुश हैं। वह 2021 को अपने सबसे बड़े जन्मदिन के उपहार के रूप में टैग करती है। मेरे बहुत से दोस्त और मेरा परिवार इस बात का मजाक उड़ा रहे हैं कि आप जन्मदिन के उपहार के रूप में क्या चाहते हैं .. मैं उन्हें बता रही हूं कि मुझे तोहफा पहले ही मिल गया है। 2021 मेरा जन्मदिन का तोहफा था।

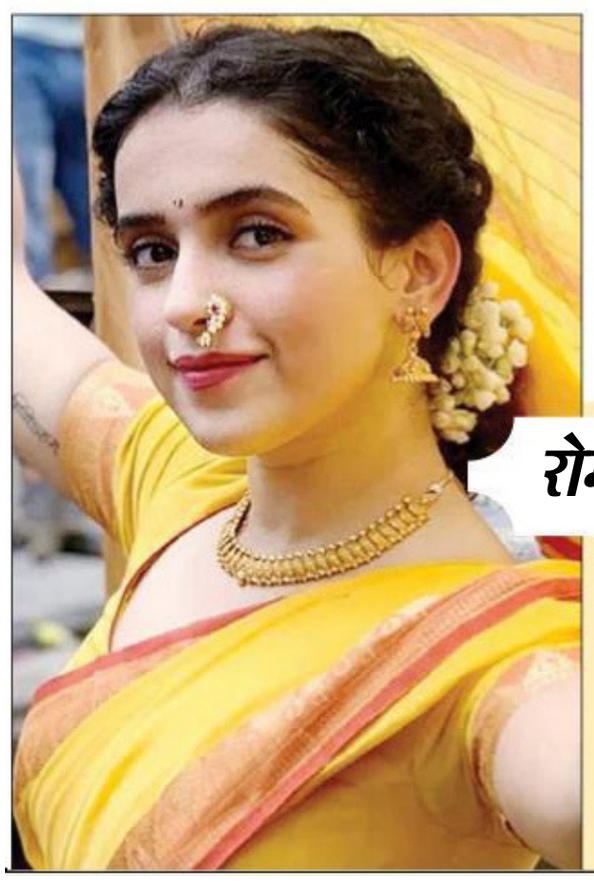

# रोमांटिक कॉमेडी मुझे आकर्षित करती है-सान्या

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा का कहना है कि वह सहज रूप से हल्की–फुल्की रोमांटिक कॉमेडी की ओर आकर्षित होती हैं और शायद यही उनके लिए फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर में काम करने का सबसे बड़ा कारण है। मुंबई में मीनाक्षी सुंदरेश्वर के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सान्या मल्होत्रा, सह–कलाकार अभिमन्यु दासानी, फिल्म निमार्ता विवेक सोनी और पूरी नेटफ्लिक्स और धर्मैटिक क्रिएटिव टीम के साथ थे। मीनाक्षी सुंदरेश्वर को लेने के अपने कारणों के बारे में बात करते हुए सान्या ने कहा कि स्क्रिप्ट के रोमांटिक बिट के कारण मैंने इसे चुना। आजकल मैं हल्के–फुल्के रोमांटिक कॉमेडी के लिए व्यवस्थित रूप से आकर्षित हूं, इसलिए यह मुख्य कारण था कि मैं चरित्र और पटकथा के प्रति आकर्षित हुई। मेरे लिए, यह मीनाक्षी के चरित्र के साथ पहली नजर का प्यार था। मैं धर्मा प्रोडक्शंस के साथ भी काम करना चाहती थी, यह मेरा सपना था। सान्या मदुरै की एक दक्षिण भारतीय लड़की की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसलिए जब पंजाबी होने के बावजूद मदुरै की लड़की को ऑन–स्क्रीन निभाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि भूमिका कठिन है। देखिए, हर किरदार की अपनी यात्रा होती है, एक अभिनेता के रूप में आपको कैमरे के सामने कदम रखने से पहले अपना होमवर्क करना होता है।

# पाक के हौसले बुलंद पर न्यूजीलैंड से आसान नहीं है मुकबला

- पाक के बाबर-रिजवान को न्यूजीलैंड के बोल्ट-फर्गुसन से चौकस रहना होगा
- रंग में न्यूजीलैंड के विलियमसन, कॉनवे और गुपटिल

## मैच का समय : शाम साढ़े सात बजे से

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर **(एजेंसी)।** सलामी बल्लेबाज बाबर आजम की अगुआई में पाकिस्तान ने सभी कयासों को गलत साबित करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को दुबई में रविवार को सुपर 12 में ग्रुप दो के अपने पहले मैच में दस विकेट के बड़े अंतर से हरा कर टी-20 क्रिकेट विश्व कप में पहली जीत दर्ज की। रफ्तार के सौदागर शहीन शाह अफरीदी के गेंद से कमाल के बादबाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की सलामी जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजी की धार कुंद कर पाकिस्तान को जीत दिला कर न्यूजीलैंड को शारजाह में मंगलवार के मुकाबले से पहले ही चेता दिया है। न्यूजीलैंड ने हाल ही सुरक्षा इंतजामों को लेकर चिंता जता कर इस टी-20 विश्व कप से ठीक पहले अपने पाकिस्तान दौरे को रद्द कर दिया था। न्यूजीलेंड द्वारा इस दौरे को रद्द करने से पाकिस्तान की खासी किरकिरी हुई थी। तब पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनका मुल्क हमेशा बाकी टीमों का हर तरह ख्याल रखता है लेकिन बाकी मुल्क ऐसा नहीं करते।

शारजाह की पिच बेशक दुबई की पिच से अलग होगी और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारत के मुकाबले तेज गेंदबाजी को बेहतर ढंग से खेलते हैं। भारत पर जीत से भले ही पाकिस्तान के हौसले बुलंद है लेकिन शारजाह के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ भी जीत के लिए उसे एक इकाई के रूप में और बेहतर खेल की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से पिछले पांच में से तीन मुकाबले जीते हैं और इसमें अपने घर में 2-1 से सीरीज जीत भी शामिल है। पाकिस्तान सुपर 12 में न्यूजीलैंड को भी हरा देता है और उसका सेमीफाइनल में प्रवेश लगभग पक्का हो जाएगा। ऐसे में न्यूजीलैंड और भारत के बीच रविवार को खेला जाना वाला मैच और अहम हो जाएगा।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की सलामी जोड़ी पर जरूर से ज्यादा निर्भर है और भारत के खिलाफ जैसा प्रदर्शन उसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट, काइल जैमीसन, लॉकी फर्गुसन, टिम साउदी जैसे तेज गेंदबाजों से पाकिस्तान के बाबर और रिजवान की सलामी जोड़ी का चौकस रहना होगा। बेशक इन दोनों के बा फख़ जमां और अनुभवी ऑफ ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक के रूप में अनुभवी बल्लेबाज हैं लेकिन न्यूजीलैंड की विविधतापूर्ण गेंदबाजी के खिलाफ पाकिस्तान के मध्यक्रम को खासी सूझबूझ से खेलना होगा। न्यूजीलेंड के खिलाफ बीते बरस तीन टी-20 मैचों की सीरीज में आखिरी को छोड़कर पाकिस्तान के बल्लेबाज ट्रेंट बोल्ट और जैमीसन के खिलाफ बराबर रनों के लिए जूझते नजर आए थे।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, डेवॉन कॉनवे, मार्टिन गुपटिल और विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिरफिट बढिया रंग में हैं। खासतौर पर न्यूजीलैंड में हुई पिछली टी-20 सीरीज में सिरफिट जिस तरह पाकिस्तान के गेंदबाजों के लिए सिरदर्द बने थे वे उसके लिए फिर दिक्कत पेश का सकते हैं। कप्तान विलियमनसन, कॉनवे और गुपटिल तकनीकी रूप से तेज और स्पिन गेंदबाजों को जिस बढिया ढंग से खेलते हैं उससे न्यूजीलैंड को सस्ते मे आउट करना पाकिस्तान के शहीन अफरीदी, सुहेल राउफ , हसन अली के आसान नहीं होगा। खासतौर पर कप्तान विलियमसन जिस तरह स्पिनरों के खिलाफ खासतौर पर %स्वीप' खेलते हैं उससे पाकिस्तान के उपकप्तान स्पिन ऑलराउंडर शादाब खान, अनुभवी मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक के लिए उन्हें रोकना बड़ी चुनौती होगा।

# जीत के साथ मनोबल बढ़ाना चाहेंगे दक्षिण अफ्रीका-वेस्ट इंडीज

**दुबई,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौजूदा टी-20 विश्व कप 2021 में अपने पहले मैच में हार के बाद डिफेंडिंग चैंपियन वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीकाई टीम कल यहां एक-दूसरे के खिलाफ मैच में जीत के साथ अपना मनोबल बढ़ाना चाहेगी। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर साढ़े तीन बजे मैच शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि वेस्ट इंडीज जहां इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में बुरी तरह से हारा था, वहीं दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक रोमांचक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वेस्ट इंडीज के लिए फिलहाल सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी है, जिसकी बदौलत उसने दो बार टी-विश्व कप खिताब उठाया है। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकाई टीम की बात करें तो उसके सभी खिलाड़ी फॉर्म में हैं। बल्लेबाजी में कप्तान टेम्बा बावुमा सहित क्विंटन डी कॉक, एडन मार्क्रम, रासी वान डर डुसेन और रीजा हेंड्रिक्स सभी बल्लेबाज बल्ले से अच्छे दिख रहे हैं, जबकि गेंदबाजी में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज तबरेज शम्सी के साथ-साथ कैगिसो रबादा और एनरिक नॉर्त्जे अच्छा कर रहे हैं। रबादा और नॉर्त्जे का इस वर्ष आईपीएल सीजन भी शानदार रहा था। दोनों ने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से घातक गेंदबाजी की थी, जो आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची थी।

वेस्ट इंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में टीम के 55 के स्कोर पर ऑलआउट होने और फिर बुरी तरह से मैच हार जाने के बाद कहा था कि इस प्रकार का प्रदर्शन अस्वीकार्य है, लेकिन टीम जल्दी अच्छे प्रदर्शन के साथ वापसी करेगी। उन्होंने कहा था, हमने अपने पिछले तीन मैचों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है। हमारे बल्लेबाज पिच पर गए और बड़े शॉट खेलने की कोशिश की, जो कारगर नहीं रहा। मुझे नहीं लगता कि हमारी टीम में इस हार से किसी तरह की घबराहट आएगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले दोनों टीमें टी-20 विश्व कप में तीन बार आपस में भिड़ी हैं, जिसमें दो बार दक्षिण अफ्रीका ने वेस्ट इंडीज को हराया, जबकि एक बार वेस्ट इंडीज को जीत मिली है।

# मैदान पर कहासुनी के बाद लाहिरू कुमारा व लिटन दास पर जुर्माना

**शारजाह,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा और बंगलादेशी बल्लेबाज लिटन दास पर यहां कल खेले गए टी-20 विश्व कप के सुपर 12 के मुकाबले में कहासुनी के बाद जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए कुमारा पर जहां मैच फीस का 25 फीसदी, वहीं दास पर 15 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है। मैच फीस के जुर्माने के अलावा दोनों खिलाड़ियों को एक अवगुण अंक भी दिया गया है। दोनों ने आईसीसी नियमों के उल्लंघन को लेकर माफी मांगी है और उन पर लगाए गए

जुर्माने को स्वीकार किया है।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, लाहिरू कुमारा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी समर्थन कर्मियों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो अनुचित भाषा, काम या इशारों का इस्तेमाल करने से संबंधित है जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी के आउट होने के दौरान उसे अपमानित कर सकता है या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया देने के लिए उकसा सकता है। वहीं लिटन दास को खिलाड़ियों और उनके सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि यहां कल मैच के दौरान बंगलादेश की बल्लेबाजी के पांचवें ओवर के दौरान यह विवाद हुआ, जब लाहिरू कुमारा के लिटन दास को आउट करने के बाद दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। कुमारा की प्रतिक्रिया ने लिटन दास को भी आक्रामक प्रतिक्रिया देने पर मजबूर किया।

# मैं एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने को तैयार : स्टोक्स

**लंदन,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेन स्टोक्स 2021-22 एशेज के पहले टेस्ट में साढ़े चार महीने के ब्रेक के बाद क्रिकेट में वापसी करेंगे, जिससे इंग्लैंड की 11 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में जीत की उम्मीदें बढ़ गई हैं। स्टोक्स ने 26 जुलाई से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, पिछली बार वह द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेले और उस मैच में चोटिल हो गए थे। वह भारत के ख़िलाफ़ इंग्लैंड की सीरीज़ में भी नहीं खेले। पहले टेस्ट से कुछ दिन पहले उन्होंने मानसिक रूप से स्वस्थ होने की वजह से क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इसी वजह से उन्हें टी20 विश्व कप टीम में भी जगह नहीं मिली। उन्हें अप्रैल में आईपीएल के दौरान बायें हाथ की तर्जनी अंगुली में चोट लगी थी, जिसके बाद यह चोट दोबारा उबर आई। इंग्लैंड के चार नवंबर को ऑस्ट्रेलिया रवानगी से पहले वह सर्जरी कराने

के बाद वह वह हाल के हफ्तों में निम्न-स्तरीय प्रशिक्षण पर लौट आए हैं। स्टोक्स ने कहा, मैंने अपनी मानसिक भलाई को प्राथमिकता देने के लिए एक ब्रेक लिया था और मैंने अपनी अंगुली को ठीक कर लिया है। मैं अपने साथियों को देखने और उनके साथ मैदान पर रहने के लिए उत्सुक हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए तैयार हूं। इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक एश्ले जाइल्स ने कहा, उनकी अंगुली का सफल ऑपरेशन हुआ और पिछले कुछ हफ्तों में बेन और मैं, हमारे मेडिकल स्टाफ और उनकी प्रबंधन टीम के बीच कई बातचीत हुई। स्टोक्स ने मुझे यह कहने के लिए बुलाया कि वह तैयार है। वह क्रिकेट में वापसी करने के लिए और एशेज सीरीज़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की संभावना के बारे में उत्साहित था। जाइल्स ने कहा, समय दर समय स्टोक्स ने प्रदर्शित किया है कि वह इंग्लैंड टीम के लिए कितना महत्वपूर्ण है और एशेज सीरीज़ के लिए उसका उपलब्ध होना हम सभी के लिए और विशेष रूप से क्रिस सिल्वरवुड, जो रूट और बाकी के लिए बहुत अच्छी ख़बर है। कुछ समय तक नहीं खेलने की वजह से हम अगले कुछ हफ्तों में सावधानी से आगे बढ़ेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने खेल के सभी पहलुओं के लिए पूरी तरह से तैयार है।

## संक्षिप्त समाचार

### 61 कैवलरी के मेजर दीपांशु श्योराण ने स्वर्ण जीत कर क्वालिफाई किया

**नई दिल्ली।** 19वें एशियाई खेल 2022 हेतु ईवेंटिंग के लिए पहली चयन प्रतिस्पर्धा जयपुर में सम्पन्न हुई। 61 कैवलरी के मेजर दीपांशु श्योराण ने एफईआई सीसीआई 2 स्टार लांग ईवेंटिंग मुकाबले में स्वर्ण जीत कर एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। 51 हॉर्स राइडर्स कॉम्बिनेशन ने ईवेंटिंग के थ्री लैग्स, ड्रैसाज क्रॉस कंट्री और शो जम्पिंग में भाग लिया। मेजर दीपांशु श्योराण एकमात्र राइडर हैं जिन्होंने स्वर्ण पदक जीत कर एशियाई खेल 2022 के लिए क्वालिफाई किया है। रिमाउंट वेटरिनरी कॉर्प्स के दफेदार राकेश कुमार और दफेदार कुम्भर महेश ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। भारतीय थलसेना द्वारा संचालित एकमात्र हॉर्स कैवलरी रैजिमेंट- 61 कैवलरी के जरिए यह प्रतिस्पर्धा 20 से 24 अक्टूबर - पांच दिन तक हुई। पहले दिन वेटरिनरी इंस्पेक्शन, दूसरे व तीसरे दिन ड्रैसाज टैस्ट, चौथे दिन क्रॉस कंट्री टैस्ट और अंतिम दिन शो जम्पिंग टैस्ट हुआ।

### यश भाटिया ने जड़ा दोहरा शतक, ऐस अकैडमी जीती

नई दिल्ली। दिल्ली के अंडर 19 खिलाड़ी यश भाटिया के 133 गेंदों पर 10 छक्कों व 17 चौकों की मदद से बने ताबड़तोड़ 200 रनों की बदौलत ऐस क्रिकेट अकैडमी (354/4) ने पहले अंडर 17 रमेश चंद्र मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में वेस्ट दिल्ली क्रिकेट अकैडमी, द्वारका (191/10) को 163 रनों से हरा दिया। यश भाटिया ने पिछले महीने हुई वीनू मांकड ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए बिहार के विरुद्ध 45 गेंदों पर 58 रन व उत्तर प्रदेश के विरुद्ध 17 रनों की पारी खेली थी ।

### रेपसोल होण्डा टीम शानदार 1-2 फिनिश के साथ फिर से टॉप पर

रोम। मार्क मार्कीज़ ने एक के बाद एक लगातार जीत हासिल की, वहीं पोल एस्परगारो ने अपनी सर्वश्रेष्ठ मोटोजीपी फिनिश की तथा रेपसोल होण्डा टीम के लिए पहला पोडियम हासिल कर लिया, इस तरह इन राइडरों ने 2017 एरागोन जीपी के बाद टीम के लिए शानदार 1-2 फिनिश दिया है। पिछली रेस में 450वीं प्रीमियर क्लास पोडियम हासिल करने के बाद, अपने शानदार परफार्मेन्स को जारी रखते हुए रविवार को इटली में समुद्र के किनारे रेपसोल होण्डा टीम ने 450वीं ग्रां प्री रेस की शुरूआत की। यह रविवार रेपसोल होण्डा टीम के लिए भाग्यशाली साबित हुआ, जब टीम ने रेस में 1-2 फिनिश हासिल कर ली। मार्क मार्कीज़ ने लाईन पर एक और शानदार शुरूआत की और ग्रिड के तीसरे रो से शुरूआत करने के बाद तुंरत पोडियम मुकाबले में शामिल हो गए। कुछ ही लैप्स के बाद जैक मिलर के क्रैश के कारण मार्कीज और मिसानो1 रेस के विजेता फैंसेसको बगनिया के बीच आगे बढ़ने के लिए मुकाबला होने लगा। इस जोड़ी ने सबसे तेज़ी से लैप लिए, रेस के ज्यादातर हिस्से में रु93 डुकाटी से दस स्थानों के अंदर बने रहे।

# भारत ने ओमान पर 2-1 से जीत के साथ शुरू किया अभियान

**दुबई,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-23 फुटबॉल टीम ने रविवार को फुजैराह स्टेडियम में ओमान के खिलाफ 2-1 से जीत के साथ अपने एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2022 क्वालीफायर अभियान की शुरुआत की।

पूरे मैच में भारत का दबदबा रहा। फॉरवर्ड रहीम अली ने छठे मिनट में पहला गोल दाग कर भारत को शुरुआत में ही बढ़त दिलाई। उन्होंने ओमान के डिफेंस द्वारा की गई एक अनोखी गलती के कारण भारत के विक्रम प्रताप सिंह को मिली पेनल्टी को गोल में तब्दील करने का मौका नहीं गंवाया। इसके बाद अन्य फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह तोमर ने 37वें मिनट ने एक और गोल दाग

कर बढ़त को दोगुना कर दिया। इन गोलों और अच्छे बचाव के साथ 2-0 के स्कोर के साथ पहला हाफ पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

दूसरे हाफ में ओमान ने भारत की बढ़त को घटाने और स्कोर बराबर करने की पूरी कोशिश की, लेकिन गोलकीपर धीरज सिंह मोईरंगथम सहित सभी भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा बचाव किया। ओमान हालांकि मैच के अंतिम क्षणों में एक गोल करने में कामयाब रहा। अब्दुल्लाह मोहम्मद अल बलुशी की मदद से सब्सीट्यूट खिलाड़ी वलीद सलीम अल-मुसलमी ने 89वें मिनट में एक शानदार गोल दागा, हालांकि यह गोल ओमान की हार नहीं टाल पाया।

भारतीय टीम इस जीत के साथ क्वालीफायर्स में ग्रुप ई में किर्गिज गणराज्य के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। भारतीय टीम अब आगामी बुधवार को मेजबान यूएई के साथ यहीं पर अपना अगला मुकाबला खेलेगी। उल्लेखनीय है कि ग्रुप की शीर्ष और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम एएफसी अंडर-23 एशियन कप 2022 में अगले चरण में पहुंचेगी।

# हमारे बल्लेबाजों को अपने शॉट सलेक्शन में सुधार करने की जरूरत : सिमंस

**दुबई,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट के इतिहास में अपने न्यूनतम स्कोर 55 पर सिमटने के बाद वेस्टइंडीज के मुख्य कोच फिल सिमंस ने अपने बल्लेबाजों से बेहतर मानसिकता और गेम जागरूकता अपनाने को कहा है। सिमंस ने कहा, शनिवार को हमारा शॉट चयन बहुत खराब था। इंग्लैंड की गेंदबाजी में कुछ भी असाधारण नहीं था और हमारे बल्लेबाज उन्हें कई बार खेल चुके हैं। हमें मंगलवार से पहले शॉट के चयन में दस गुना सुधार की दरकार है।

सिमंस ने यह भी कहा कि यूएई में धीमी विकेटों पर विश्व कप होने के बावजूद उनके पावर हिटर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के मूल्यों से दूर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, इस टीम में

काफी अनुभव है। किसी भी वक्त क्रीज पर मौजूद दो बल्लेबाज ऐसे होंगे जो परिस्थितियों के अनुसार अपने गेम में बदलाव ला सकते हैं। लेकिन शॉट के चयन और इस बदलाव में हमें सुधार देखना होगा।

इस विश्व कप में इंग्लैंड से करारी हार के बाद बात चली कि शायद वेस्टइंडीज़ ने दुबई के पिच को पढ़ने में गलती की हो। खासकर रॉस्टन चेज जैसे एंकर को अंतिम एकादश में जगह ना मिलने पर कुछ सवाल ज़रूर उठे थे। इस पर सिमंस ने कहा, हमसे पिच को पढ़ने में कोई चूक नहीं हुई। स्पिनर्स ने विकेट जरूर लिए लेकिन शुरुआत में पिच बैटिंग के लिए काफी अनुकूल थी। आप को पहले छह-सात ओवरों का लाभ लेना पड़ता है और आखिर तक संघर्ष करना पड़ता है। चेज जरूर अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में सफल रहे थे लेकिन हमने शनिवार के लिए सही एकादश का चयन किया था।

ओपनर लेंडल सिमंस ऑफ स्पिनर मोईन अली के खिलाफ डीप मिडविकेट में बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में कैच आउट हुए।

## पारस म्हाम्ब्रे ने गेंदबाजी कोच पद के लिए किया आवेदन

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच बनने पर सहमति जताने के बाद अब उनके करीबी पारस म्हाम्ब्रे के टीम के गेंदबाजी कोच के लिए आवेदन करने की खबर सामने आई है। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज पारस ने भारत की सीनियर पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच पद के लिए सोमवार को आवेदन किया है। म्हाम्ब्रे ने एक दशक से ज्यादा समय तक बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में कार्य किया है, जिसके राहुल द्रविड़ काफी वर्षों से प्रमुख हैं, इसलिए म्हाम्ब्रे को राहुल का भरोसेमंद माना जाता है। समझा जाता है कि अगर राहुल टीम के मुख्य कोच बनते हैं तो म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच की भूमिका में देखे जा सकते हैं, हालांकि अभी यह निश्चित नहीं है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने एक बयान में कहा, पारस ने आज गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन किया है। आवेदन करने की आखिरी तारीख 26 अक्टूबर है। उनके पास काफी अनुभव है और पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट की एलीट कोचिंग व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। वह भारत ए और अंडर-19 टीमों के साथ काफी कामयाब रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई ने इससे पहले द्रविड़ के मुख्य कोच का पद संभालने के लिए सहमत होने की जानकारी दी थी। दरअसल मौजूदा कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल टी-20 विश्व कप के बाद समाप्त हो रहा है।

# पाकिस्तान ने हमें खेल के हर विभाग में धो डाला : विराट

**दुबई,** 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत को विश्व कप में पाकिस्तान से 10 विकेट से मिली अपनी पहली हार के बाद कप्तान विराट कोहली ने स्वीकार किया कि उनका टीम को पाकिस्तान ने मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। भारत के सात विकेट पर 151 रन के जवाब में पाकिस्तान ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के नाबाद अर्धशतक की बदौलत 17.5 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पहली 10 विकेट की हार थी।

विराट ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उन्होंने निश्चित रूप से हमें पछाड़ दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, यदि आप विपक्षी टीम को पूरी तरह से मैच से बाहर नहीं करते हैं तो आप दस विकेट से नहीं जीत सकते हैं। हमें कोई मौका भी नहीं मिला। वे बहुत पेशेवर थे और आपको निश्चित रूप से उन्हें श्रेय देना होगा। हमने अपनी पूरी कोशिश की और हमने पर्याप्त रन बनाने की कोशिश की। उन पर दबाव था, लेकिन उनके पास जवाब था। यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि एक टीम ने हमसे बेहतर खेला।

भारतीय कप्तान ने कहा, जब आप दोनों तरफ से 11 खिलाड़ियों के रूप में मैदान पर कदम रखते हैं, तो आपके पास खेल जीतने का समान अवसर होता है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आप वहां जाएंगे और

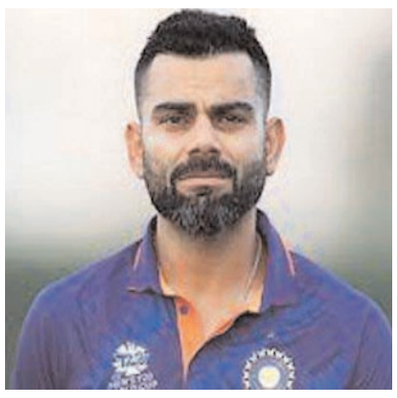

**निश्चित रूप से हमें पछाड़ दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है। यदि आप विपक्षी टीम को पूरी तरह से मैच से बाहर नहीं करते हैं तो आप दस विकेट से नहीं जीत सकते हैं। हमें कोई मौका भी नहीं मिला। वे बहुत पेशेवर थे और आपको निश्चित रूप से उन्हें श्रेय देना होगा। यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि एक टीम ने हमसे बेहतर खेला : विराट कोहली**

हर मैच जीतेंगे। हमने अपनी पूरी कोशिश की, हमने अपनी स्थिति से एक अच्छा स्कोर बनाया और हमने सोचा कि हम उन्हें दबाव में डाल सकते हैं, लेकिन उन्होंने हमें किसी भी स्तर पर मैच में नहीं आने दिया। वे निश्चित रूप से इसके लायक हैं। उन्होंने खेल को बहुत मज़बूती से ख़त्म किया और पूरी पारी में उन्होंने हमें मौका नहीं दिया कि हम उन पर दबाव बना सकें।

कोहली ने माना कि दूसरी पारी के दौरान रात में ओस ने भारतीय आक्रमण की मुश्किलें बढ़ा दी। मैच से पहले शाम को बाबर ने ओस की चिंता का हवाला देते हुए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। कोहली ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि परिस्थितियां बहुत मुश्किल हो गई थी, लेकिन अगर पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ी बेहतर हो जाती है, तो आप शुरुआत में उतर जाते हैं, आप रनों का पीछा करने के बारे में अधिक आत्मविश्वास महसूस करने लगते हैं और यही हुआ। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की पारी के दूसरे हाफ़ में दस ओवर के बाद जितनी अधिक ओस आई और वे स्ट्राइक रोटेट करने में सक्षम थे। हम डॉट बॉल भी नहीं कर पाए क्योंकि पिच स्पष्ट रूप से बल्लेबाजों के लिए थोड़ी अधिक गति प्रदान कर रही थी। धीमी गेंदे भी अपना काम नहीं कर पा रही थीं।

भारत का अगला मुकाबला रविवार को इसी मैदान पर न्यूज़ीलैंड से होगा। कोहली ने सप्ताह भर के ब्रेक का स्वागत करते हुए कहा कि इससे टीम को अपने शुरुआती नुकसान पर विचार करने और टूर्नामेंट के बाकी हिस्सों के लिए अपनी योजनाओं को ठीक करने में मदद मिलेगी। विराट ने कहा, मुझे लगता है कि यह ब्रेक हमारे लिए सभी दृष्टिकोणों से वास्तव में अच्छा काम करेगा, यह जानते हुए कि हमने पहले ही एक पूर्ण सत्र खेला है। पहले हमने इन मुश्किल परिस्थितियों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आईपीएल खेला और फिर हम विश्व कप में खेल रहे हैं। इसलिए, हमारे लिए ये बड़े ब्रेक निश्चित रूप से कुछ ऐसे हैं जो एक टीम के रूप में हमारी मदद करेंगे। इस बड़े टूर्नामेंट को खेलने के लिए हमें मुख्य शारीरिक स्थिति में होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप हमेशा एक उच्च-तीव्रता वाला टूर्नामेंट होता है। यह हमें अभ्यास सत्र में आने के लिए, एक टीम के रूप में फिर से संगठित होने में मदद करेगा, जो हम चाहते हैं उसे अमलीजामा पहनाने के लिए उत्सुक हैं और बहुत आत्मविश्वास से तैयारी करते हैं और फिर मैच के दिन उतरते हैं। हम फिर से यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं कि इस बार हम अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करें। हमें अपनी क्षमता पर पर्याप्त विश्वास है। इस तैयारी के समय के साथ हम एक बार फिर सकारात्मक सोच के साथ सामने आएंगे। इसलिए, एक टीम के रूप में, व्यक्तिगत रूप से मैं कह सकता हूं यह अच्छी बात है जो हो रहा है। हमारे पास चिंतन करने और फिर से तैयारी करने का समय होगा।